



Ratna Jyoti

An ISO Certified Company
GSTIN:19ADBPN659861Z1

OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



Sample

13 Aug 1990

05:30 AM

Delhi

Model: Web-ParasharPatrika

SrNo: 101-111-105-1030 / 191

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12-13/08/1990
दिन _____: रवि-सोमवार
जन्म समय _____: 05:30:00 घंटे
इष्ट _____: 59:13:56 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:08:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:05 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:33:32 घंटे
सूर्योदय _____: 05:48:25 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:03:29 घंटे
दिनमान _____: 13:15:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 26:16:27 कर्क
लग्न के अंश _____: 21:23:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र
लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वृद्धि
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1912	श्रावण	22
पंजाबी	संवत : 2047	श्रावण	29
बंगाली	सन् : 1397	श्रावण	28
तमिल	संवत : 2047	आदी	29
केरल	कोल्लम : 1165	कर्कदम	28
नेपाली	संवत : 2047	श्रावण	29
चैत्रादि	संवत : 2047	भाद्रपद	कृष्ण 7
कार्तिकादि	संवत : 2047	श्रावण	कृष्ण 7

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 6
तिथि समाप्ति काल _____ : 12:40:39
जन्म तिथि _____ : 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : अश्विनी
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 22:25:25 घंटे
जन्म योग _____ : भरणी
सूर्योदय कालीन योग _____ : शूल
योग समाप्ति काल _____ : 07:34:00 घंटे
जन्म योग _____ : वृद्धि
सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
करण समाप्ति काल _____ : 12:40:39 घंटे
जन्म करण _____ : बव
भयात _____ : 17:41:28
भभोग _____ : 56:25:39
भोग्य दशा काल _____ : शुक्र 13 वर्ष 8 मा 27 दि

घात चक्र

मास _____ : कार्तिक
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : रविवार
नक्षत्र _____ : मघा
योग _____ : विष्कुम्भ
करण _____ : बव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : सिंह
लग्न _____ : मेष
सूर्य _____ : कर्क
चन्द्र _____ : मेष
मंगल _____ : सिंह
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कन्या
शुक्र _____ : तुला
शनि _____ : मिथुन
राहु _____ : वृश्चिक



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली

	मं चं	
ल गु	के सू शु	रा
बु		श

चन्द्र कुण्डली

	मं ल चं	
सू शु	गु के	रा
बु		श



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

	मं चं		
		शु ल	के
रा		सू गु	उबु
श			

लग्न कुण्डली

	मं चं		
		के	रा
ल गु	सू शु		श
उबु			

विंशोत्तरी
शुक्र 13वर्ष 8मा 27दि
शुक्र

13/08/1990

11/05/2104

शुक्र	10/05/2004
सूर्य	10/05/2010
चन्द्र	10/05/2020
मंगल	11/05/2027
राहु	10/05/2045
गुरु	10/05/2061
शनि	10/05/2080
बुध	10/05/2097
केतु	11/05/2104

योगिनी

भद्रिका 3वर्ष 5मा 6दि
धान्या

19/01/2018

18/01/2021

धान्या	20/04/2018
भामरी	20/08/2018
भद्रिका	19/01/2019
उल्का	20/07/2019
सिद्धा	18/02/2020
संकटा	19/10/2020
मंगला	18/11/2020
पिंगला	18/01/2021



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	21:23:23	307:56:09	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	26:16:27	00:57:36	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	17:30:20	14:09:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल			मेष	26:12:12	00:35:08	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	स्वराशि
बुध			सिंह	23:36:00	00:53:36	पूर्वाफाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	05:07:53	00:12:57	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	05:08:52	01:13:10	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	26:16:31	00:03:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मक	13:29:45	00:00:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:29:45	00:00:29	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	12:18:08	00:01:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:30:43	00:01:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	21:19:50	00:00:37	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	17:04:57	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	--

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:48

लग्न-चलित

		मं	
		चं	
के			रा
ल	सू		
-गु	-शु		
बु			श

चन्द्र कुंडली

		मं	
		ल	
		चं	
सू	गु		रा
शु	के		
बु			श

नवमांश कुंडली

		रा	
			सू
			ल
गु	चं		शु
शु			मं
			के



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि	भाव मध्य
1	कर्क 05:40:18	कर्क 21:23:23
2	सिंह 05:40:18	सिंह 19:57:14
3	कन्या 04:14:10	कन्या 18:31:05
4	तुला 02:48:01	तुला 17:04:57
5	वृश्चिक 02:48:01	वृश्चिक 18:31:05
6	धनु 04:14:10	धनु 19:57:14
7	मकर 05:40:18	मकर 21:23:23
8	कुम्भ 05:40:18	कुम्भ 19:57:14
9	मीन 04:14:10	मीन 18:31:05
10	मेष 02:48:01	मेष 17:04:57
11	वृष 02:48:01	वृष 18:31:05
12	मिथुन 04:14:10	मिथुन 19:57:14

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कर्क	21:23:23
2	सिंह	16:00:46
3	कन्या	14:44:11
4	तुला	17:04:57
5	वृश्चिक	20:21:58
6	धनु	22:02:37
7	मकर	21:23:23
8	कुम्भ	16:00:46
9	मीन	14:44:11
10	मेष	17:04:57
11	वृष	20:21:58
12	मिथुन	22:02:37

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली

शु गु	मं चं	
के ल सू		रा
बु		श

भाव कुंडली

11	मं 10 चं	9
12	के सू शु	रा 7
1 गु 2 बु	4	6 श 5



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

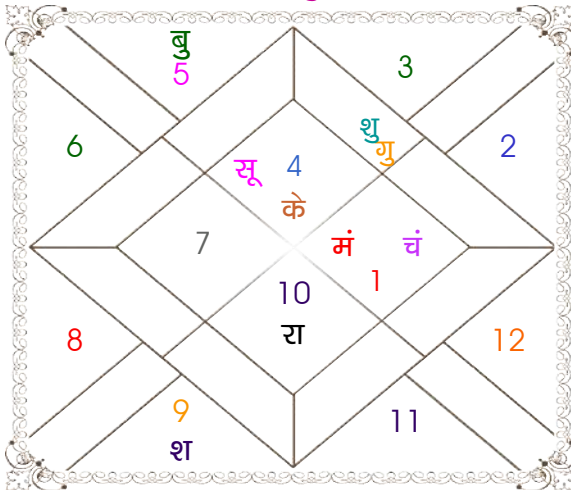
कारक, अवस्था, रश्मि

ग्रह	----- कारक -----		----- अवस्था -----			रश्मि	ग्रह बल
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि		
सूर्य	अमात्य	पितृ	बाल	मुदित	गमन	5.46	65 %
चंद्र	पुत्र	मातृ	युवा	निपीदित	गमन	4.11	76 %
मंगल	भ्रातृ	भ्रातृ	मृत	स्वस्थ	गमन	3.82	58 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	वृद्ध	मुदित	भोजन	5.87	70 %
गुरु	कलत्र	धन	मृत	दीप्त	शयन	20.98	36 %
शुक्र	ज्ञाति	कलत्र	मृत	खल	गमन	3.64	17 %
शनि	आत्मा	आयु	मृत	शक्त	भोजन	1.58	45 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	मुदित	भोजन	0.00	50 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	मुदित	गमन	0.00	50 %
कुल						45.47	

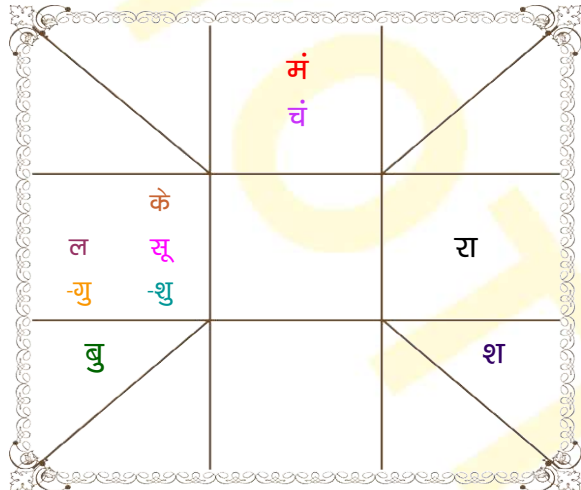
तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली



लग्न-चलित



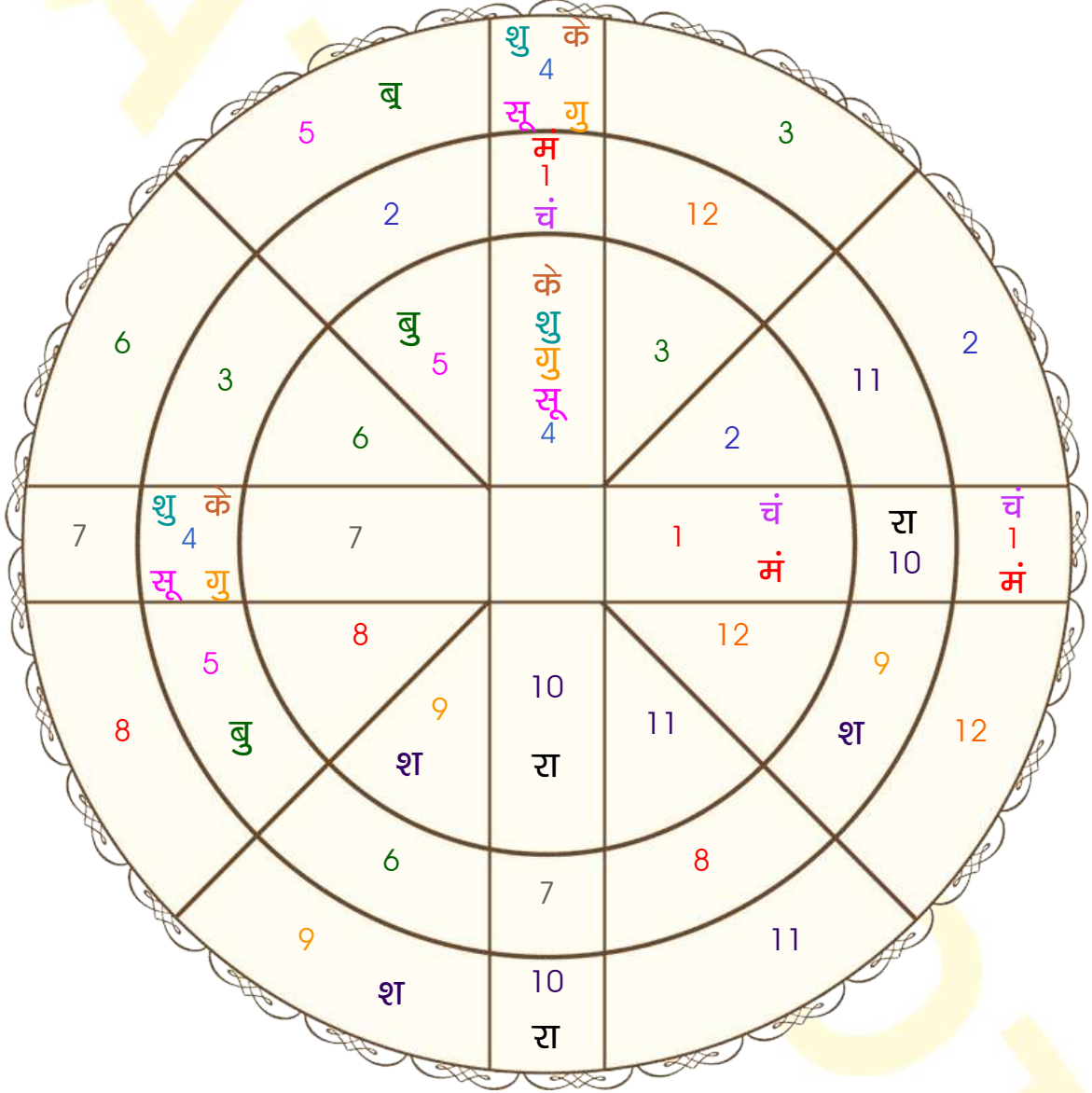
RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

सुदर्शन चक्र



नोट: सुदर्शन चक्र कमानुसार बाहरी वृत्त से अन्तः वृत्त तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कृष्णमूर्ति पद्धति

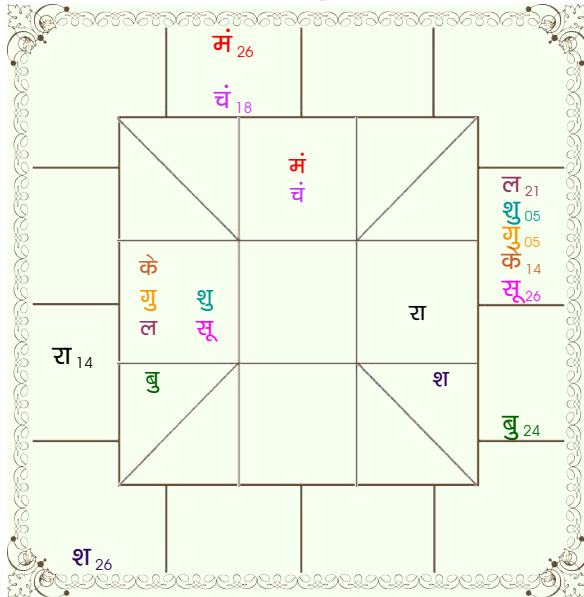
भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 6 मास 29 दिन

ग्रह						निरयण भाव								
ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.	भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कर्क	26:22:54	चंद्र	बुध	गुरु	शनि	1	कर्क	21:29:50	चंद्र	बुध	शुक्र	केतु
चंद्र		मेष	17:36:47	मंगलशुक्र	मंगलशनि			2	सिंह	16:07:13	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शुक्र
मंगल		मेष	26:18:39	मंगलशुक्र	केतु	राहु		3	कन्या	14:50:38	बुध	चंद्र	गुरु	शुक्र
बुध		सिंह	23:42:27	सूर्य	शुक्र	शनि	राहु	4	तुला	17:11:24	शुक्र	राहु	शुक्र	बुध
गुरु		कर्क	05:14:20	चंद्र	शनि	शनि	गुरु	5	वृश्चि	20:28:25	मंगलबुध	शुक्र	गुरु	
शुक्र		कर्क	05:15:19	चंद्र	शनि	शनि	गुरु	6	धनु	22:09:04	गुरु	शुक्र	शनि	शनि
शनि	व	धनु	26:22:58	गुरु	शुक्र	केतु	गुरु	7	मक	21:29:50	शनि	चंद्र	शुक्र	राहु
राहु	व	मक	13:36:12	शनि	चंद्र	राहु	सूर्य	8	कुंभ	16:07:13	शनि	राहु	शुक्र	राहु
केतु	व	कर्क	13:36:12	चंद्र	शनि	राहु	शनि	9	मीन	14:50:38	गुरु	शनि	राहु	मंगल
हर्ष	व	धनु	12:24:35	गुरु	केतु	बुध	मंगल	10	मेष	17:11:24	मंगलशुक्र	चंद्र	शुक्र	
नेप	व	धनु	18:37:10	गुरु	शुक्र	राहु	गुरु	11	वृष	20:28:25	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शुक्र
प्लूटो		तुला	21:26:17	शुक्र	गुरु	गुरु	मंगल	12	मिथु	22:09:04	बुध	गुरु	शनि	बुध

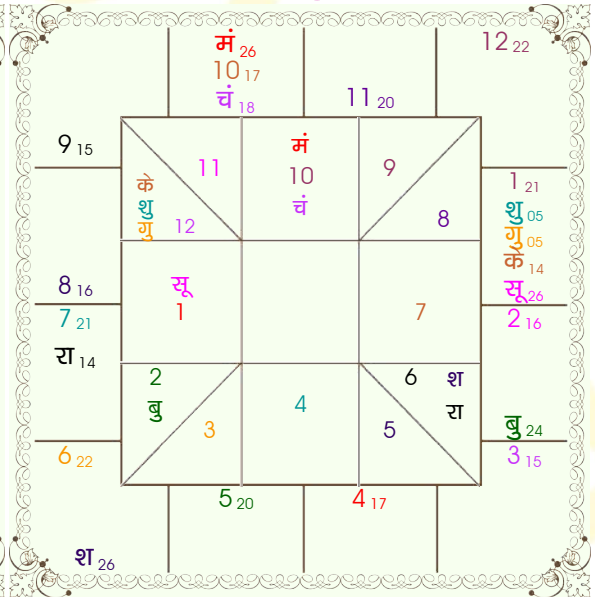
के.पी. अयनांश : 23:37:21

फॉरच्युना : मेष 12:43:43

लग्न कुंडली



भाव कुंडली



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	सूर्य, चंद्र- राहु-
2	सूर्य+ बुध,
3	सूर्य- बुध-
4	चंद्र- मंगल- बुध- शुक्र- शनि-
5	मंगल-
6	गुरु+ शुक्र, शनि, राहु, केतु,
7	गुरु- शुक्र- शनि- केतु-
8	गुरु- शुक्र- शनि- केतु-
9	गुरु-
10	चंद्र, मंगल, राहु,
11	चंद्र- मंगल- बुध- शुक्र- शनि-
12	सूर्य- चंद्र, मंगल, बुध+ गुरु, शुक्र, शनि, केतु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	1, 2+ 3- 12-
चंद्र	1- 4- 10, 11- 12,
मंगल	4- 5- 10, 11- 12,
बुध	2, 3- 4- 11- 12+
गुरु	6+ 7- 8- 9- 12,
शुक्र	4- 6, 7- 8- 11- 12,
शनि	4- 6, 7- 8- 11- 12,
राहु	1- 6, 10,
केतु	6, 7- 8- 12,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी
लग्न राशि स्वामी
राशि नक्षत्र स्वामी
राशि स्वामी
वार स्वामी
लग्न अन्तर स्वामी
राशि अन्तर स्वामी

बुध
चन्द्र
शुक्र
मंगल
चन्द्र
शुक्र
मंगल



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	सू	रा	चं
2	सू	बु	--	सू
3	--	--	सू	बु
4	--	--	चं मं बु श	शु
5	--	--	--	मं
6	गु शु के	श रा	--	गु
7	--	--	गु शु के	श
8	--	--	गु शु के	श
9	--	--	--	गु
10	रा	चं मं	--	मं
11	--	--	चं मं बु श	शु
12	चं मं बु श	गु शु के	सू	बु

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	2	---	कर्क	1
चंद्र	1	3,7,11	मेष	10
मंगल	5,10	---	मेष	10
बुध	3,12	1,5	सिंह	2
गुरु	6,9	12	कर्क	12
शुक्र	4,11	2,6,10	कर्क	12
शनि	7,8	9	धनु	6
राहु	---	4,8	मकर	6
केतु	---	---	कर्क	12

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	3,12	1,5	2	6,9	12	12
चंद्र	4,11	2,6,10	12	5,10	---	10
मंगल	4,11	2,6,10	12	---	---	12
बुध	4,11	2,6,10	12	7,8	9	6
गुरु	7,8	9	6	7,8	9	6
शुक्र	7,8	9	6	7,8	9	6
शनि	4,11	2,6,10	12	---	---	12
राहु	1	3,7,11	10	---	4,8	6
केतु	7,8	9	6	---	4,8	6



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिए, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

	मं चं	
के ल सू गु शु		रा
बु		श

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

	मं ल चं	
सू गु शु के		रा
बु		श

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

	मं चं	
के ल सू गु शु		रा
बु		श

देह विचारः

होरा कुंडली

के गु श	बु चं मं	शु रा
ल सू		

सम्पदाविचारः



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

रा	बु	सू ल
शु गु		
चं श		मं के

भातृसौख्यम्

चतुर्थाश कुंडली

बु	रा सू	
शु गु		मं ल
श	चं के	

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

शु गु		श मं
के रा		बु
ल		चं

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

		सू ल
चं		
बु	मं श	रा के गु शु

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

ल	के	शु गु
श		बु
सू		

पुत्रपौत्रदिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

शु गु		श
बु	के रा	
चं	ल	मं सू

आयुविचारः



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

रा		सू
		ल
गु शु	चं	क्ष भं के

कलत्र सौख्यम्

दशमांश कुंडली

	शु गु	बु
के		रा
श	चं	ल सू मं

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

के श		शु गु
		मं
ल बु	सू चं	रा

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

बु सू		ल
रा		मं
गु शु	श	के चं

पितृसौख्यम्

षोडशांश कुंडली

मं	ल	
शु गु सू	श	
	चं	
बु		रा के

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

		बु चं
ल		श
शु गु		
	सू मं	रा के

उपासनाज्ञानम्



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशश कुंडली

के रा श	मं सू	बु
	चं	ल गु शु

विद्याविचारः

सप्तविंशश कुंडली

शु गु		श मं
रा चं		के बु
ल		सू

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशश कुंडली

बु		के रा
		ल
गु शु	मं श	चं सू

अरिष्टज्ञानम्

स्रवेदांश कुंडली

शु गु		रा श चं	के मं ल
सू			बु

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

चं		श
बु मं सू		
		ल रा के गु शु

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

शु गु	श	रा चं
बु		ल
मं के		सू

सर्वास्थितिविचारः



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	कर्क	कर्क	मेष	मेष	सिंह	कर्क	कर्क	धनु	मक	कर्क
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मीन	मीन	सिंह	धनु	मेष	कर्क	कर्क	सिंह	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	मक	मेष	तुला	मक	वृष	कर्क	कर्क	कन्या	मेष	तुला
सप्तमांश	वृष	कर्क	सिंह	तुला	मक	कुंभ	कुंभ	मिथु	तुला	मेष
नवमांश	मक	कुंभ	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	सिंह	सिंह	वृश्चि	वृष	वृश्चि
दशमांश	तुला	वृश्चि	कन्या	धनु	मीन	मेष	मेष	सिंह	मक	कर्क
द्वादशांश	मीन	वृष	वृश्चि	कुंभ	वृष	कन्या	कन्या	तुला	मिथु	धनु
षोडशांश	मीन	मिथु	मक	वृष	सिंह	मिथु	मिथु	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि
विंशांश	मिथु	कन्या	मीन	कन्या	मीन	कर्क	कर्क	मक	धनु	धनु
चतुर्विंशांश	धनु	मेष	तुला	मेष	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि	वृष	वृष	वृष
सप्तविंशांश	सिंह	धनु	कर्क	मीन	मक	वृष	वृष	मीन	कर्क	मक
त्रिंशांश	मक	वृश्चि	धनु	तुला	मिथु	कन्या	कन्या	तुला	मीन	मीन
ख्रवेदांश	कुंभ	कन्या	मीन	कुंभ	वृश्चि	मेष	मेष	मीन	मीन	मीन
अक्षवेदांश	धनु	कर्क	मिथु	कर्क	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	मीन	धनु	धनु
षष्ट्यंश	मक	वृश्चि	मीन	सिंह	कर्क	वृष	वृष	मेष	मीन	कन्या

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
चन्द्र	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
मंगल	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
बुध	1 ---	1 ---	1 ---	1 ---
गुरु	3 व्यंजन	3 व्यंजन	3 उत्तम	5 कन्दुक
शुक्र	0 ---	0 ---	1 ---	2 भेदक
शनि	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	4 नागपुष्प
राहु	1 ---	1 ---	1 ---	1 ---
केतु	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	5 कन्दुक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	12.05	11.65	17.05	11.85	14.80	9.95	6.35	11.95	13.15
सप्तवर्ग	12.78	12.40	16.53	11.30	13.63	10.08	6.88	11.55	13.55
दशवर्ग	15.38	12.68	16.35	11.23	11.53	14.30	7.55	10.60	13.20
षोडशवर्ग	14.78	12.20	16.43	11.08	12.20	13.40	8.13	10.55	13.03



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
मंगल	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	अधिशत्रु	सम	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	---	सम	सम	सम
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	25	55	31	53	60	27	38
सप्तवर्गज बल	109	105	139	88	94	77	32
ओजयुग्मक बल	15	15	15	15	15	15	15
केन्द्र बल	60	60	60	30	60	60	15
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	15	0	0
कुल स्थान बल	208	235	244	186	244	179	100
कुल दिग्बल	27	0	57	49	55	26	52
नतोन्नत बल	25	35	35	60	25	25	35
पक्ष बल	27	66	27	33	33	33	27
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	45	0	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	99	10	53	37	56	56	58
युद्ध बल	0	0	0	0	1	-1	0
कुल कालबल	196	156	175	190	175	114	120
कुल चेष्टाबल	0	0	21	40	9	13	50
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-16	-1	-2	-9	-12	-12	27
कुल षट्बल	475	441	512	482	505	363	357
रूप षट्बल	7.9	7.4	8.5	8.0	8.4	6.0	5.9
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.6	1.2	1.7	1.1	1.3	1.1	1.2
संबंधित पद	2	4	1	6	3	7	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	32.63	42.49	25.14	46.26	23.08	18.78	43.51
कष्ट फल	24.30	11.83	34.01	11.80	1.50	39.24	14.91

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	441	475	482	363	512	505	357	357	505	512	363	482
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	20	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	-11	-4	27	44	81	62	53	84	78	31	15	-9
कुल भाव बल	460	491	549	436	633	588	440	451	593	603	428	524
रूप भाव बल	7.7	8.2	9.1	7.3	10.6	9.8	7.3	7.5	9.9	10.0	7.1	8.7
संबंधित पद	8	7	5	11	1	4	10	9	3	2	12	6



RATNA JYOTI®

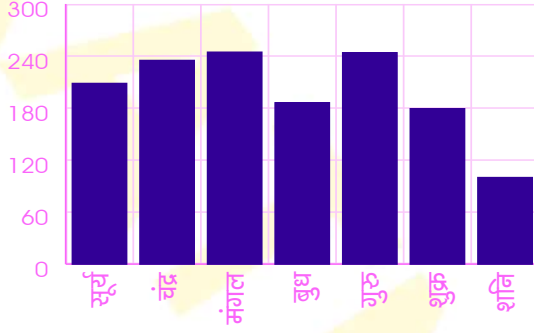
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

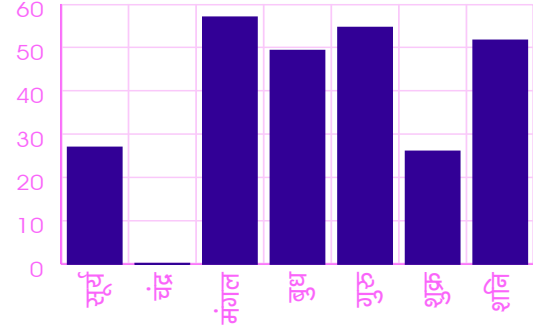
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षट्बल ग्राफ

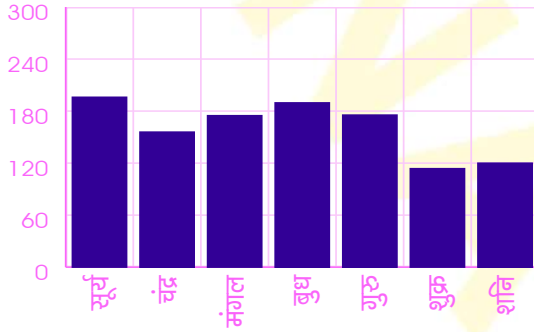
स्थान बल



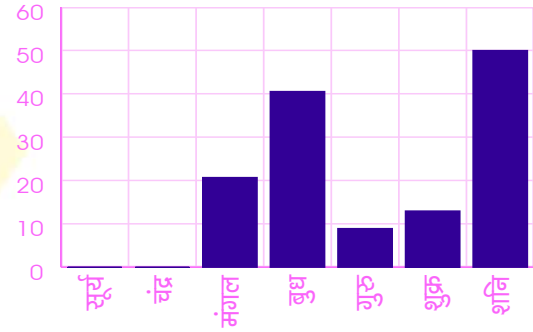
दिग्बल



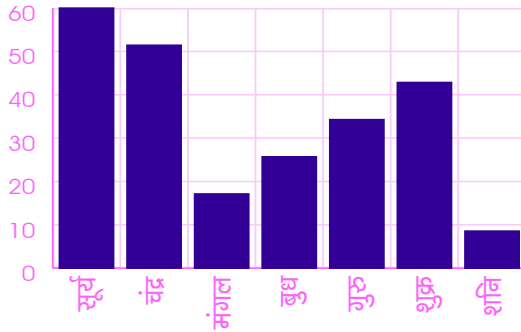
कालबल



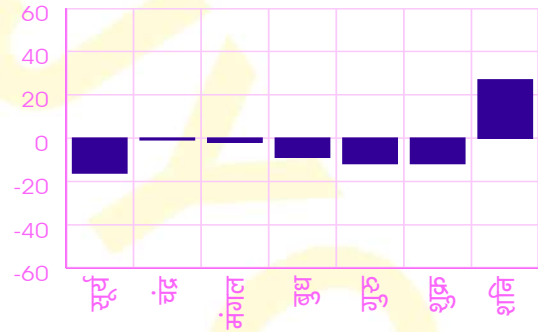
चेष्टाबल



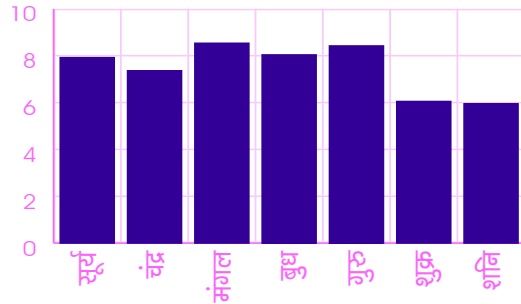
नैसर्गिक बल



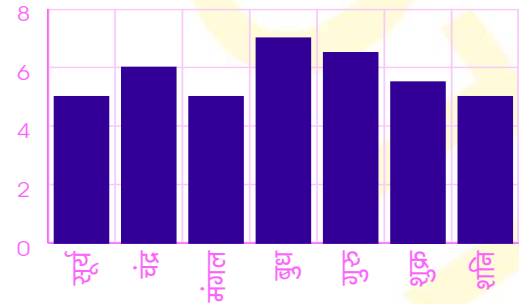
दृग्बल



रूप षट्बल



न्यूनतम षट्बल



RATNA JYOTI®

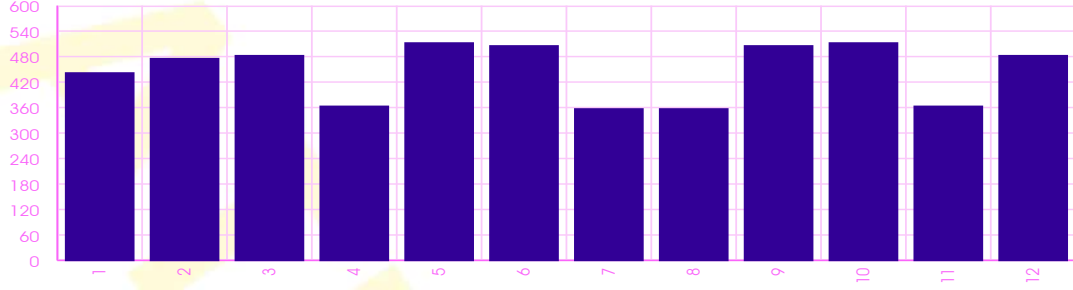
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

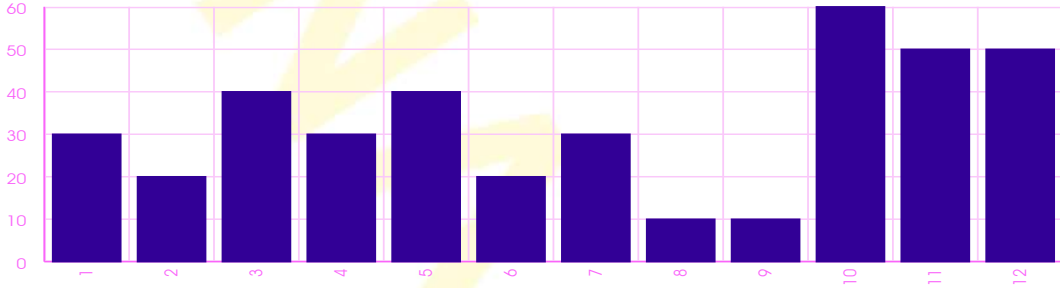
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

भाव बल ग्राफ

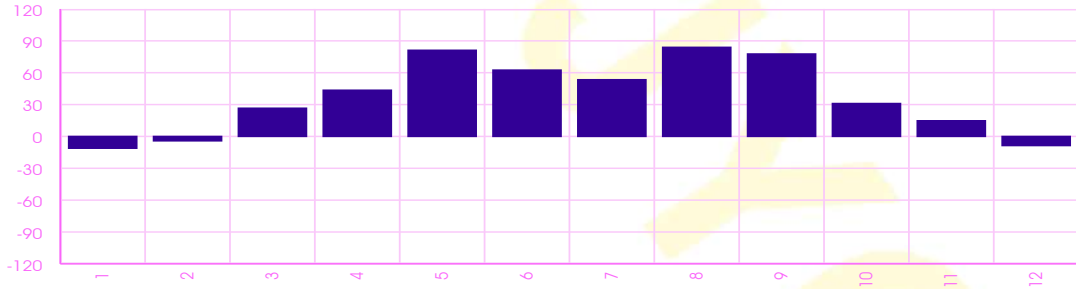
भावाधिपति बल



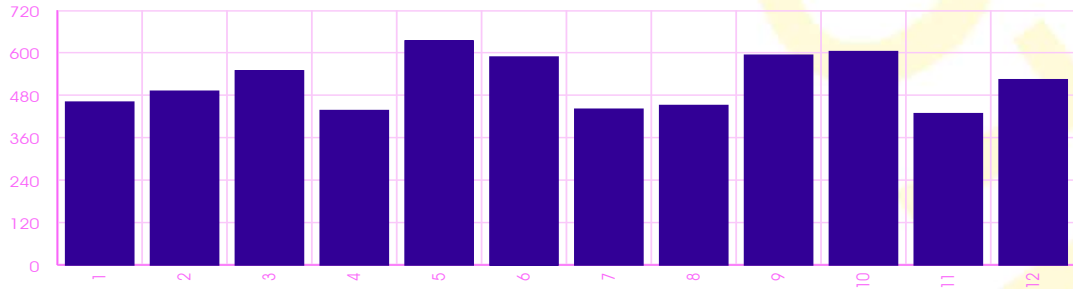
भावदिग्बल



भावदृष्टि बल



भाव बल



RATNA JYOTI®

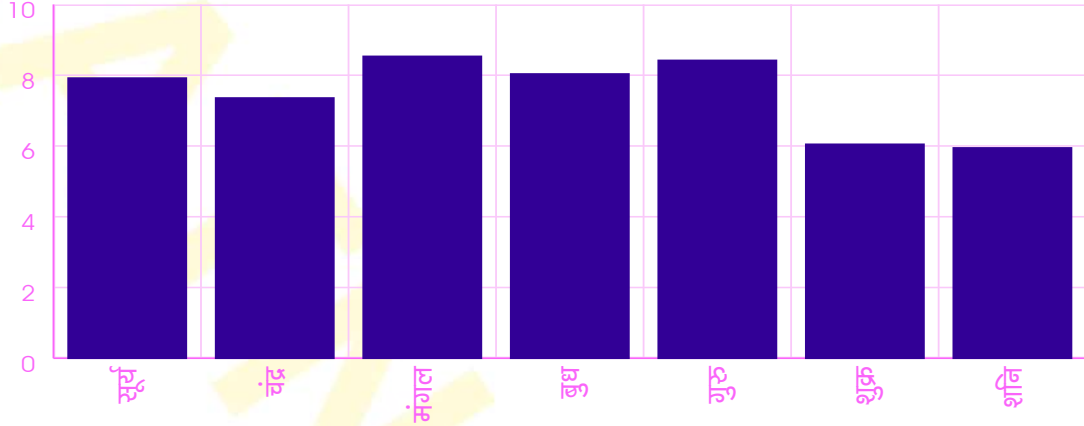
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

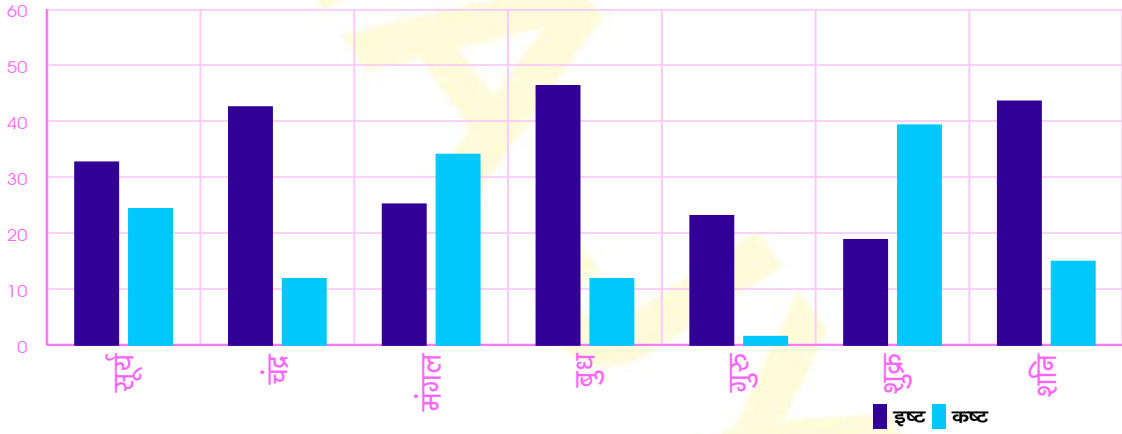
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

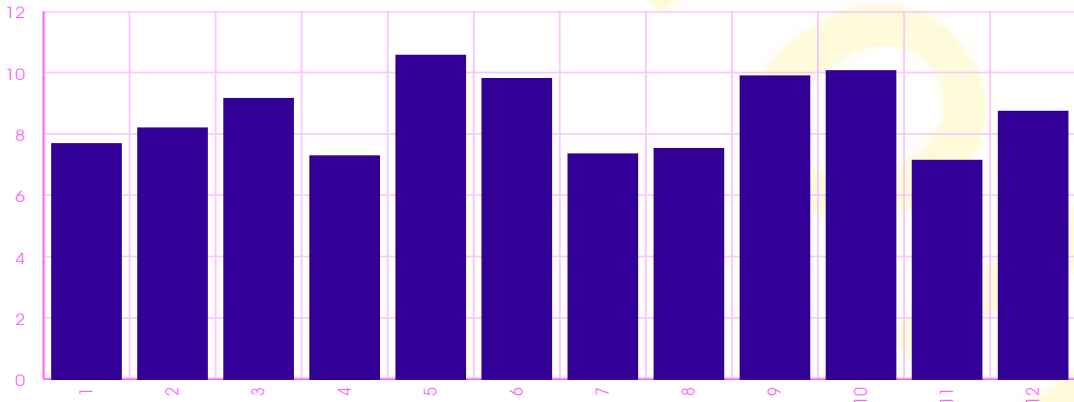
रूप षट्बल



दृष्ट - कष्ट फल



रूप भाव बल



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	कर्क	21:23:23	--	--	आश्लेषा	2	9
गुलिक	गु	मीन	24:38:28	--	--	रेवती	3	27
काल	का	मेष	20:48:46	--	--	भरणी	3	2
मृत्यु	मृ	मिथु	03:47:41	--	--	मृगशिरा	4	5
यमघंटक	यम	कर्क	09:10:35	--	--	पुष्य	2	8
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मिथु	21:38:57	--	मूल	पुनर्वसु	1	7
धूम	धू	धनु	09:36:27	--	--	मूल	3	19
व्यतिपात	व्य	कर्क	20:23:33	--	--	आश्लेषा	2	9
परिवेश	परि	मक	20:23:33	--	--	श्रवण	4	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	09:36:27	नीच	--	आर्द्रा	1	6
उपकेतु	उप	मिथु	26:16:27	--	--	पुनर्वसु	2	7

प्राणपद	:	मेष	24:08:07	कारकौंश लग्न	:	वृश्चि	26:28:36
भाव लग्न	:	कर्क	16:46:58	होरा लग्न	:	कर्क	12:10:33
घटी लग्न	:	कर्क	03:14:22	वर्णद लग्न	:	सिंह	26:26:05

उपग्रह कुंडली

उप इ अर्द्ध मृ	का	गु
व्य ल यम		परि
		धू

आरूढ़ कुंडली

धन	कर्म मातृ	शत्रु
भा ल		ल
पुत्र लाभ	आयु व्य	कल भा



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग													
	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	0	8	
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	7	
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	4
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6	
कुल	4	2	3	5	2	6	6	3	3	4	5	5	48

चंद्र का अष्टकवर्ग													
	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	6
सूर्य	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	6
शुक्र	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
कुल	6	7	3	1	3	5	5	2	4	5	6	2	49

मंगल का अष्टकवर्ग													
	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	1	1	1	0	1	0	0	1	7	
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4	
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7	
सूर्य	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5	
शुक्र	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	4	
बुध	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4	
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3	
लग्न	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5	
कुल	4	5	5	3	1	4	3	2	6	2	3	1	39

बुध का अष्टकवर्ग													
	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल	
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8	
गुरु	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4	
मंगल	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8	
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5	
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8	
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	8	
चंद्र	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	6	
लग्न	1	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7	
कुल	4	3	5	4	6	4	5	3	3	7	4	6	54

गुरु का अष्टकवर्ग													
	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	6
बुध	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
कुल	4	6	3	5	5	4	5	5	3	7	8	1	56

शुक्र का अष्टकवर्ग													
	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
कुल	5	4	4	4	4	3	1	7	6	5	5	4	52

शनि का अष्टकवर्ग													
	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	6
कुल	3	3	4	2	4	6	5	3	2	3	3	1	39

लग्न का अष्टकवर्ग													
	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
मंगल	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	2	3	7	4	3	4	4	4	5	4	5	4	49



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	घ	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	6	5	3	2	3	3	1	3	3	4	2	39
गुरु	7	8	1	4	6	3	5	5	4	5	5	3	56
मंगल	4	5	5	3	1	4	3	2	6	2	3	1	39
सूर्य	4	5	5	4	2	3	5	2	6	6	3	3	48
शुक्र	5	5	4	5	4	4	4	4	3	1	7	6	52
बुध	3	7	4	6	4	3	5	4	6	4	5	3	54
चंद्र	6	7	3	1	3	5	5	2	4	5	6	2	49
बिन्दु	33	43	27	26	22	25	30	20	32	26	33	20	337
रेखा	23	13	29	30	34	31	26	36	24	30	23	36	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	घ	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	3	2	2	0	0	0	0	1	0	1	1	12
गुरु	3	5	0	1	2	0	4	2	0	2	4	0	23
मंगल	3	3	2	2	0	2	0	1	5	0	0	0	18
सूर्य	2	2	2	2	0	0	2	0	4	3	0	1	18
शुक्र	2	4	0	1	1	3	0	0	0	0	3	2	16
बुध	0	4	0	3	1	0	1	1	3	1	1	0	15
चंद्र	3	2	0	0	0	0	2	1	1	0	3	1	13
रेखा	15	23	6	11	4	5	9	5	14	6	12	5	115

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	घ	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	3	2	2	0	0	0	0	1	0	1	0	11
गुरु	3	1	0	1	2	0	4	0	0	2	2	0	15
मंगल	3	3	0	2	0	0	0	0	5	0	0	0	13
सूर्य	2	0	2	2	0	0	0	0	4	3	0	0	13
शुक्र	2	4	0	1	1	3	0	0	0	0	3	2	16
बुध	0	3	0	3	1	0	1	1	3	0	0	0	12
चंद्र	3	0	0	0	0	0	0	0	1	0	3	0	7
रेखा	15	14	4	11	4	3	5	1	14	5	9	2	87

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	89	63	104	94	115	140	88
ग्रह पिंड	90	44	108	86	71	53	75
शोध्य पिंड	179	107	212	180	186	193	163



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग	सर्वाष्टकवर्ग	चंद्र का अष्टकवर्ग																																													
<table border="1"> <tr><td>5</td><td>5</td><td>3</td></tr> <tr><td>5</td><td>4</td><td>3</td></tr> <tr><td>4</td><td></td><td>6</td></tr> <tr><td>2</td><td>5</td><td>6</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>2</td></tr> </table>	5	5	3	5	4	3	4		6	2	5	6	3		2	<table border="1"> <tr><td>43</td><td>33</td><td>20</td></tr> <tr><td>27</td><td></td><td>33</td></tr> <tr><td>26</td><td></td><td>26</td></tr> <tr><td>22</td><td>30</td><td>32</td></tr> <tr><td>25</td><td></td><td>20</td></tr> </table>	43	33	20	27		33	26		26	22	30	32	25		20	<table border="1"> <tr><td>7</td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td>3</td><td>6</td><td>6</td></tr> <tr><td>1</td><td></td><td>5</td></tr> <tr><td>3</td><td>5</td><td>4</td></tr> <tr><td>5</td><td></td><td>2</td></tr> </table>	7	2		3	6	6	1		5	3	5	4	5		2
5	5	3																																													
5	4	3																																													
4		6																																													
2	5	6																																													
3		2																																													
43	33	20																																													
27		33																																													
26		26																																													
22	30	32																																													
25		20																																													
7	2																																														
3	6	6																																													
1		5																																													
3	5	4																																													
5		2																																													
मंगल का अष्टकवर्ग	बुध का अष्टकवर्ग	गुरु का अष्टकवर्ग																																													
<table border="1"> <tr><td>5</td><td>4</td><td>1</td></tr> <tr><td>5</td><td></td><td>3</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>2</td></tr> <tr><td>1</td><td>3</td><td>6</td></tr> <tr><td>4</td><td></td><td>2</td></tr> </table>	5	4	1	5		3	3		2	1	3	6	4		2	<table border="1"> <tr><td>7</td><td>3</td><td>3</td></tr> <tr><td>4</td><td></td><td>5</td></tr> <tr><td>6</td><td></td><td>4</td></tr> <tr><td>4</td><td>5</td><td>6</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>4</td></tr> </table>	7	3	3	4		5	6		4	4	5	6	3		4	<table border="1"> <tr><td>8</td><td>3</td><td></td></tr> <tr><td>1</td><td>7</td><td>5</td></tr> <tr><td>4</td><td></td><td>5</td></tr> <tr><td>6</td><td>5</td><td>4</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>5</td></tr> </table>	8	3		1	7	5	4		5	6	5	4	3		5
5	4	1																																													
5		3																																													
3		2																																													
1	3	6																																													
4		2																																													
7	3	3																																													
4		5																																													
6		4																																													
4	5	6																																													
3		4																																													
8	3																																														
1	7	5																																													
4		5																																													
6	5	4																																													
3		5																																													
शुक्र का अष्टकवर्ग	शनि का अष्टकवर्ग	लग्न का अष्टकवर्ग																																													
<table border="1"> <tr><td>5</td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td>4</td><td>5</td><td>7</td></tr> <tr><td>5</td><td></td><td>1</td></tr> <tr><td>4</td><td>4</td><td>3</td></tr> <tr><td>4</td><td></td><td>4</td></tr> </table>	5	6		4	5	7	5		1	4	4	3	4		4	<table border="1"> <tr><td>6</td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td>5</td><td>4</td><td>4</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>3</td></tr> <tr><td>2</td><td>3</td><td>3</td></tr> <tr><td>3</td><td></td><td>1</td></tr> </table>	6	2		5	4	4	3		3	2	3	3	3		1	<table border="1"> <tr><td>5</td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td>4</td><td>4</td><td>4</td></tr> <tr><td>2</td><td></td><td>4</td></tr> <tr><td>3</td><td>4</td><td>4</td></tr> <tr><td>7</td><td></td><td>3</td></tr> </table>	5	5		4	4	4	2		4	3	4	4	7		3
5	6																																														
4	5	7																																													
5		1																																													
4	4	3																																													
4		4																																													
6	2																																														
5	4	4																																													
3		3																																													
2	3	3																																													
3		1																																													
5	5																																														
4	4	4																																													
2		4																																													
3	4	4																																													
7		3																																													



RATNA JYOTI®

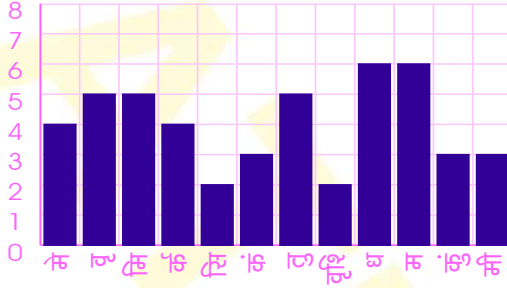
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

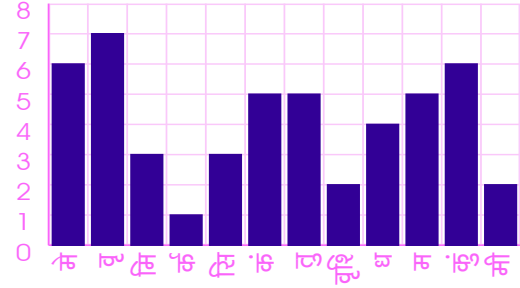
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

भिन्नाष्टक ग्राफ

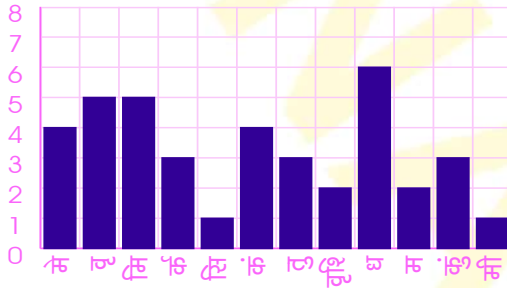
सूर्य



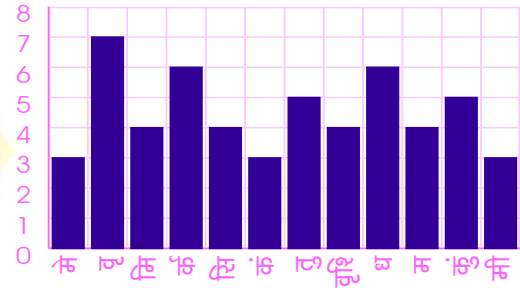
चन्द्र



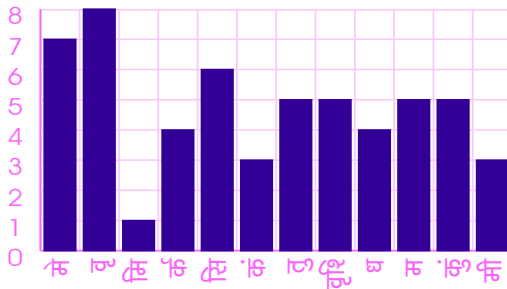
मंगल



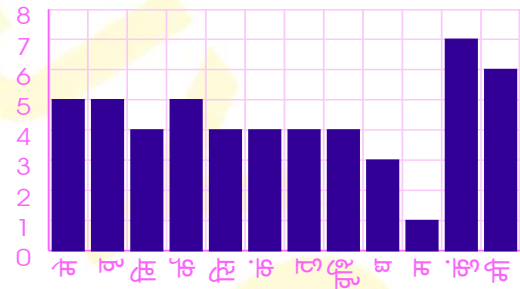
बुध



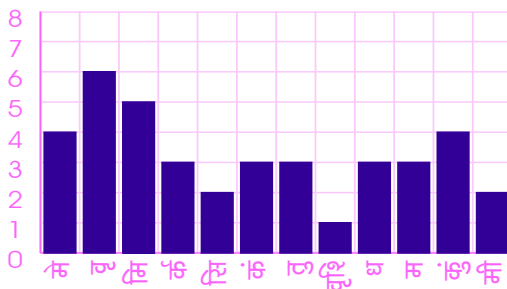
गुरु



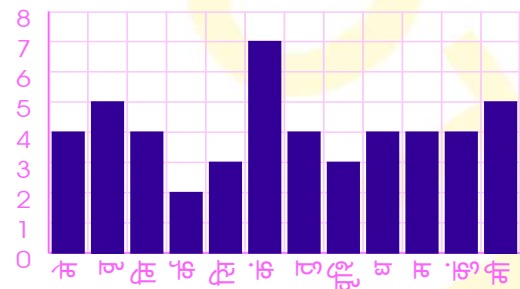
शुक्र



शनि



लग्न



RATNA JYOTI®

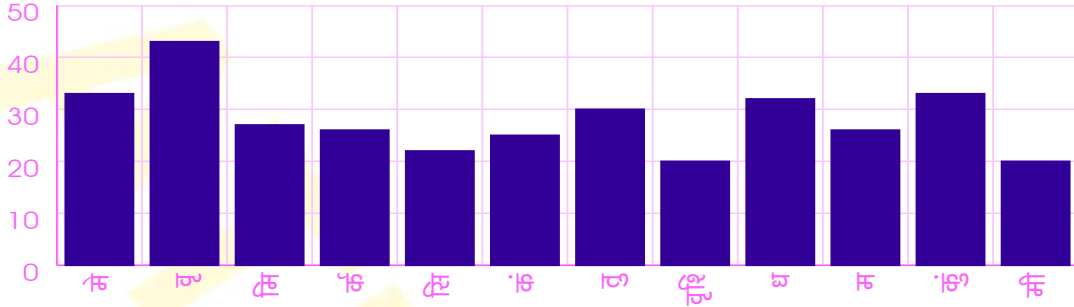
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

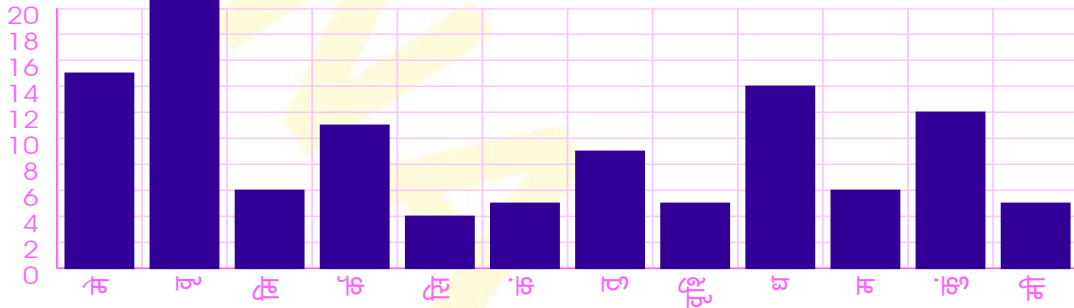
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकवर्ग ग्राफ

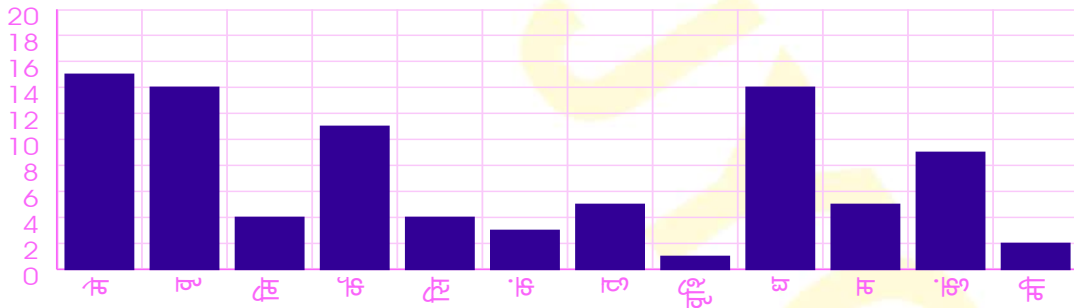
सर्वाष्टकवर्ग



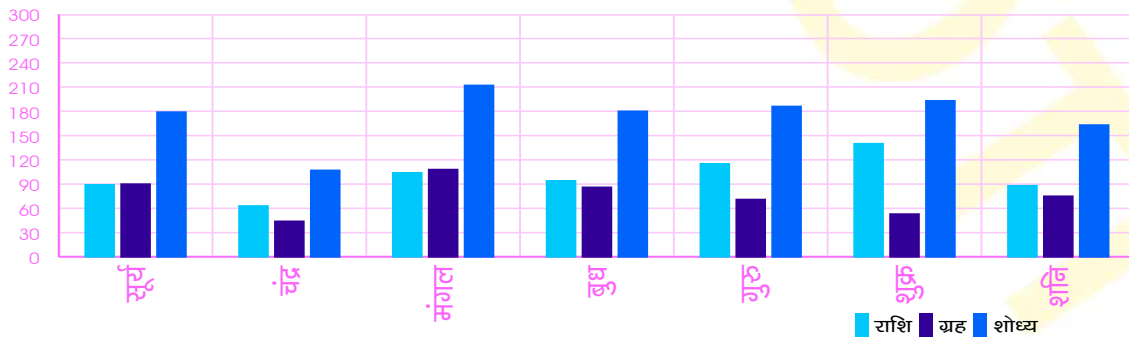
त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग



एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग



शोध्य पिंड



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 8 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
13/08/1990	10/05/2004	10/05/2010	10/05/2020	11/05/2027
10/05/2004	10/05/2010	10/05/2020	11/05/2027	10/05/2045
00/00/0000	सूर्य 27/08/2004	चंद्र 11/03/2011	मंगल 06/10/2020	राहु 21/01/2030
00/00/0000	चंद्र 26/02/2005	मंगल 10/10/2011	राहु 24/10/2021	गुरु 15/06/2032
13/08/1990	मंगल 04/07/2005	राहु 10/04/2013	गुरु 30/09/2022	शनि 22/04/2035
मंगल 10/07/1991	राहु 29/05/2006	गुरु 10/08/2014	शनि 09/11/2023	बुध 09/11/2037
राहु 10/07/1994	गुरु 17/03/2007	शनि 10/03/2016	बुध 05/11/2024	केतु 27/11/2038
गुरु 10/03/1997	शनि 27/02/2008	बुध 09/08/2017	केतु 04/04/2025	शुक्र 27/11/2041
शनि 10/05/2000	बुध 02/01/2009	केतु 10/03/2018	शुक्र 04/06/2026	सूर्य 22/10/2042
बुध 11/03/2003	केतु 10/05/2009	शुक्र 09/11/2019	सूर्य 10/10/2026	चंद्र 22/04/2044
केतु 10/05/2004	शुक्र 10/05/2010	सूर्य 10/05/2020	चंद्र 11/05/2027	मंगल 10/05/2045

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
10/05/2045	10/05/2061	10/05/2080	10/05/2097	11/05/2104
10/05/2061	10/05/2080	10/05/2097	11/05/2104	00/00/0000
गुरु 28/06/2047	शनि 13/05/2064	बुध 06/10/2082	केतु 06/10/2097	शुक्र 10/09/2107
शनि 09/01/2050	बुध 21/01/2067	केतु 04/10/2083	शुक्र 06/12/2098	सूर्य 10/09/2108
बुध 15/04/2052	केतु 01/03/2068	शुक्र 04/08/2086	सूर्य 13/04/2099	चंद्र 11/05/2110
केतु 22/03/2053	शुक्र 01/05/2071	सूर्य 10/06/2087	चंद्र 12/11/2099	मंगल 14/08/2110
शुक्र 21/11/2055	सूर्य 12/04/2072	चंद्र 08/11/2088	मंगल 10/04/2100	00/00/0000
सूर्य 09/09/2056	चंद्र 12/11/2073	मंगल 06/11/2089	राहु 29/04/2101	00/00/0000
चंद्र 09/01/2058	मंगल 22/12/2074	राहु 25/05/2092	गुरु 05/04/2102	00/00/0000
मंगल 15/12/2058	राहु 28/10/2077	गुरु 31/08/2094	शनि 15/05/2103	00/00/0000
राहु 10/05/2061	गुरु 10/05/2080	शनि 10/05/2097	बुध 11/05/2104	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल	शुक्र - राहु	शुक्र - गुरु	शुक्र - शनि	शुक्र - बुध
13/08/1990	10/07/1991	10/07/1994	10/03/1997	10/05/2000
10/07/1991	10/07/1994	10/03/1997	10/05/2000	11/03/2003
00/00/0000	राहु 22/12/1991	गुरु 17/11/1994	शनि 09/09/1997	बुध 03/10/2000
13/08/1990	गुरु 16/05/1992	शनि 20/04/1995	बुध 20/02/1998	केतु 03/12/2000
गुरु 03/10/1990	शनि 05/11/1992	बुध 05/09/1995	केतु 29/04/1998	शुक्र 24/05/2001
शनि 09/12/1990	बुध 10/04/1993	केतु 01/11/1995	शुक्र 07/11/1998	सूर्य 15/07/2001
बुध 08/02/1991	केतु 13/06/1993	शुक्र 11/04/1996	सूर्य 04/01/1999	चंद्र 09/10/2001
केतु 05/03/1991	शुक्र 12/12/1993	सूर्य 30/05/1996	चंद्र 11/04/1999	मंगल 09/12/2001
शुक्र 15/05/1991	सूर्य 05/02/1994	चंद्र 19/08/1996	मंगल 17/06/1999	राहु 13/05/2002
सूर्य 05/06/1991	चंद्र 07/05/1994	मंगल 15/10/1996	राहु 08/12/1999	गुरु 28/09/2002
चंद्र 10/07/1991	मंगल 10/07/1994	राहु 10/03/1997	गुरु 10/05/2000	शनि 11/03/2003
शुक्र - केतु	सूर्य - सूर्य	सूर्य - चंद्र	सूर्य - मंगल	सूर्य - राहु
11/03/2003	10/05/2004	27/08/2004	26/02/2005	04/07/2005
10/05/2004	27/08/2004	26/02/2005	04/07/2005	29/05/2006
केतु 05/04/2003	सूर्य 15/05/2004	चंद्र 12/09/2004	मंगल 05/03/2005	राहु 22/08/2005
शुक्र 15/06/2003	चंद्र 24/05/2004	मंगल 22/09/2004	राहु 25/03/2005	गुरु 05/10/2005
सूर्य 06/07/2003	मंगल 31/05/2004	राहु 20/10/2004	गुरु 11/04/2005	शनि 26/11/2005
चंद्र 10/08/2003	राहु 16/06/2004	गुरु 13/11/2004	शनि 01/05/2005	बुध 12/01/2006
मंगल 04/09/2003	गुरु 01/07/2004	शनि 12/12/2004	बुध 19/05/2005	केतु 31/01/2006
राहु 07/11/2003	शनि 18/07/2004	बुध 07/01/2005	केतु 27/05/2005	शुक्र 27/03/2006
गुरु 03/01/2004	बुध 03/08/2004	केतु 17/01/2005	शुक्र 17/06/2005	सूर्य 12/04/2006
शनि 10/03/2004	केतु 09/08/2004	शुक्र 17/02/2005	सूर्य 23/06/2005	चंद्र 09/05/2006
बुध 10/05/2004	शुक्र 27/08/2004	सूर्य 26/02/2005	चंद्र 04/07/2005	मंगल 29/05/2006
सूर्य - गुरु	सूर्य - शनि	सूर्य - बुध	सूर्य - केतु	सूर्य - शुक्र
29/05/2006	17/03/2007	27/02/2008	02/01/2009	10/05/2009
17/03/2007	27/02/2008	02/01/2009	10/05/2009	10/05/2010
गुरु 07/07/2006	शनि 11/05/2007	बुध 11/04/2008	केतु 10/01/2009	शुक्र 10/07/2009
शनि 22/08/2006	बुध 29/06/2007	केतु 29/04/2008	शुक्र 31/01/2009	सूर्य 28/07/2009
बुध 02/10/2006	केतु 19/07/2007	शुक्र 20/06/2008	सूर्य 06/02/2009	चंद्र 28/08/2009
केतु 19/10/2006	शुक्र 15/09/2007	सूर्य 05/07/2008	चंद्र 17/02/2009	मंगल 18/09/2009
शुक्र 07/12/2006	सूर्य 02/10/2007	चंद्र 31/07/2008	मंगल 25/02/2009	राहु 12/11/2009
सूर्य 22/12/2006	चंद्र 31/10/2007	मंगल 18/08/2008	राहु 16/03/2009	गुरु 30/12/2009
चंद्र 15/01/2007	मंगल 20/11/2007	राहु 04/10/2008	गुरु 02/04/2009	शनि 26/02/2010
मंगल 01/02/2007	राहु 12/01/2008	गुरु 14/11/2008	शनि 22/04/2009	बुध 19/04/2010
राहु 17/03/2007	गुरु 27/02/2008	शनि 02/01/2009	बुध 10/05/2009	केतु 10/05/2010



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र	चंद्र - मंगल	चंद्र - राहु	चंद्र - गुरु	चंद्र - शनि
10/05/2010	11/03/2011	10/10/2011	10/04/2013	10/08/2014
11/03/2011	10/10/2011	10/04/2013	10/08/2014	10/03/2016
चंद्र 05/06/2010	मंगल 23/03/2011	राहु 31/12/2011	गुरु 14/06/2013	शनि 09/11/2014
मंगल 22/06/2010	राहु 24/04/2011	गुरु 13/03/2012	शनि 30/08/2013	बुध 30/01/2015
राहु 07/08/2010	गुरु 23/05/2011	शनि 08/06/2012	बुध 07/11/2013	केतु 05/03/2015
गुरु 17/09/2010	शनि 25/06/2011	बुध 24/08/2012	केतु 05/12/2013	शुक्र 09/06/2015
शनि 04/11/2010	बुध 25/07/2011	केतु 25/09/2012	शुक्र 24/02/2014	सूर्य 08/07/2015
बुध 17/12/2010	केतु 07/08/2011	शुक्र 26/12/2012	सूर्य 21/03/2014	चंद्र 25/08/2015
केतु 04/01/2011	शुक्र 11/09/2011	सूर्य 22/01/2013	चंद्र 30/04/2014	मंगल 28/09/2015
शुक्र 23/02/2011	सूर्य 22/09/2011	चंद्र 09/03/2013	मंगल 29/05/2014	राहु 24/12/2015
सूर्य 11/03/2011	चंद्र 10/10/2011	मंगल 10/04/2013	राहु 10/08/2014	गुरु 10/03/2016

चंद्र - बुध	चंद्र - केतु	चंद्र - शुक्र	चंद्र - सूर्य	मंगल - मंगल
10/03/2016	09/08/2017	10/03/2018	09/11/2019	10/05/2020
09/08/2017	10/03/2018	09/11/2019	10/05/2020	06/10/2020
बुध 22/05/2016	केतु 22/08/2017	शुक्र 20/06/2018	सूर्य 18/11/2019	मंगल 19/05/2020
केतु 21/06/2016	शुक्र 26/09/2017	सूर्य 20/07/2018	चंद्र 04/12/2019	राहु 10/06/2020
शुक्र 16/09/2016	सूर्य 07/10/2017	चंद्र 09/09/2018	मंगल 14/12/2019	गुरु 30/06/2020
सूर्य 12/10/2016	चंद्र 25/10/2017	मंगल 15/10/2018	राहु 11/01/2020	शनि 23/07/2020
चंद्र 24/11/2016	मंगल 06/11/2017	राहु 14/01/2019	गुरु 04/02/2020	बुध 14/08/2020
मंगल 24/12/2016	राहु 08/12/2017	गुरु 05/04/2019	शनि 04/03/2020	केतु 22/08/2020
राहु 11/03/2017	गुरु 06/01/2018	शनि 10/07/2019	बुध 30/03/2020	शुक्र 16/09/2020
गुरु 19/05/2017	शनि 08/02/2018	बुध 05/10/2019	केतु 09/04/2020	सूर्य 24/09/2020
शनि 09/08/2017	बुध 10/03/2018	केतु 09/11/2019	शुक्र 10/05/2020	चंद्र 06/10/2020

मंगल - राहु	मंगल - गुरु	मंगल - शनि	मंगल - बुध	मंगल - केतु
06/10/2020	24/10/2021	30/09/2022	09/11/2023	05/11/2024
24/10/2021	30/09/2022	09/11/2023	05/11/2024	04/04/2025
राहु 03/12/2020	गुरु 09/12/2021	शनि 03/12/2022	बुध 31/12/2023	केतु 14/11/2024
गुरु 23/01/2021	शनि 01/02/2022	बुध 30/01/2023	केतु 21/01/2024	शुक्र 09/12/2024
शनि 24/03/2021	बुध 21/03/2022	केतु 22/02/2023	शुक्र 21/03/2024	सूर्य 16/12/2024
बुध 18/05/2021	केतु 10/04/2022	शुक्र 01/05/2023	सूर्य 08/04/2024	चंद्र 29/12/2024
केतु 09/06/2021	शुक्र 06/06/2022	सूर्य 21/05/2023	चंद्र 08/05/2024	मंगल 07/01/2025
शुक्र 12/08/2021	सूर्य 23/06/2022	चंद्र 24/06/2023	मंगल 29/05/2024	राहु 29/01/2025
सूर्य 31/08/2021	चंद्र 21/07/2022	मंगल 18/07/2023	राहु 23/07/2024	गुरु 18/02/2025
चंद्र 02/10/2021	मंगल 10/08/2022	राहु 16/09/2023	गुरु 09/09/2024	शनि 13/03/2025
मंगल 24/10/2021	राहु 30/09/2022	गुरु 09/11/2023	शनि 05/11/2024	बुध 04/04/2025



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शुक्र	मंगल - सूर्य	मंगल - चंद्र	राहु - राहु	राहु - गुरु
04/04/2025	04/06/2026	10/10/2026	11/05/2027	21/01/2030
04/06/2026	10/10/2026	11/05/2027	21/01/2030	15/06/2032
शुक्र 14/06/2025	सूर्य 10/06/2026	चंद्र 27/10/2026	राहु 06/10/2027	गुरु 18/05/2030
सूर्य 05/07/2025	चंद्र 21/06/2026	मंगल 09/11/2026	गुरु 14/02/2028	शनि 03/10/2030
चंद्र 09/08/2025	मंगल 28/06/2026	राहु 11/12/2026	शनि 19/07/2028	बुध 05/02/2031
मंगल 03/09/2025	राहु 17/07/2026	गुरु 08/01/2027	बुध 06/12/2028	केतु 28/03/2031
राहु 06/11/2025	गुरु 03/08/2026	शनि 11/02/2027	केतु 01/02/2029	शुक्र 21/08/2031
गुरु 02/01/2026	शनि 24/08/2026	बुध 13/03/2027	शुक्र 16/07/2029	सूर्य 04/10/2031
शनि 10/03/2026	बुध 11/09/2026	केतु 25/03/2027	सूर्य 03/09/2029	चंद्र 16/12/2031
बुध 10/05/2026	केतु 18/09/2026	शुक्र 30/04/2027	चंद्र 24/11/2029	मंगल 05/02/2032
केतु 04/06/2026	शुक्र 10/10/2026	सूर्य 11/05/2027	मंगल 21/01/2030	राहु 15/06/2032
राहु - शनि	राहु - बुध	राहु - केतु	राहु - शुक्र	राहु - सूर्य
15/06/2032	22/04/2035	09/11/2037	27/11/2038	27/11/2041
22/04/2035	09/11/2037	27/11/2038	27/11/2041	22/10/2042
शनि 27/11/2032	बुध 01/09/2035	केतु 01/12/2037	शुक्र 29/05/2039	सूर्य 13/12/2041
बुध 24/04/2033	केतु 26/10/2035	शुक्र 03/02/2038	सूर्य 23/07/2039	चंद्र 10/01/2042
केतु 23/06/2033	शुक्र 29/03/2036	सूर्य 22/02/2038	चंद्र 22/10/2039	मंगल 29/01/2042
शुक्र 14/12/2033	सूर्य 14/05/2036	चंद्र 26/03/2038	मंगल 25/12/2039	राहु 19/03/2042
सूर्य 04/02/2034	चंद्र 31/07/2036	मंगल 18/04/2038	राहु 06/06/2040	गुरु 02/05/2042
चंद्र 02/05/2034	मंगल 23/09/2036	राहु 14/06/2038	गुरु 30/10/2040	शनि 23/06/2042
मंगल 01/07/2034	राहु 10/02/2037	गुरु 04/08/2038	शनि 22/04/2041	बुध 09/08/2042
राहु 05/12/2034	गुरु 14/06/2037	शनि 04/10/2038	बुध 24/09/2041	केतु 28/08/2042
गुरु 22/04/2035	शनि 09/11/2037	बुध 27/11/2038	केतु 27/11/2041	शुक्र 22/10/2042
राहु - चंद्र	राहु - मंगल	गुरु - गुरु	गुरु - शनि	गुरु - बुध
22/10/2042	22/04/2044	10/05/2045	28/06/2047	09/01/2050
22/04/2044	10/05/2045	28/06/2047	09/01/2050	15/04/2052
चंद्र 06/12/2042	मंगल 14/05/2044	गुरु 22/08/2045	शनि 22/11/2047	बुध 06/05/2050
मंगल 07/01/2043	राहु 10/07/2044	शनि 23/12/2045	बुध 01/04/2048	केतु 23/06/2050
राहु 31/03/2043	गुरु 31/08/2044	बुध 13/04/2046	केतु 25/05/2048	शुक्र 08/11/2050
गुरु 12/06/2043	शनि 30/10/2044	केतु 28/05/2046	शुक्र 26/10/2048	सूर्य 20/12/2050
शनि 06/09/2043	बुध 24/12/2044	शुक्र 05/10/2046	सूर्य 11/12/2048	चंद्र 27/02/2051
बुध 23/11/2043	केतु 15/01/2045	सूर्य 13/11/2046	चंद्र 26/02/2049	मंगल 16/04/2051
केतु 25/12/2043	शुक्र 20/03/2045	चंद्र 17/01/2047	मंगल 21/04/2049	राहु 18/08/2051
शुक्र 25/03/2044	सूर्य 08/04/2045	मंगल 03/03/2047	राहु 07/09/2049	गुरु 06/12/2051
सूर्य 22/04/2044	चंद्र 10/05/2045	राहु 28/06/2047	गुरु 09/01/2050	शनि 15/04/2052



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - केतु	गुरु - शुक्र	गुरु - सूर्य	गुरु - चंद्र	गुरु - मंगल
15/04/2052	22/03/2053	21/11/2055	09/09/2056	09/01/2058
22/03/2053	21/11/2055	09/09/2056	09/01/2058	15/12/2058
केतु 05/05/2052	शुक्र 01/09/2053	सूर्य 06/12/2055	चंद्र 19/10/2056	मंगल 28/01/2058
शुक्र 01/07/2052	सूर्य 19/10/2053	चंद्र 30/12/2055	मंगल 17/11/2056	राहु 21/03/2058
सूर्य 18/07/2052	चंद्र 09/01/2054	मंगल 16/01/2056	राहु 29/01/2057	गुरु 05/05/2058
चंद्र 16/08/2052	मंगल 06/03/2054	राहु 29/02/2056	गुरु 04/04/2057	शनि 28/06/2058
मंगल 05/09/2052	राहु 31/07/2054	गुरु 08/04/2056	शनि 20/06/2057	बुध 15/08/2058
राहु 26/10/2052	गुरु 07/12/2054	शनि 24/05/2056	बुध 28/08/2057	केतु 04/09/2058
गुरु 10/12/2052	शनि 11/05/2055	बुध 05/07/2056	केतु 25/09/2057	शुक्र 31/10/2058
शनि 02/02/2053	बुध 26/09/2055	केतु 22/07/2056	शुक्र 15/12/2057	सूर्य 17/11/2058
बुध 22/03/2053	केतु 21/11/2055	शुक्र 09/09/2056	सूर्य 09/01/2058	चंद्र 15/12/2058

गुरु - राहु	शनि - शनि	शनि - बुध	शनि - केतु	शनि - शुक्र
15/12/2058	10/05/2061	13/05/2064	21/01/2067	01/03/2068
10/05/2061	13/05/2064	21/01/2067	01/03/2068	01/05/2071
राहु 26/04/2059	शनि 31/10/2061	बुध 29/09/2064	केतु 14/02/2067	शुक्र 10/09/2068
गुरु 21/08/2059	बुध 05/04/2062	केतु 26/11/2064	शुक्र 22/04/2067	सूर्य 06/11/2068
शनि 07/01/2060	केतु 08/06/2062	शुक्र 08/05/2065	सूर्य 12/05/2067	चंद्र 11/02/2069
बुध 10/05/2060	शुक्र 08/12/2062	सूर्य 27/06/2065	चंद्र 15/06/2067	मंगल 19/04/2069
केतु 30/06/2060	सूर्य 01/02/2063	चंद्र 16/09/2065	मंगल 09/07/2067	राहु 10/10/2069
शुक्र 23/11/2060	चंद्र 03/05/2063	मंगल 13/11/2065	राहु 07/09/2067	गुरु 13/03/2070
सूर्य 06/01/2061	मंगल 07/07/2063	राहु 09/04/2066	गुरु 31/10/2067	शनि 12/09/2070
चंद्र 20/03/2061	राहु 18/12/2063	गुरु 18/08/2066	शनि 03/01/2068	बुध 23/02/2071
मंगल 10/05/2061	गुरु 13/05/2064	शनि 21/01/2067	बुध 01/03/2068	केतु 01/05/2071

शनि - सूर्य	शनि - चंद्र	शनि - मंगल	शनि - राहु	शनि - गुरु
01/05/2071	12/04/2072	12/11/2073	22/12/2074	28/10/2077
12/04/2072	12/11/2073	22/12/2074	28/10/2077	10/05/2080
सूर्य 19/05/2071	चंद्र 31/05/2072	मंगल 05/12/2073	राहु 27/05/2075	गुरु 28/02/2078
चंद्र 17/06/2071	मंगल 03/07/2072	राहु 04/02/2074	गुरु 13/10/2075	शनि 24/07/2078
मंगल 07/07/2071	राहु 28/09/2072	गुरु 30/03/2074	शनि 25/03/2076	बुध 03/12/2078
राहु 28/08/2071	गुरु 14/12/2072	शनि 02/06/2074	बुध 20/08/2076	केतु 25/01/2079
गुरु 13/10/2071	शनि 16/03/2073	बुध 30/07/2074	केतु 20/10/2076	शुक्र 29/06/2079
शनि 07/12/2071	बुध 06/06/2073	केतु 22/08/2074	शुक्र 11/04/2077	सूर्य 14/08/2079
बुध 25/01/2072	केतु 09/07/2073	शुक्र 29/10/2074	सूर्य 02/06/2077	चंद्र 30/10/2079
केतु 15/02/2072	शुक्र 14/10/2073	सूर्य 18/11/2074	चंद्र 28/08/2077	मंगल 23/12/2079
शुक्र 12/04/2072	सूर्य 12/11/2073	चंद्र 22/12/2074	मंगल 28/10/2077	राहु 10/05/2080



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - बुध	बुध - केतु	बुध - शुक्र	बुध - सूर्य	बुध - चंद्र
10/05/2080	06/10/2082	04/10/2083	04/08/2086	10/06/2087
06/10/2082	04/10/2083	04/08/2086	10/06/2087	08/11/2088
बुध 11/09/2080	केतु 28/10/2082	शुक्र 24/03/2084	सूर्य 19/08/2086	चंद्र 23/07/2087
केतु 02/11/2080	शुक्र 27/12/2082	सूर्य 15/05/2084	चंद्र 14/09/2086	मंगल 22/08/2087
शुक्र 28/03/2081	सूर्य 14/01/2083	चंद्र 09/08/2084	मंगल 02/10/2086	राहु 08/11/2087
सूर्य 11/05/2081	चंद्र 13/02/2083	मंगल 09/10/2084	राहु 18/11/2086	गुरु 16/01/2088
चंद्र 24/07/2081	मंगल 06/03/2083	राहु 13/03/2085	गुरु 29/12/2086	शनि 07/04/2088
मंगल 13/09/2081	राहु 30/04/2083	गुरु 29/07/2085	शनि 16/02/2087	बुध 19/06/2088
राहु 23/01/2082	गुरु 17/06/2083	शनि 09/01/2086	बुध 01/04/2087	केतु 19/07/2088
गुरु 20/05/2082	शनि 13/08/2083	बुध 04/06/2086	केतु 19/04/2087	शुक्र 14/10/2088
शनि 06/10/2082	बुध 04/10/2083	केतु 04/08/2086	शुक्र 10/06/2087	सूर्य 08/11/2088
बुध - मंगल	बुध - राहु	बुध - गुरु	बुध - शनि	केतु - केतु
08/11/2088	06/11/2089	25/05/2092	31/08/2094	10/05/2097
06/11/2089	25/05/2092	31/08/2094	10/05/2097	06/10/2097
मंगल 30/11/2088	राहु 25/03/2090	गुरु 12/09/2092	शनि 03/02/2095	केतु 19/05/2097
राहु 23/01/2089	गुरु 28/07/2090	शनि 22/01/2093	बुध 22/06/2095	शुक्र 13/06/2097
गुरु 12/03/2089	शनि 22/12/2090	बुध 19/05/2093	केतु 18/08/2095	सूर्य 20/06/2097
शनि 09/05/2089	बुध 03/05/2091	केतु 06/07/2093	शुक्र 29/01/2096	चंद्र 03/07/2097
बुध 29/06/2089	केतु 26/06/2091	शुक्र 21/11/2093	सूर्य 18/03/2096	मंगल 11/07/2097
केतु 20/07/2089	शुक्र 29/11/2091	सूर्य 01/01/2094	चंद्र 08/06/2096	राहु 03/08/2097
शुक्र 18/09/2089	सूर्य 14/01/2092	चंद्र 11/03/2094	मंगल 05/08/2096	गुरु 22/08/2097
सूर्य 06/10/2089	चंद्र 01/04/2092	मंगल 29/04/2094	राहु 30/12/2096	शनि 15/09/2097
चंद्र 06/11/2089	मंगल 25/05/2092	राहु 31/08/2094	गुरु 10/05/2097	बुध 06/10/2097
केतु - शुक्र	केतु - सूर्य	केतु - चंद्र	केतु - मंगल	केतु - राहु
06/10/2097	06/12/2098	13/04/2099	12/11/2099	10/04/2100
06/12/2098	13/04/2099	12/11/2099	10/04/2100	29/04/2101
शुक्र 16/12/2097	सूर्य 13/12/2098	चंद्र 01/05/2099	मंगल 21/11/2099	राहु 07/06/2100
सूर्य 07/01/2098	चंद्र 23/12/2098	मंगल 13/05/2099	राहु 13/12/2099	गुरु 28/07/2100
चंद्र 11/02/2098	मंगल 31/12/2098	राहु 14/06/2099	गुरु 02/01/2100	शनि 27/09/2100
मंगल 08/03/2098	राहु 19/01/2099	गुरु 13/07/2099	शनि 26/01/2100	बुध 20/11/2100
राहु 11/05/2098	गुरु 05/02/2099	शनि 15/08/2099	बुध 16/02/2100	केतु 12/12/2100
गुरु 07/07/2098	शनि 25/02/2099	बुध 15/09/2099	केतु 25/02/2100	शुक्र 14/02/2101
शनि 12/09/2098	बुध 15/03/2099	केतु 27/09/2099	शुक्र 22/03/2100	सूर्य 06/03/2101
बुध 12/11/2098	केतु 23/03/2099	शुक्र 02/11/2099	सूर्य 29/03/2100	चंद्र 07/04/2101
केतु 06/12/2098	शुक्र 13/04/2099	सूर्य 12/11/2099	चंद्र 10/04/2100	मंगल 29/04/2101



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शुक्र - गुरु	चंद्र - शुक्र - शनि	चंद्र - शुक्र - बुध	चंद्र - शुक्र - केतु
14/01/2019 09:58	05/04/2019 13:58	10/07/2019 23:13	05/10/2019 04:58
05/04/2019 13:58	10/07/2019 23:13	05/10/2019 04:58	09/11/2019 17:13
गुरु 25/01/2019 05:42	शनि 20/04/2019 20:13	बुध 23/07/2019 04:25	केतु 07/10/2019 06:40
शनि 07/02/2019 02:08	बुध 04/05/2019 11:56	केतु 28/07/2019 05:10	शुक्र 13/10/2019 04:43
बुध 18/02/2019 14:06	केतु 10/05/2019 02:52	शुक्र 11/08/2019 14:07	सूर्य 14/10/2019 23:20
केतु 23/02/2019 07:44	शुक्र 26/05/2019 04:25	सूर्य 15/08/2019 21:36	चंद्र 17/10/2019 22:21
शुक्र 08/03/2019 20:24	सूर्य 31/05/2019 00:05	चंद्र 23/08/2019 02:05	मंगल 20/10/2019 00:04
सूर्य 12/03/2019 21:48	चंद्र 08/06/2019 00:51	मंगल 28/08/2019 02:49	राहु 25/10/2019 07:54
चंद्र 19/03/2019 16:08	मंगल 13/06/2019 15:47	राहु 10/09/2019 01:17	गुरु 30/10/2019 01:32
मंगल 24/03/2019 09:46	राहु 28/06/2019 02:47	गुरु 21/09/2019 13:15	शनि 04/11/2019 16:28
राहु 05/04/2019 13:58	गुरु 10/07/2019 23:13	शनि 05/10/2019 04:58	बुध 09/11/2019 17:13

चंद्र - सूर्य - सूर्य	चंद्र - सूर्य - चंद्र	चंद्र - सूर्य - मंगल	चंद्र - सूर्य - राहु
09/11/2019 17:13	18/11/2019 20:22	04/12/2019 01:37	14/12/2019 17:17
18/11/2019 20:22	04/12/2019 01:37	14/12/2019 17:17	11/01/2020 02:44
सूर्य 10/11/2019 04:10	चंद्र 20/11/2019 02:48	मंगल 04/12/2019 16:31	राहु 18/12/2019 19:54
चंद्र 10/11/2019 22:26	मंगल 21/11/2019 00:06	राहु 06/12/2019 06:52	गुरु 22/12/2019 11:34
मंगल 11/11/2019 11:13	राहु 23/11/2019 06:53	गुरु 07/12/2019 16:58	शनि 26/12/2019 19:39
राहु 12/11/2019 20:05	गुरु 25/11/2019 07:35	शनि 09/12/2019 09:27	बुध 30/12/2019 16:48
गुरु 14/11/2019 01:18	शनि 27/11/2019 17:25	बुध 10/12/2019 21:40	केतु 01/01/2020 07:09
शनि 15/11/2019 12:00	बुध 29/11/2019 21:10	केतु 11/12/2019 12:35	शुक्र 05/01/2020 20:43
बुध 16/11/2019 19:03	केतु 30/11/2019 18:28	शुक्र 13/12/2019 07:12	सूर्य 07/01/2020 05:36
केतु 17/11/2019 07:50	शुक्र 03/12/2019 07:21	सूर्य 13/12/2019 19:59	चंद्र 09/01/2020 12:23
शुक्र 18/11/2019 20:22	सूर्य 04/12/2019 01:37	चंद्र 14/12/2019 17:17	मंगल 11/01/2020 02:44

चंद्र - सूर्य - गुरु	चंद्र - सूर्य - शनि	चंद्र - सूर्य - बुध	चंद्र - सूर्य - केतु
11/01/2020 02:44	04/02/2020 11:08	04/03/2020 09:07	30/03/2020 06:02
04/02/2020 11:08	04/03/2020 09:07	30/03/2020 06:02	09/04/2020 21:43
गुरु 14/01/2020 08:39	शनि 09/02/2020 01:01	बुध 08/03/2020 01:04	केतु 30/03/2020 20:57
शनि 18/01/2020 05:11	बुध 13/02/2020 03:20	केतु 09/03/2020 13:18	शुक्र 01/04/2020 15:34
बुध 21/01/2020 15:58	केतु 14/02/2020 19:48	शुक्र 13/03/2020 20:47	सूर्य 02/04/2020 04:21
केतु 23/01/2020 02:04	शुक्र 19/02/2020 15:28	सूर्य 15/03/2020 03:50	चंद्र 03/04/2020 01:39
शुक्र 27/01/2020 03:28	सूर्य 21/02/2020 02:10	चंद्र 17/03/2020 07:34	मंगल 03/04/2020 16:34
सूर्य 28/01/2020 08:41	चंद्र 23/02/2020 12:00	मंगल 18/03/2020 19:48	राहु 05/04/2020 06:55
चंद्र 30/01/2020 09:23	मंगल 25/02/2020 04:29	राहु 22/03/2020 16:56	गुरु 06/04/2020 17:00
मंगल 31/01/2020 19:28	राहु 29/02/2020 12:35	गुरु 26/03/2020 03:43	शनि 08/04/2020 09:29
राहु 04/02/2020 11:08	गुरु 04/03/2020 09:07	शनि 30/03/2020 06:02	बुध 09/04/2020 21:43



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - सूर्य - शुक्र	मंगल - मंगल - मंगल	मंगल - मंगल - राहु	मंगल - मंगल - गुरु
09/04/2020 21:43	10/05/2020 08:13	19/05/2020 01:01	10/06/2020 09:56
10/05/2020 08:13	19/05/2020 01:01	10/06/2020 09:56	30/06/2020 07:11
शुक्र 14/04/2020 23:28	मंगल 10/05/2020 20:23	राहु 22/05/2020 09:33	गुरु 13/06/2020 01:34
सूर्य 16/04/2020 11:59	राहु 12/05/2020 03:43	गुरु 25/05/2020 09:08	शनि 16/06/2020 05:08
चंद्र 19/04/2020 00:52	गुरु 13/05/2020 07:33	शनि 28/05/2020 22:09	बुध 19/06/2020 00:44
मंगल 20/04/2020 19:28	शनि 14/05/2020 16:37	बुध 01/06/2020 02:13	केतु 20/06/2020 04:35
राहु 25/04/2020 09:03	बुध 15/05/2020 22:11	केतु 02/06/2020 09:32	शुक्र 23/06/2020 12:07
गुरु 29/04/2020 10:27	केतु 16/05/2020 10:22	शुक्र 06/06/2020 03:01	सूर्य 24/06/2020 11:59
शनि 04/05/2020 06:07	शुक्र 17/05/2020 21:10	सूर्य 07/06/2020 05:52	चंद्र 26/06/2020 03:45
बुध 08/05/2020 13:36	सूर्य 18/05/2020 07:37	चंद्र 09/06/2020 02:36	मंगल 27/06/2020 07:36
केतु 10/05/2020 08:13	चंद्र 19/05/2020 01:01	मंगल 10/06/2020 09:56	राहु 30/06/2020 07:11

मंगल - मंगल - शनि	मंगल - मंगल - बुध	मंगल - मंगल - केतु	मंगल - मंगल - शुक्र
30/06/2020 07:11	23/07/2020 21:56	14/08/2020 01:01	22/08/2020 17:49
23/07/2020 21:56	14/08/2020 01:01	22/08/2020 17:49	16/09/2020 14:24
शनि 04/07/2020 00:55	बुध 26/07/2020 21:46	केतु 14/08/2020 13:12	शुक्र 26/08/2020 21:15
बुध 07/07/2020 09:13	केतु 28/07/2020 03:21	शुक्र 16/08/2020 00:00	सूर्य 28/08/2020 03:05
केतु 08/07/2020 18:16	शुक्र 31/07/2020 15:52	सूर्य 16/08/2020 10:27	चंद्र 30/08/2020 04:48
शुक्र 12/07/2020 16:44	सूर्य 01/08/2020 17:13	चंद्र 17/08/2020 03:51	मंगल 31/08/2020 15:36
सूर्य 13/07/2020 21:04	चंद्र 03/08/2020 11:29	मंगल 17/08/2020 16:01	राहु 04/09/2020 09:05
चंद्र 15/07/2020 20:18	मंगल 04/08/2020 17:03	राहु 18/08/2020 23:21	गुरु 07/09/2020 16:38
मंगल 17/07/2020 05:21	राहु 07/08/2020 21:07	गुरु 20/08/2020 03:11	शनि 11/09/2020 15:05
राहु 20/07/2020 18:22	गुरु 10/08/2020 16:44	शनि 21/08/2020 12:15	बुध 15/09/2020 03:36
गुरु 23/07/2020 21:56	शनि 14/08/2020 01:01	बुध 22/08/2020 17:49	केतु 16/09/2020 14:24

मंगल - मंगल - सूर्य	मंगल - मंगल - चंद्र	मंगल - राहु - राहु	मंगल - राहु - गुरु
16/09/2020 14:24	24/09/2020 01:22	06/10/2020 11:40	03/12/2020 00:18
24/09/2020 01:22	06/10/2020 11:40	03/12/2020 00:18	23/01/2021 03:33
सूर्य 16/09/2020 23:21	चंद्र 25/09/2020 02:14	राहु 15/10/2020 02:45	गुरु 09/12/2020 19:56
चंद्र 17/09/2020 14:16	मंगल 25/09/2020 19:38	गुरु 22/10/2020 18:50	शनि 17/12/2020 22:15
मंगल 18/09/2020 00:42	राहु 27/09/2020 16:22	शनि 31/10/2020 21:27	बुध 25/12/2020 04:06
राहु 19/09/2020 03:33	गुरु 29/09/2020 08:09	बुध 09/11/2020 01:02	केतु 28/12/2020 03:42
गुरु 20/09/2020 03:25	शनि 01/10/2020 07:22	केतु 12/11/2020 09:34	शुक्र 05/01/2021 16:14
शनि 21/09/2020 07:45	बुध 03/10/2020 01:38	शुक्र 21/11/2020 23:41	सूर्य 08/01/2021 05:36
बुध 22/09/2020 09:06	केतु 03/10/2020 19:02	सूर्य 24/11/2020 20:43	चंद्र 12/01/2021 11:52
केतु 22/09/2020 19:33	शुक्र 05/10/2020 20:45	चंद्र 29/11/2020 15:46	मंगल 15/01/2021 11:27
शुक्र 24/09/2020 01:22	सूर्य 06/10/2020 11:40	मंगल 03/12/2020 00:18	राहु 23/01/2021 03:33



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - राहु - शनि 23/01/2021 03:33 24/03/2021 20:53	मंगल - राहु - बुध 24/03/2021 20:53 18/05/2021 04:50	मंगल - राहु - केतु 18/05/2021 04:50 09/06/2021 13:45	मंगल - राहु - शुक्र 09/06/2021 13:45 12/08/2021 11:48
शनि 01/02/2021 18:17 बुध 10/02/2021 08:45 केतु 13/02/2021 21:46 शुक्र 24/02/2021 00:39 सूर्य 27/02/2021 01:31 चंद्र 04/03/2021 02:58 मंगल 07/03/2021 15:59 राहु 16/03/2021 18:35 गुरु 24/03/2021 20:53	बुध 01/04/2021 13:37 केतु 04/04/2021 17:41 शुक्र 13/04/2021 19:00 सूर्य 16/04/2021 12:12 चंद्र 21/04/2021 00:52 मंगल 24/04/2021 04:56 राहु 02/05/2021 08:31 गुरु 09/05/2021 14:23 शनि 18/05/2021 04:50	केतु 19/05/2021 12:09 शुक्र 23/05/2021 05:38 सूर्य 24/05/2021 08:29 चंद्र 26/05/2021 05:14 मंगल 27/05/2021 12:33 राहु 30/05/2021 21:05 गुरु 02/06/2021 20:41 शनि 06/06/2021 09:41 बुध 09/06/2021 13:45	शुक्र 20/06/2021 05:26 सूर्य 23/06/2021 10:08 चंद्र 28/06/2021 17:58 मंगल 02/07/2021 11:27 राहु 12/07/2021 01:34 गुरु 20/07/2021 14:06 शनि 30/07/2021 16:59 बुध 08/08/2021 18:19 केतु 12/08/2021 11:48
मंगल - राहु - सूर्य 12/08/2021 11:48 31/08/2021 16:01	मंगल - राहु - चंद्र 31/08/2021 16:01 02/10/2021 15:02	मंगल - राहु - मंगल 02/10/2021 15:02 24/10/2021 23:58	मंगल - गुरु - गुरु 24/10/2021 23:58 09/12/2021 10:50
सूर्य 13/08/2021 10:49 चंद्र 15/08/2021 01:10 मंगल 16/08/2021 04:01 राहु 19/08/2021 01:02 गुरु 21/08/2021 14:24 शनि 24/08/2021 15:16 बुध 27/08/2021 08:28 केतु 28/08/2021 11:19 शुक्र 31/08/2021 16:01	चंद्र 03/09/2021 07:56 मंगल 05/09/2021 04:41 राहु 09/09/2021 23:44 गुरु 14/09/2021 06:00 शनि 19/09/2021 07:27 बुध 23/09/2021 20:07 केतु 25/09/2021 16:51 शुक्र 01/10/2021 00:41 सूर्य 02/10/2021 15:02	मंगल 03/10/2021 22:22 राहु 07/10/2021 06:54 गुरु 10/10/2021 06:29 शनि 13/10/2021 19:30 बुध 16/10/2021 23:34 केतु 18/10/2021 06:53 शुक्र 22/10/2021 00:22 सूर्य 23/10/2021 03:13 चंद्र 24/10/2021 23:58	गुरु 31/10/2021 01:25 शनि 07/11/2021 06:08 बुध 13/11/2021 16:40 केतु 16/11/2021 08:18 शुक्र 23/11/2021 22:07 सूर्य 26/11/2021 04:40 चंद्र 29/11/2021 23:34 मंगल 02/12/2021 15:12 राहु 09/12/2021 10:50
मंगल - गुरु - शनि 09/12/2021 10:50 01/02/2022 10:16	मंगल - गुरु - बुध 01/02/2022 10:16 21/03/2022 17:19	मंगल - गुरु - केतु 21/03/2022 17:19 10/04/2022 14:35	मंगल - गुरु - शुक्र 10/04/2022 14:35 06/06/2022 10:11
शनि 17/12/2021 23:57 बुध 25/12/2021 15:28 केतु 28/12/2021 19:02 शुक्र 06/01/2022 18:56 सूर्य 09/01/2022 11:42 चंद्र 13/01/2022 23:39 मंगल 17/01/2022 03:13 राहु 25/01/2022 05:32 गुरु 01/02/2022 10:16	बुध 08/02/2022 06:28 केतु 11/02/2022 02:04 शुक्र 19/02/2022 03:15 सूर्य 21/02/2022 13:12 चंद्र 25/02/2022 13:47 मंगल 28/02/2022 09:24 राहु 07/03/2022 15:16 गुरु 14/03/2022 01:48 शनि 21/03/2022 17:19	केतु 22/03/2022 21:10 शुक्र 26/03/2022 04:42 सूर्य 27/03/2022 04:34 चंद्र 28/03/2022 20:20 मंगल 30/03/2022 00:11 राहु 01/04/2022 23:46 गुरु 04/04/2022 15:24 शनि 07/04/2022 18:58 बुध 10/04/2022 14:35	शुक्र 20/04/2022 01:51 सूर्य 22/04/2022 22:02 चंद्र 27/04/2022 15:40 मंगल 30/04/2022 23:12 राहु 09/05/2022 11:45 गुरु 17/05/2022 01:33 शनि 26/05/2022 01:28 बुध 03/06/2022 02:38 केतु 06/06/2022 10:11



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - गुरु - सूर्य		मंगल - गुरु - चंद्र		मंगल - गुरु - मंगल		मंगल - गुरु - राहु	
06/06/2022 10:11		23/06/2022 11:16		21/07/2022 21:04		10/08/2022 18:19	
23/06/2022 11:16		21/07/2022 21:04		10/08/2022 18:19		30/09/2022 21:34	
सूर्य	07/06/2022 06:38	चंद्र	25/06/2022 20:05	मंगल	23/07/2022 00:54	राहु	18/08/2022 10:24
चंद्र	08/06/2022 16:43	मंगल	27/06/2022 11:51	राहु	26/07/2022 00:29	गुरु	25/08/2022 06:02
मंगल	09/06/2022 16:35	राहु	01/07/2022 18:07	गुरु	28/07/2022 16:07	शनि	02/09/2022 08:21
राहु	12/06/2022 05:57	गुरु	05/07/2022 13:01	शनि	31/07/2022 19:41	बुध	09/09/2022 14:13
गुरु	14/06/2022 12:29	शनि	10/07/2022 00:59	बुध	03/08/2022 15:18	केतु	12/09/2022 13:48
शनि	17/06/2022 05:16	बुध	14/07/2022 01:34	केतु	04/08/2022 19:08	शुक्र	21/09/2022 02:20
बुध	19/06/2022 15:13	केतु	15/07/2022 17:20	शुक्र	08/08/2022 02:41	सूर्य	23/09/2022 15:42
केतु	20/06/2022 15:05	शुक्र	20/07/2022 10:58	सूर्य	09/08/2022 02:33	चंद्र	27/09/2022 21:58
शुक्र	23/06/2022 11:16	सूर्य	21/07/2022 21:04	चंद्र	10/08/2022 18:19	मंगल	30/09/2022 21:34

मंगल - शनि - शनि		मंगल - शनि - बुध		मंगल - शनि - केतु		मंगल - शनि - शुक्र	
30/09/2022 21:34		03/12/2022 23:52		30/01/2023 08:15		22/02/2023 23:00	
03/12/2022 23:52		30/01/2023 08:15		22/02/2023 23:00		01/05/2023 10:16	
शनि	11/10/2022 01:07	बुध	12/12/2022 02:51	केतु	31/01/2023 17:19	शुक्र	06/03/2023 04:53
बुध	20/10/2022 03:03	केतु	15/12/2022 11:09	शुक्र	04/02/2023 15:46	सूर्य	09/03/2023 13:51
केतु	23/10/2022 20:47	शुक्र	25/12/2022 00:33	सूर्य	05/02/2023 20:07	चंद्र	15/03/2023 04:47
शुक्र	03/11/2022 13:10	सूर्य	27/12/2022 21:22	चंद्र	07/02/2023 19:20	मंगल	19/03/2023 03:14
सूर्य	06/11/2022 18:05	चंद्र	01/01/2023 16:04	मंगल	09/02/2023 04:24	राहु	29/03/2023 06:08
चंद्र	12/11/2022 02:17	मंगल	05/01/2023 00:21	राहु	12/02/2023 17:25	गुरु	07/04/2023 06:02
मंगल	15/11/2022 20:01	राहु	13/01/2023 14:49	गुरु	15/02/2023 20:59	शनि	17/04/2023 22:25
राहु	25/11/2022 10:46	गुरु	21/01/2023 06:20	शनि	19/02/2023 14:43	बुध	27/04/2023 11:49
गुरु	03/12/2022 23:52	शनि	30/01/2023 08:15	बुध	22/02/2023 23:00	केतु	01/05/2023 10:16

मंगल - शनि - सूर्य		मंगल - शनि - चंद्र		मंगल - शनि - मंगल		मंगल - शनि - राहु	
01/05/2023 10:16		21/05/2023 16:03		24/06/2023 09:42		18/07/2023 00:26	
21/05/2023 16:03		24/06/2023 09:42		18/07/2023 00:26		16/09/2023 17:47	
सूर्य	02/05/2023 10:34	चंद्र	24/05/2023 11:32	मंगल	25/06/2023 18:45	राहु	27/07/2023 03:03
चंद्र	04/05/2023 03:03	मंगल	26/05/2023 10:45	राहु	29/06/2023 07:46	गुरु	04/08/2023 05:21
मंगल	05/05/2023 07:23	राहु	31/05/2023 12:12	गुरु	02/07/2023 11:20	शनि	13/08/2023 20:06
राहु	08/05/2023 08:15	गुरु	05/06/2023 00:09	शनि	06/07/2023 05:04	बुध	22/08/2023 10:34
गुरु	11/05/2023 01:01	शनि	10/06/2023 08:21	बुध	09/07/2023 13:21	केतु	25/08/2023 23:34
शनि	14/05/2023 05:56	बुध	15/06/2023 03:03	केतु	10/07/2023 22:25	शुक्र	05/09/2023 02:28
बुध	17/05/2023 02:45	केतु	17/06/2023 02:16	शुक्र	14/07/2023 20:52	सूर्य	08/09/2023 03:20
केतु	18/05/2023 07:06	शुक्र	22/06/2023 17:13	सूर्य	16/07/2023 01:13	चंद्र	13/09/2023 04:47
शुक्र	21/05/2023 16:03	सूर्य	24/06/2023 09:42	चंद्र	18/07/2023 00:26	मंगल	16/09/2023 17:47



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - शुक्र - गुरु - शुक्र		चंद्र - शुक्र - गुरु - सूर्य		चंद्र - शुक्र - गुरु - चंद्र		चंद्र - शुक्र - गुरु - मंगल	
23/02/2019 07:44		08/03/2019 20:24		12/03/2019 21:48		19/03/2019 16:08	
08/03/2019 20:24		12/03/2019 21:48		19/03/2019 16:08		24/03/2019 09:46	
शुक्र	25/02/2019 13:50	सूर्य	09/03/2019 01:16	चंद्र	13/03/2019 11:19	मंगल	19/03/2019 22:45
सूर्य	26/02/2019 06:04	चंद्र	09/03/2019 09:23	मंगल	13/03/2019 20:47	राहु	20/03/2019 15:48
चंद्र	27/02/2019 09:08	मंगल	09/03/2019 15:04	राहु	14/03/2019 21:08	गुरु	21/03/2019 06:57
मंगल	28/02/2019 04:04	राहु	10/03/2019 05:40	गुरु	15/03/2019 18:47	शनि	22/03/2019 00:57
राहु	02/03/2019 04:46	गुरु	10/03/2019 18:39	शनि	16/03/2019 20:29	बुध	22/03/2019 17:02
गुरु	04/03/2019 00:03	शनि	11/03/2019 10:05	बुध	17/03/2019 19:29	केतु	22/03/2019 23:40
शनि	06/03/2019 03:28	बुध	11/03/2019 23:53	केतु	18/03/2019 04:57	शुक्र	23/03/2019 18:36
बुध	08/03/2019 01:27	केतु	12/03/2019 05:34	शुक्र	19/03/2019 08:01	सूर्य	24/03/2019 00:17
केतु	08/03/2019 20:24	शुक्र	12/03/2019 21:48	सूर्य	19/03/2019 16:08	चंद्र	24/03/2019 09:46

चंद्र - शुक्र - गुरु - राहु		चंद्र - शुक्र - शनि - शनि		चंद्र - शुक्र - शनि - बुध		चंद्र - शुक्र - शनि - केतु	
24/03/2019 09:46		05/04/2019 13:58		20/04/2019 20:13		04/05/2019 11:56	
05/04/2019 13:58		20/04/2019 20:13		04/05/2019 11:56		10/05/2019 02:52	
राहु	26/03/2019 05:35	शनि	07/04/2019 23:57	बुध	22/04/2019 18:39	केतु	04/05/2019 19:48
गुरु	27/03/2019 20:33	बुध	10/04/2019 03:50	केतु	23/04/2019 13:46	शुक्र	05/05/2019 18:18
शनि	29/03/2019 18:49	केतु	11/04/2019 01:12	शुक्र	25/04/2019 20:23	सूर्य	06/05/2019 01:03
बुध	31/03/2019 12:13	शुक्र	13/04/2019 14:15	सूर्य	26/04/2019 12:46	चंद्र	06/05/2019 12:17
केतु	01/04/2019 05:15	सूर्य	14/04/2019 08:34	चंद्र	27/04/2019 16:05	मंगल	06/05/2019 20:10
शुक्र	03/04/2019 05:57	चंद्र	15/04/2019 15:05	मंगल	28/04/2019 11:12	राहु	07/05/2019 16:24
सूर्य	03/04/2019 20:34	मंगल	16/04/2019 12:27	राहु	30/04/2019 12:21	गुरु	08/05/2019 10:23
चंद्र	04/04/2019 20:55	राहु	18/04/2019 19:23	गुरु	02/05/2019 08:03	शनि	09/05/2019 07:45
मंगल	05/04/2019 13:58	गुरु	20/04/2019 20:13	शनि	04/05/2019 11:56	बुध	10/05/2019 02:52

चंद्र - शुक्र - शनि - शुक्र		चंद्र - शुक्र - शनि - सूर्य		चंद्र - शुक्र - शनि - चंद्र		चंद्र - शुक्र - शनि - मंगल	
10/05/2019 02:52		26/05/2019 04:25		31/05/2019 00:05		08/06/2019 00:51	
26/05/2019 04:25		31/05/2019 00:05		08/06/2019 00:51		13/06/2019 15:47	
शुक्र	12/05/2019 19:08	सूर्य	26/05/2019 10:12	चंद्र	31/05/2019 16:08	मंगल	08/06/2019 08:43
सूर्य	13/05/2019 14:24	चंद्र	26/05/2019 19:50	मंगल	01/06/2019 03:23	राहु	09/06/2019 04:58
चंद्र	14/05/2019 22:32	मंगल	27/05/2019 02:35	राहु	02/06/2019 08:18	गुरु	09/06/2019 22:57
मंगल	15/05/2019 21:02	राहु	27/05/2019 19:56	गुरु	03/06/2019 10:00	शनि	10/06/2019 20:19
राहु	18/05/2019 06:51	गुरु	28/05/2019 11:21	शनि	04/06/2019 16:32	बुध	11/06/2019 15:26
गुरु	20/05/2019 10:16	शनि	29/05/2019 05:40	बुध	05/06/2019 19:50	केतु	11/06/2019 23:18
शनि	22/05/2019 23:18	बुध	29/05/2019 22:03	केतु	06/06/2019 07:05	शुक्र	12/06/2019 21:48
बुध	25/05/2019 05:55	केतु	30/05/2019 04:48	शुक्र	07/06/2019 15:13	सूर्य	13/06/2019 04:33
केतु	26/05/2019 04:25	शुक्र	31/05/2019 00:05	सूर्य	08/06/2019 00:51	चंद्र	13/06/2019 15:47



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - शुक्र - शनि - राहु		चंद्र - शुक्र - शनि - गुरु		चंद्र - शुक्र - बुध - बुध		चंद्र - शुक्र - बुध - केतु	
13/06/2019 15:47		28/06/2019 02:47		10/07/2019 23:13		23/07/2019 04:25	
28/06/2019 02:47		10/07/2019 23:13		23/07/2019 04:25		28/07/2019 05:10	
राहु	15/06/2019 19:50	गुरु	29/06/2019 19:54	बुध	12/07/2019 16:45	केतु	23/07/2019 11:28
गुरु	17/06/2019 18:06	शनि	01/07/2019 20:44	केतु	13/07/2019 09:51	शुक्र	24/07/2019 07:35
शनि	20/06/2019 01:02	बुध	03/07/2019 16:26	शुक्र	15/07/2019 10:43	सूर्य	24/07/2019 13:38
बुध	22/06/2019 02:12	केतु	04/07/2019 10:25	सूर्य	16/07/2019 01:23	चंद्र	24/07/2019 23:41
केतु	22/06/2019 22:26	शुक्र	06/07/2019 13:50	चंद्र	17/07/2019 01:49	मंगल	25/07/2019 06:44
शुक्र	25/06/2019 08:16	सूर्य	07/07/2019 05:15	मंगल	17/07/2019 18:55	राहु	26/07/2019 00:50
सूर्य	26/06/2019 01:37	चंद्र	08/07/2019 06:57	राहु	19/07/2019 14:54	गुरु	26/07/2019 16:56
चंद्र	27/06/2019 06:32	मंगल	09/07/2019 00:57	गुरु	21/07/2019 06:00	शनि	27/07/2019 12:03
मंगल	28/06/2019 02:47	राहु	10/07/2019 23:13	शनि	23/07/2019 04:25	बुध	28/07/2019 05:10
चंद्र - शुक्र - बुध - शुक्र		चंद्र - शुक्र - बुध - सूर्य		चंद्र - शुक्र - बुध - चंद्र		चंद्र - शुक्र - बुध - मंगल	
28/07/2019 05:10		11/08/2019 14:07		15/08/2019 21:36		23/08/2019 02:05	
11/08/2019 14:07		15/08/2019 21:36		23/08/2019 02:05		28/08/2019 02:49	
शुक्र	30/07/2019 14:39	सूर्य	11/08/2019 19:17	चंद्र	16/08/2019 11:59	मंगल	23/08/2019 09:08
सूर्य	31/07/2019 07:54	चंद्र	12/08/2019 03:55	मंगल	16/08/2019 22:02	राहु	24/08/2019 03:14
चंद्र	01/08/2019 12:39	मंगल	12/08/2019 09:57	राहु	17/08/2019 23:55	गुरु	24/08/2019 19:20
मंगल	02/08/2019 08:46	राहु	13/08/2019 01:29	गुरु	18/08/2019 22:54	शनि	25/08/2019 14:27
राहु	04/08/2019 12:31	गुरु	13/08/2019 15:16	शनि	20/08/2019 02:13	बुध	26/08/2019 07:33
गुरु	06/08/2019 10:30	शनि	14/08/2019 07:40	बुध	21/08/2019 02:39	केतु	26/08/2019 14:36
शनि	08/08/2019 17:08	बुध	14/08/2019 22:19	केतु	21/08/2019 12:43	शुक्र	27/08/2019 10:43
बुध	10/08/2019 18:00	केतु	15/08/2019 04:21	शुक्र	22/08/2019 17:28	सूर्य	27/08/2019 16:45
केतु	11/08/2019 14:07	शुक्र	15/08/2019 21:36	सूर्य	23/08/2019 02:05	चंद्र	28/08/2019 02:49
चंद्र - शुक्र - बुध - राहु		चंद्र - शुक्र - बुध - गुरु		चंद्र - शुक्र - बुध - शनि		चंद्र - शुक्र - केतु - केतु	
28/08/2019 02:49		10/09/2019 01:17		21/09/2019 13:15		05/10/2019 04:58	
10/09/2019 01:17		21/09/2019 13:15		05/10/2019 04:58		07/10/2019 06:40	
राहु	30/08/2019 01:23	गुरु	11/09/2019 14:05	शनि	23/09/2019 17:08	केतु	05/10/2019 07:52
गुरु	31/08/2019 18:47	शनि	13/09/2019 09:46	बुध	25/09/2019 15:34	शुक्र	05/10/2019 16:09
शनि	02/09/2019 19:56	बुध	15/09/2019 00:52	केतु	26/09/2019 10:41	सूर्य	05/10/2019 18:38
बुध	04/09/2019 15:55	केतु	15/09/2019 16:58	शुक्र	28/09/2019 17:18	चंद्र	05/10/2019 22:46
केतु	05/09/2019 10:02	शुक्र	17/09/2019 14:58	सूर्य	29/09/2019 09:41	मंगल	06/10/2019 01:40
शुक्र	07/09/2019 13:47	सूर्य	18/09/2019 04:45	चंद्र	30/09/2019 12:59	राहु	06/10/2019 09:08
सूर्य	08/09/2019 05:18	चंद्र	19/09/2019 03:45	मंगल	01/10/2019 08:06	गुरु	06/10/2019 15:46
चंद्र	09/09/2019 07:10	मंगल	19/09/2019 19:51	राहु	03/10/2019 09:16	शनि	06/10/2019 23:38
मंगल	10/09/2019 01:17	राहु	21/09/2019 13:15	गुरु	05/10/2019 04:58	बुध	07/10/2019 06:40



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 4 मास 8 दिन

शुक्र 21 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 15 वर्ष	मंगल 8 वर्ष	बुध 17 वर्ष
13/08/1990	21/12/2009	21/12/2015	21/12/2030	21/12/2038
21/12/2009	21/12/2015	21/12/2030	21/12/2038	21/12/2055
शुक्र 20/01/1993	सूर्य 22/04/2010	चंद्र 20/01/2018	मंगल 26/07/2031	बुध 25/08/2041
सूर्य 22/03/1994	चंद्र 20/02/2011	मंगल 02/03/2019	बुध 28/10/2032	शनि 22/03/2043
चंद्र 20/02/1997	मंगल 01/08/2011	बुध 12/07/2021	शनि 25/07/2033	गुरु 19/03/2046
मंगल 11/09/1998	बुध 11/07/2012	शनि 01/12/2022	गुरु 21/12/2034	राहु 07/02/2048
बुध 31/12/2001	शनि 30/01/2013	गुरु 22/07/2025	राहु 11/11/2035	शुक्र 29/05/2051
शनि 11/12/2003	गुरु 20/02/2014	राहु 22/03/2027	शुक्र 01/06/2037	सूर्य 08/05/2052
गुरु 22/08/2007	राहु 21/10/2014	शुक्र 20/02/2030	सूर्य 10/11/2037	चंद्र 17/09/2054
राहु 21/12/2009	शुक्र 21/12/2015	सूर्य 21/12/2030	चंद्र 21/12/2038	मंगल 21/12/2055

शनि 10 वर्ष	गुरु 19 वर्ष	राहु 12 वर्ष	शुक्र 21 वर्ष
21/12/2055	21/12/2065	21/12/2084	21/12/2096
21/12/2065	21/12/2084	21/12/2096	00/00/0000
शनि 24/11/2056	गुरु 25/04/2069	राहु 22/04/2086	शुक्र 13/08/2098
गुरु 28/08/2058	राहु 05/06/2071	शुक्र 21/08/2088	00/00/0000
राहु 08/10/2059	शुक्र 13/02/2075	सूर्य 21/04/2089	00/00/0000
शुक्र 17/09/2061	सूर्य 05/03/2076	चंद्र 21/12/2090	00/00/0000
सूर्य 08/04/2062	चंद्र 25/10/2078	मंगल 11/11/2091	00/00/0000
चंद्र 28/08/2063	मंगल 22/03/2080	बुध 01/10/2093	00/00/0000
मंगल 25/05/2064	बुध 19/03/2083	शनि 11/11/2094	00/00/0000
बुध 21/12/2065	शनि 21/12/2084	गुरु 21/12/2096	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भद्रिका 3 वर्ष 5 मास 6 दिन

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
13/08/1990	19/01/1994	19/01/2000	19/01/2007	19/01/2015
19/01/1994	19/01/2000	19/01/2007	19/01/2015	19/01/2016
00/00/0000	उल्क 19/01/1995	सिद्ध 30/05/2001	संक 29/10/2008	मंग 29/01/2015
13/08/1990	सिद्ध 20/03/1996	संक 19/12/2002	मंग 18/01/2009	पिंग 18/02/2015
सिद्ध 20/07/1991	संक 20/07/1997	मंग 28/02/2003	पिंग 30/06/2009	धांय 21/03/2015
संक 29/08/1992	मंग 19/09/1997	पिंग 20/07/2003	धांय 28/02/2010	भाम 30/04/2015
मंग 19/10/1992	पिंग 19/01/1998	धांय 18/02/2004	भाम 19/01/2011	भद्रि 20/06/2015
पिंग 28/01/1993	धांय 20/07/1998	भाम 29/11/2004	भद्रि 29/02/2012	उल्क 20/08/2015
धांय 30/06/1993	भाम 21/03/1999	भद्रि 19/11/2005	उल्क 30/06/2013	सिद्ध 30/10/2015
भाम 19/01/1994	भद्रि 19/01/2000	उल्क 19/01/2007	सिद्ध 19/01/2015	संक 19/01/2016

पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष
19/01/2016	19/01/2018	18/01/2021	18/01/2025	19/01/2030
19/01/2018	18/01/2021	18/01/2025	19/01/2030	19/01/2036
पिंग 29/02/2016	धांय 20/04/2018	भाम 30/06/2021	भद्रि 29/09/2025	उल्क 19/01/2031
धांय 29/04/2016	भाम 20/08/2018	भद्रि 19/01/2022	उल्क 30/07/2026	सिद्ध 20/03/2032
भाम 20/07/2016	भद्रि 19/01/2019	उल्क 19/09/2022	सिद्ध 20/07/2027	संक 20/07/2033
भद्रि 29/10/2016	उल्क 20/07/2019	सिद्ध 30/06/2023	संक 29/08/2028	मंग 19/09/2033
उल्क 28/02/2017	सिद्ध 18/02/2020	संक 20/05/2024	मंग 19/10/2028	पिंग 19/01/2034
सिद्ध 20/07/2017	संक 19/10/2020	मंग 29/06/2024	पिंग 28/01/2029	धांय 20/07/2034
संक 29/12/2017	मंग 18/11/2020	पिंग 19/09/2024	धांय 30/06/2029	भाम 21/03/2035
मंग 19/01/2018	पिंग 18/01/2021	धांय 18/01/2025	भाम 19/01/2030	भद्रि 19/01/2036

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

योगिनी दशा

सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष
19/01/2036	19/01/2043	19/01/2051	19/01/2052	19/01/2054
19/01/2043	19/01/2051	19/01/2052	19/01/2054	18/01/2057
सिद्ध 30/05/2037	संक 29/10/2044	मंग 29/01/2051	पिंग 29/02/2052	धांय 20/04/2054
संक 19/12/2038	मंग 18/01/2045	पिंग 18/02/2051	धांय 29/04/2052	भाम 20/08/2054
मंग 28/02/2039	पिंग 30/06/2045	धांय 21/03/2051	भाम 20/07/2052	भद्रि 19/01/2055
पिंग 20/07/2039	धांय 28/02/2046	भाम 30/04/2051	भद्रि 29/10/2052	उल्क 20/07/2055
धांय 18/02/2040	भाम 19/01/2047	भद्रि 20/06/2051	उल्क 28/02/2053	सिद्ध 18/02/2056
भाम 29/11/2040	भद्रि 29/02/2048	उल्क 20/08/2051	सिद्ध 20/07/2053	संक 19/10/2056
भद्रि 19/11/2041	उल्क 30/06/2049	सिद्ध 30/10/2051	संक 29/12/2053	मंग 18/11/2056
उल्क 19/01/2043	सिद्ध 19/01/2051	संक 19/01/2052	मंग 19/01/2054	पिंग 18/01/2057
भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष
18/01/2057	18/01/2061	19/01/2066	19/01/2072	19/01/2079
18/01/2061	19/01/2066	19/01/2072	19/01/2079	19/01/2087
भाम 30/06/2057	भद्रि 29/09/2061	उल्क 19/01/2067	सिद्ध 30/05/2073	संक 29/10/2080
भद्रि 19/01/2058	उल्क 30/07/2062	सिद्ध 20/03/2068	संक 19/12/2074	मंग 18/01/2081
उल्क 19/09/2058	सिद्ध 20/07/2063	संक 20/07/2069	मंग 28/02/2075	पिंग 30/06/2081
सिद्ध 30/06/2059	संक 29/08/2064	मंग 19/09/2069	पिंग 20/07/2075	धांय 28/02/2082
संक 20/05/2060	मंग 19/10/2064	पिंग 19/01/2070	धांय 18/02/2076	भाम 19/01/2083
मंग 29/06/2060	पिंग 28/01/2065	धांय 20/07/2070	भाम 29/11/2076	भद्रि 29/02/2084
पिंग 19/09/2060	धांय 30/06/2065	भाम 21/03/2071	भद्रि 19/11/2077	उल्क 30/06/2085
धांय 18/01/2061	भाम 19/01/2066	भद्रि 19/01/2072	उल्क 19/01/2079	सिद्ध 19/01/2087
मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष
19/01/2087	19/01/2088	19/01/2090	18/01/2093	18/01/2097
19/01/2088	19/01/2090	18/01/2093	18/01/2097	00/00/0000
मंग 29/01/2087	पिंग 29/02/2088	धांय 20/04/2090	भाम 30/06/2093	भद्रि 29/09/2097
पिंग 18/02/2087	धांय 29/04/2088	भाम 20/08/2090	भद्रि 19/01/2094	उल्क 30/07/2098
धांय 21/03/2087	भाम 20/07/2088	भद्रि 19/01/2091	उल्क 19/09/2094	सिद्ध 13/08/2098
भाम 30/04/2087	भद्रि 29/10/2088	उल्क 20/07/2091	सिद्ध 30/06/2095	00/00/0000
भद्रि 20/06/2087	उल्क 28/02/2089	सिद्ध 18/02/2092	संक 20/05/2096	00/00/0000
उल्क 20/08/2087	सिद्ध 20/07/2089	संक 19/10/2092	मंग 29/06/2096	00/00/0000
सिद्ध 30/10/2087	संक 29/12/2089	मंग 18/11/2092	पिंग 19/09/2096	00/00/0000
संक 19/01/2088	मंग 19/01/2090	पिंग 18/01/2093	धांय 18/01/2097	00/00/0000



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : मेष 3 वर्ष 7 मास 8 दिन

कुल दशाकाल : 85 वर्ष

तिथि : भरणी - 2 सव्य

देह : मकर जीव : मिथुन

मेष 7 वर्ष	वृष 16 वर्ष	मिथुन 9 वर्ष	कर्क 21 वर्ष	सिंह 5 वर्ष
13/08/1990	22/03/1994	22/03/2010	22/03/2019	22/03/2040
22/03/1994	22/03/2010	22/03/2019	22/03/2040	22/03/2045
00/00/0000	वृष 26/03/1997	मिथु 05/03/2011	कर्क 29/05/2024	सिंह 07/07/2040
00/00/0000	मिथु 05/12/1998	कर्क 25/05/2013	सिंह 24/08/2025	कन्या 16/01/2041
13/08/1990	कर्क 18/11/2002	सिंह 05/12/2013	कन्या 14/11/2027	कुंभ 12/04/2041
कर्क 03/08/1991	सिंह 28/10/2003	कन्या 18/11/2014	कुंभ 09/11/2028	मक 07/07/2041
सिंह 31/12/1991	कन्या 07/07/2005	कुंभ 21/04/2015	मक 05/11/2029	धनु 07/02/2042
कन्या 27/09/1992	कुंभ 08/04/2006	मक 23/09/2015	धनु 25/04/2032	मेष 08/07/2042
कुंभ 25/01/1993	मक 08/01/2007	धनु 14/10/2016	मेष 17/01/2034	वृष 16/06/2043
मक 25/05/1993	धनु 26/11/2008	मेष 12/07/2017	वृष 31/12/2037	मिथु 27/12/2043
धनु 22/03/1994	मेष 22/03/2010	वृष 22/03/2019	मिथु 22/03/2040	कर्क 22/03/2045
कन्या 9 वर्ष	कुम्भ 4 वर्ष	मकर 4 वर्ष	धनु 10 वर्ष	मेष 7 वर्ष
22/03/2045	22/03/2054	22/03/2058	22/03/2062	22/03/2072
22/03/2054	22/03/2058	22/03/2062	22/03/2072	00/00/0000
कन्या 05/03/2046	कुंभ 30/05/2054	मक 30/05/2058	धनु 26/05/2063	मेष 18/10/2072
कुंभ 07/08/2046	मक 07/08/2054	धनु 18/11/2058	मेष 22/03/2064	वृष 11/02/2074
मक 08/01/2047	धनु 26/01/2055	मेष 18/03/2059	वृष 07/02/2066	मिथु 09/11/2074
धनु 30/01/2048	मेष 26/05/2055	वृष 18/12/2059	मिथु 01/03/2067	कर्क 13/08/2075
मेष 27/10/2048	वृष 25/02/2056	मिथु 21/05/2060	कर्क 19/08/2069	00/00/0000
वृष 08/07/2050	मिथु 29/07/2056	कर्क 17/05/2061	सिंह 22/03/2070	00/00/0000
मिथु 21/06/2051	कर्क 25/07/2057	सिंह 11/08/2061	कन्या 13/04/2071	00/00/0000
कर्क 10/09/2053	सिंह 18/10/2057	कन्या 12/01/2062	कुंभ 02/10/2071	00/00/0000
सिंह 22/03/2054	कन्या 22/03/2058	कुंभ 22/03/2062	मक 22/03/2072	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

चर दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 3 वर्ष 0 मास 0 दिन

कर्क 3 वर्ष	
13/08/1990	
12/08/1993	
मिथु	12/11/1990
वृष	11/02/1991
मेष	14/05/1991
मीन	13/08/1991
कुंभ	12/11/1991
मक	12/02/1992
धनु	13/05/1992
वृश्चि	12/08/1992
तुला	12/11/1992
कन्या	11/02/1993
सिंह	13/05/1993
कर्क	12/08/1993

मिथुन 2 वर्ष	
12/08/1993	
13/08/1995	
वृष	12/10/1993
मेष	12/12/1993
मीन	11/02/1994
कुंभ	13/04/1994
मक	13/06/1994
धनु	13/08/1994
वृश्चि	13/10/1994
तुला	12/12/1994
कन्या	11/02/1995
सिंह	13/04/1995
कर्क	13/06/1995
मिथु	13/08/1995

वृष 2 वर्ष	
13/08/1995	
12/08/1997	
मेष	13/10/1995
मीन	13/12/1995
कुंभ	12/02/1996
मक	12/04/1996
धनु	12/06/1996
वृश्चि	12/08/1996
तुला	12/10/1996
कन्या	12/12/1996
सिंह	11/02/1997
कर्क	13/04/1997
मिथु	13/06/1997
वृष	12/08/1997

मेष 12 वर्ष	
12/08/1997	
12/08/2009	
वृष	13/08/1998
मिथु	13/08/1999
कर्क	12/08/2000
सिंह	12/08/2001
कन्या	13/08/2002
तुला	13/08/2003
वृश्चि	12/08/2004
धनु	12/08/2005
मक	13/08/2006
कुंभ	13/08/2007
मीन	12/08/2008
मेष	12/08/2009

मीन 8 वर्ष	
12/08/2009	
12/08/2017	
मेष	13/04/2010
वृष	12/12/2010
मिथु	13/08/2011
कर्क	12/04/2012
सिंह	12/12/2012
कन्या	12/08/2013
तुला	13/04/2014
वृश्चि	12/12/2014
धनु	13/08/2015
मक	12/04/2016
कुंभ	12/12/2016
मीन	12/08/2017

कुम्भ 2 वर्ष	
12/08/2017	
13/08/2019	
मीन	12/10/2017
मेष	12/12/2017
वृष	11/02/2018
मिथु	13/04/2018
कर्क	13/06/2018
सिंह	13/08/2018
कन्या	13/10/2018
तुला	12/12/2018
वृश्चि	11/02/2019
धनु	13/04/2019
मक	13/06/2019
कुंभ	13/08/2019

मकर 1 वर्ष	
13/08/2019	
12/08/2020	
धनु	12/09/2019
वृश्चि	13/10/2019
तुला	12/11/2019
कन्या	13/12/2019
सिंह	12/01/2020
कर्क	12/02/2020
मिथु	13/03/2020
वृष	12/04/2020
मेष	13/05/2020
मीन	12/06/2020
कुंभ	13/07/2020
मक	12/08/2020

धनु 7 वर्ष	
12/08/2020	
13/08/2027	
वृश्चि	13/03/2021
तुला	12/10/2021
कन्या	13/05/2022
सिंह	12/12/2022
कर्क	14/07/2023
मिथु	12/02/2024
वृष	12/09/2024
मेष	13/04/2025
मीन	12/11/2025
कुंभ	13/06/2026
मक	12/01/2027
धनु	13/08/2027

वृश्चिक 8 वर्ष	
13/08/2027	
13/08/2035	
तुला	12/04/2028
कन्या	12/12/2028
सिंह	12/08/2029
कर्क	13/04/2030
मिथु	12/12/2030
वृष	13/08/2031
मेष	12/04/2032
मीन	12/12/2032
कुंभ	12/08/2033
मक	13/04/2034
धनु	12/12/2034
वृश्चि	13/08/2035

तुला 9 वर्ष	
13/08/2035	
12/08/2044	
वृश्चि	13/05/2036
धनु	11/02/2037
मक	12/11/2037
कुंभ	13/08/2038
मीन	14/05/2039
मेष	12/02/2040
वृष	12/11/2040
मिथु	12/08/2041
कर्क	13/05/2042
सिंह	11/02/2043
कन्या	12/11/2043
तुला	12/08/2044

कन्या 1 वर्ष	
12/08/2044	
12/08/2045	
तुला	12/09/2044
वृश्चि	12/10/2044
धनु	12/11/2044
मक	12/12/2044
कुंभ	11/01/2045
मीन	11/02/2045
मेष	13/03/2045
वृष	13/04/2045
मिथु	13/05/2045
कर्क	13/06/2045
सिंह	13/07/2045
कन्या	12/08/2045

सिंह 1 वर्ष	
12/08/2045	
13/08/2046	
कन्या	12/09/2045
तुला	12/10/2045
वृश्चि	12/11/2045
धनु	12/12/2045
मक	12/01/2046
कुंभ	11/02/2046
मीन	14/03/2046
मेष	13/04/2046
वृष	13/05/2046
मिथु	13/06/2046
कर्क	13/07/2046
सिंह	13/08/2046

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	4
भाग्यांक	4
मित्र अंक	1, 4, 6
शत्रु अंक	3, 7, 8
शुभ वर्ष	22,31,40,49,58
शुभ दिन	मंगल, सोम, गुरु
शुभ ग्रह	मंगल, चन्द्र, गुरु
मित्र राशि	कर्क, धनु
मित्र लग्न	तुला, मीन, वृष
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
भाग्य रत्न	पुखराज
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
शुभ दिशा	पश्चिमोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	शंख, कपूर, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दही



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

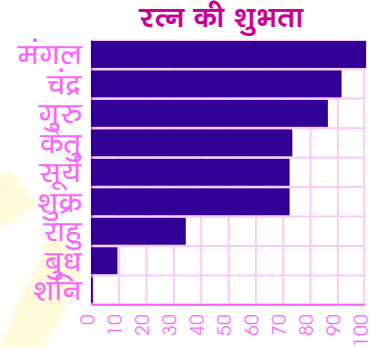
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
मूंगा	मंगल	100%	व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख
मोती	चंद्र	91%	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
पुखराज	गुरु	86%	स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
लहसुनिया	केतु	73%	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति
माणिक्य	सूर्य	72%	स्वास्थ्य, धन
हीरा	शुक्र	72%	स्वास्थ्य, धनार्जन, सुख
गोमेद	राहु	34%	दाम्पत्य कष्ट, शत्रु व रोग
पन्ना	बुध	9%	धन हानि, व्यय, पराक्रम हानि
नीलम	शनि	0%	शत्रु व रोग, दाम्पत्य कष्ट, दुर्घटना



दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
शुक्र	10/05/2004	59%	78%	100%	22%	86%	84%	0%	47%	80%
सूर्य	10/05/2010	84%	97%	100%	9%	92%	59%	0%	9%	61%
चंद्र	10/05/2020	78%	100%	100%	22%	86%	72%	0%	9%	61%
मंगल	11/05/2027	78%	97%	100%	0%	92%	72%	0%	9%	80%
राहु	10/05/2045	59%	78%	93%	9%	86%	78%	0%	55%	61%
गुरु	10/05/2061	78%	97%	100%	0%	98%	59%	0%	34%	73%
शनि	10/05/2080	59%	78%	93%	22%	86%	78%	0%	47%	61%
बुध	10/05/2097	78%	78%	100%	34%	86%	78%	0%	34%	73%
केतु	11/05/2104	59%	78%	100%	9%	86%	78%	0%	9%	86%



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत् ॥

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते हैं। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते हैं। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते हैं अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते हैं।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते हैं। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए मूंगा, मोती व पुखराज रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मोती आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

पुखराज आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मूंगा आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए लहसुनिया, माणिक्य एवं हीरा रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

गोमेद रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परीक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

पन्ना व नीलम रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल दशम भाव में स्थित है। मंगल रत्न मूंगा धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धन, यश, सुख और वाहनों का सुख प्रदान करेगा। मूंगा रत्न आपको महत्वाकांक्षी और दृढनिश्चयी व्यक्ति बनाएगा। मूंगा रत्न शुभता से बड़े पद और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। मूंगा रत्न प्रभाव आपको इंजीनियरिंग क्षेत्रों में सफलता प्राप्ति के अवसर दे सकता है। इसके अतिरिक्त यह मंगल आपको शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत पर ओर अधिक अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आजीविका क्षेत्र में आपकी नेतृत्व योग्यता का विकास करने में भी मूंगा रत्न शुभ दायक रहेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में मंगल पंचम भाव एवं दशम भाव के स्वामी तथा मंगल लग्नेश चंद्र के मित्र भी है। यह मंगल योगकारक ग्रह होने के कारण आपके लिए सबसे अधिक शुभ ग्रह है। मंगल रत्न मूंगा आपके लिए अतिउत्तम रत्न है। संतान सुख और शैक्षिक जीवन में अनुकूल सफलता पाने के लिए आपको यह रत्न अवश्य धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न आपको संतान प्राप्ति के योग, पिता एवं आजीविका क्षेत्र से लाभ दिला सकता है। रत्न की शुभता से आपको भूमि, भवन, दैनिक व्यवसाय, परिश्रम से सम्मान प्राप्ति हो सकती है। मंगल रत्न मूंगा आपके ग्रहस्थ जीवन को भी सुखमय बनाए रख सकता है।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र ॐ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे - गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्नी से लेकर अधिकतम ८ रत्नी तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते हैं।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र दशम भाव में स्थित है। आपके लिए चंद्र रत्न मोती धारण करना शुभ रहेगा। यह रत्न आपको समाज में प्रतिष्ठा देगा। यह रत्न आपको सफलता तो देगा



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ही साथ ही लोगों की बीच आपकी लोकप्रियता भी बढ़ायेगा। मोती रत्न कार्यकुशलता में निखार लायेगा। जीवन में बड़ी सफलता देगा। रत्न शुभता से आप दयालु, निर्मल, लोकहित कारक एवं संतोषी व्यक्ति बनेंगे। व्यापार और व्यवसाय में सफलता देगा। आपको उच्चाहत्वांक्षी बनाकर उच्च पद प्रदान करेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में चंद्र लग्न भाव के स्वामी है। लग्नेश चंद्र का रत्न मोती धारण कर आप अपने जीवन को दीर्घकालिन बना सकते हैं। मोती रत्न आपके स्वास्थ्य को अनुकूल, तेज एवं स्फूर्ति दे सकता है। मोती रत्न की शुभता से आप को प्रयासों में सफलता, यश-सम्मान एवं भावुकता में कमी कर सकता है। रत्न शुभता से आप व्यवहारिक बनेंगे तथा आपका मनोबल उच्च रहेगा। मोती रत्न आपको यशस्वी बनाकर व्यवसाय में सफलता दे सकता है। इसके साथ ही रत्न की शुभता आपके दांपत्य जीवन को सुखी रख सकती है। आपके स्वभाव की अस्थिरता को नियंत्रित करने में भी मोती रत्न अहम भूमिका निभा सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूठी में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ॐ सौँ सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते हैं।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु लग्न भाव में स्थित है। गुरु रत्न पुखराज धारण करने से आपकी विद्वता, ज्ञान अर्जन योग्यता, विनम्रता भाव का विकास होगा। पुखराज रत्न आपके लिए जीवन रत्न है। शुभ कार्य निर्विघ्न पूर्ण होंगे। लग्नस्थ गुरु पंचम, सप्तम एवं नवम भाव को देखता है। अतः यह पुखराज रत्न संतान सुख को प्रबल करेगा। धार्मिक कार्यों में अभिरुचि देगा। पुखराज रत्न आपके लिए सुख, धन व यश प्रदायक सिद्ध हो सकता है। पुखराज रत्न आपके वैवाहिक जीवन को स्थिरता देगा। संतान स्वास्थ्य वृद्धि कर संतान सुख को बढ़ाएगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में गुरु षष्ठ भाव एवं नवम भाव के स्वामी है। गुरु लग्नेश चंद्र के मित्र एवं त्रिकोण भाव के स्वामी होने के कारण आपके लिए शुभ ग्रह होते हैं। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक सिद्ध हो सकता है। पुखराज रत्न धारण कर आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है। आप विद्या, बुद्धि व संतान से युक्त हो सकते हैं। आपके कार्यों में जो बाधाएं आती हैं वो रत्न शुभता से दूर हो सकती हैं। छठे भाव



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

का रत्न होने के कारण यह रत्न रोग, शत्रु तथा ऋणों पर नियन्त्रण बनाये रखने में लाभकारी सिद्ध हो सकता है। शत्रुओं पर विजय, भाग्य व धर्म को प्रबलता मिल सकती है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ॐ बृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरूरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार हैं- चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर 8 रत्ती का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु लग्न भाव में स्थित है। इसलिए आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। यह रत्न धारण करने से आप परिश्रमी और कर्मठ बनेंगे। लहसुनिया रत्न आपकी मेहनत एवं लगन योग्यता को बढ़ायेगा। लग्न भाव में बैठकर केतु सप्तम भाव से संबंध बना रहे हैं इसके प्रभाव से केतु रत्न लहसुनिया आपके ग्रहस्थ जीवन को सुख-सौहार्द पूर्ण बनायेगा। लहसुनिया रत्न आपके साहस भाव में बढ़ोतरी करेगा।

केतु कर्क राशि में स्थित है व इसका स्वामी चन्द्र दशम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण कर आप आजीविका क्षेत्र में चातुर्य से उन्नति प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको कर्मक्षेत्र में उच्च पद, सम्मान एवं अधिकार शक्ति देगा तथा रत्न पहन कर आप व्यवहार कुशल होंगे। रत्न शुभता से आप धनवान, बुद्धिमान और पितृ-सुखयुक्त होंगे। यह रत्न आपको आजीविका क्षेत्र में व्यर्थ विवादों में सम्मिलित होने से बचाएगा। इस रत्न को धारण करने से आपको अधीनस्थों का सुख-सहयोग प्राप्त होगा। तथा यह रत्न आपके कार्यभार में कमी करेगा। आपके कार्यों में नियमितता आएगी। न्याय और परिश्रम कुशलता में वृद्धि होगी। आपको उत्तम व्यक्तियों के संपर्क में रहने के अवसर प्राप्त होंगे।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ॐ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार हैं- सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य प्रथम भाव में स्थित हैं। अतः आपको शुक्र रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न धारण करने से आपको उत्तम मित्र व उच्च पद की प्राप्ति होगी। सरकार से आपके अच्छे संबंध होंगे। सत्ता से जुड़े लोगों से आपके संबंध करीबी और मजबूत होंगे। माणिक्य रत्न आत्मविश्वास भाव में वृद्धि करेगा। तथा इसके प्रभाव से आपकी व्यक्तित्व में भी तेज आयेगा। आपके व्यक्तित्व का विकास होगा। आपका चहुंमुखी विकास होगा। धन-धान्य बढ़ेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में सूर्य द्वितीय भाव के स्वामी है। सूर्य लग्नेश चंद्र का मित्र है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य शुभता प्राप्त कर सकते हैं। सूर्य रत्न की शुभता से आपको धन व कुटुम्ब एवं मान-सम्मान प्राप्त करा सकता है। माणिक्य के प्रभाव से आयु व दैनिक जीवन में सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है। यह रत्न बातचीत में राजसिक प्रभाव, वाणी में आत्मविश्वास भाव दे सकता है। तथा यह रत्न आपको बैंक, रेवेन्ची, अकाउन्ट, सात्विक भोजन, कीमती धातु जैसे विषयों में शुभता दे सकता है। माणिक्य रत्न को धारण पर आप छोटे भाई- बहनों की विदेश यात्रा, कर्जा चुकाना, जेल, सजा, माता को होने वाले लाभ, मामा की यात्राएं, उच्च शिक्षा, दुर्घटना, ऋण इत्यादि में शुभता प्राप्त कर सकते हैं।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत्त होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ॐ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम 9 माला जाप करना चाहिए। तदपश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्नी से लेकर ८ रत्नी तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र लग्न भाव में स्थित है। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। यह रत्न प्रेम, आकर्षण एवं विपरीत लिंग विषयों में सफलता देगा। हीरा रत्न से धन संचय करना आपके लिए सहज होगा। शुक्र लग्न भाव से सप्तम भाव को प्रभावित कर रहे हैं। इसलिए शुक्र रत्न हीरा धारण कर आप वैवाहिक जीवन को अनुकूल बनाये रख सकते हैं। यह हीरा रत्न पारिवारिक सुख-समृद्धि, स्वतंत्र व्यापार में लाभदायक सिद्ध होगा। नियमानुसार धारण किया गया हीरा आपको सुख, ऐश्वर्य, सम्मान, वैभव, विलासिता आदि दे सकता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शुक्र चतुर्थेश एवं आयेश है। शुक्र ग्रह की शुभता प्राप्त करने के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं। हीरे की शुभता आपको घर, जमीन-जायदाद, वाहन, प्रतिष्ठा और माता के सुख प्राप्त हो सकते हैं। शुक्र रत्न हीरा आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने में सहयोग कर सकता है। आय, उन्नति, सफलता के अतिरिक्त यह रत्न आपको बड़ी उम्र के दोस्त, सभी प्रकार के लाभ, इच्छापूर्ति की संभावना, दया, सलाहकार, अनुयायी, दोस्त एवं उत्तम शुभ चिन्तक दे सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूठी में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ॐ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा रत्नी से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु सप्तम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः राहु रत्न गोमेद पहनने पर आपको अपना व्यापार करने पर हानि की स्थिति बन सकती है। इस रत्न को धारण करने पर आपको अपने कार्यों के अनुकूल सराहना प्राप्त नहीं हो पाएगी। यह रत्न आपको स्वभाव से क्रोधी और अहंकारी बना सकता है। रत्न प्रभाव से आप अपनी सफलता से असंतुष्ट हो सकते हैं। आपका स्वभाव कुछ हद तक उग्र हो सकता है। रत्न की शुभता आपके साथ न होने के कारण आपकी संगति और संबंध अयोग्य व्यक्तियों के साथ हो सकती है। दुष्ट व्यक्तियों के द्वारा आपको धन हानि की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न आपकी धार्मिक आस्था में कमी कर सकता है।

राहु मकर राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि छटे भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न आपको विशेष समय पर बौद्धिक योग्यता का सहयोग प्राप्त नहीं होने देगा। बुद्धि बल की कमी आपको शत्रु पक्ष से पराजय दे सकती है। रत्न प्रभाव से आप रोग, ऋण और शत्रुओं से पीड़ित होंगे। इसके कारण विशेष कार्य करने के अवसर अन्य किसी को प्राप्त हो सकते हैं। बड़े कार्यों में योग्यता दिखाने के अवसर आपको नहीं मिल पाएंगे। आपको कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न आपके रोगों में वृद्धि करेगा। कोर्ट कचहरी के मामलों में धन हानि होगी। इस रत्न को पहनने पर आपको विभिन्न षड्यंत्रों से निपटना पड़ेगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध द्वितीय भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न मोती धारण करने से आपको शिक्षा, बुद्धि विकास, वक्तव्य और शास्त्रीय शोध विषयों में दिक्कतें आ सकती है। सांपत्तिक स्थिति में हानि हो सकती है। रत्न प्रतिकूलता से शेयर बाजार में आपका हानि से सामना हो सकता है। रत्न प्रभाव से बैंक कार्य आपकी परेशानी की वजह बन सकते हैं। बैंक कारोबार में हानि हो सकती है। सरकारी वसूली और टैक्स इत्यादि आपको सरकारी दंड दे सकते हैं। आपकी वाणी में कडवाहट, शिक्षा में व्यवधान एवं चिड़चिड़ेपन की स्थिति बन सकती है। रत्न पहनने पर शत्रु आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं। गलत परामर्श के कारण जोखिम भरा निर्णय लेने से आपको हानि हो सकती है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में बुध तीसरे भाव एवं द्वादश भाव के स्वामी है। बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको बंधु बांधवों का सुख कम प्राप्त हो सकता है। पराक्रम भाव के पक्ष से भी यह रत्न आपके लिए अनुकूल फलदायक नहीं रहेगा। भाई-बहनों से संबंधों की मधुरता में कमी हो सकती है। बौद्धिक बल से धनार्जन करने में पन्ना रत्न आपको सहयोग नहीं करेगा। व्यावसायिक यात्राओं में असफलता का सामना आपको करना पड़ सकता है। पन्ना रत्न आपके भाग्योदय में बाधक का कार्य कर सकता है। रत्न प्रभाव से आपके व्यय व्यर्थ हो सकते हैं। व्ययों को नियंत्रित रखने में आपको कष्ट हो सकते हैं। विद्या और बौद्धिक विषयों में आपके साथ परेशानियां बनी रहेंगी।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि षष्ठ भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शनि रत्न नीलम पहनने से आपका स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकता है। यह रत्न आपकी पाचनशक्ति को कमजोर कर सकता है। आपकी कम भूख की परेशानी हो सकती है। यह रत्न आपको शत्रुओं से भयभीत रख सकता है। आप प्रतिवादियों से भय खा सकते हैं। बंधु-बांधवों का सुख आपको समय पर न मिल पाए। रत्न प्रभाव आपमें अहंकार भाव ला सकता है। यश, संपत्ति के अधिकारों में कमी हो सकती है। विषय वासनाओं में आप अधिक रत हो सकते हैं। गुणीजनों का अनजाने में आपके द्वारा अनादर हो सकता है। नीलम रत्न धारण से आपके ऋण भुगतान मानसिक चिंता का कारण बन सकते हैं।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शनि सप्तमेश एवं अष्टमेश है। शनि का रत्न नीलम धारण करना आपके लिए सुख फलदायक नहीं रहेगा। नीलम रत्न आपके भाग्योदय में रुकावट ला सकता है। संतान, जीवन साथी व माता के कष्ट रत्न प्रभाव से बढ़ सकते हैं। यह रत्न आपको पेशाब से संबंधित रोग दे सकता है। शत्रु आपको शारीरिक कष्ट दे सकते हैं। रत्न प्रभाव से आपका मन चंचल रहेगा। मित्रों से मित्रताएं बनती बिगड़ती रहेंगी। यह रत्न आपकी आयु में कमी का कारण बन सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य कमजोर होगा। गुप्त रोग भी रत्न प्रभाव से प्रभावी हो सकते हैं। यह रत्न आपकी शारीरिक अस्वस्थता को बढ़ाएगा। कलह और अपयश की स्थिति आपके लिए यह रत्न बना सकता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

दशानुसार रत्न विचार

चन्द्र

(10/05/2010 - 10/05/2020)

चन्द्र की दशा में आपका मोती, मूंगा, पुखराज व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना, गोमेद व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल

(10/05/2020 - 11/05/2027)

मंगल की दशा में आपका मूंगा, मोती, पुखराज, लहसुनिया व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद, पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु

(11/05/2027 - 10/05/2045)

राहु की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु

(10/05/2045 - 10/05/2061)

गुरु की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लहसुनिया व हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि

(10/05/2061 - 10/05/2080)

शनि की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध

(10/05/2080 - 10/05/2097)

बुध की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, माणिक्य, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना व गोमेद रत्न नेष्ट हैं और नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु

(10/05/2097 - 11/05/2104)

केतु की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, लहसुनिया, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना, गोमेद व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते हैं। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते हैं, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापों का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरु ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहु ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुंडली और रुद्राक्ष

आपकी कुंडली कर्क लग्न की हैं। कर्क लग्न आपको संवेदनशील बना रहा है। चर लग्न आपको लगातार कार्य करने का स्वभाव दे रहा हैं। आपको जलीय स्थानों के नजदीकरहना अधिक प्रिय हो सकता हैं। लगातार कार्य करना आपका स्वभाव , बिना थके निरन्तर कार्य करना आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। आप भावुक, धैर्यवान है, और कठिन से कठिन समय में भी घबराते नहीं हैं। कुछ विषयों पर आप जिद्धी भी हो जाते हैं। अपने स्वभाव के नकारात्मक पक्ष को छोड़ने का प्रयास आपको करना चाहिए। साथ ही आपको अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना चाहिए। कार्य के घण्टे में से थोड़ा समय आराम के लिए भी निकालें। आप अत्यधिक भावनात्मक हैं इसलिए आपके निर्णय कई बार गलत भी हो जाते हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

फिर भी आप जब किसी काम को करने की ठान लेते हैं, तो उसे करके ही बैठते हैं।

कुंडली के 6, 8 व 12 भाव त्रिक भाव कहलाते हैं। तथा इन भावों के स्वामियों को त्रिक भावेश के नाम से जाना जाता है। त्रिक भाव, भावेश व इन भावों में बैठे ग्रह स्वयं में किसीन किसी प्रकार की अशुभता लिये होते हैं। यही कारण है की ये सभी आपके जीवन में कष्ट और बाधाओं का कारण बन सकते हैं। जिसमें छठ भाव रोग, ऋण और शत्रुओं से कष्ट देता है, इसका स्वामी जिस भाव में जाता है, उसके शुभ फलों में कुछ न कुछ कमी अवश्य करता है। जिसके फलस्वरूप आपको षष्ठ भाव के स्वामी या इस भाव में स्थित ग्रहों की महादशा-अन्तर्दशाओं में भाव सम्बंधित रोग, ऋण या शत्रुओं के द्वारा शारीरिक या मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ता है।

6, 8 व 12 भावों में अष्टम भाव विशेष अशुभता लिए होते हैं। इस भाव का स्वामी अष्टमेश, जिस भाव में बैठता है, उस भाव के फलों का नाश करता है। अष्टम भाव अशुभता, बाधा और पाप का भाव है। और इस भाव या इस भाव के स्वामी से किसी भी भावेश का सम्बन्ध होना, भावेश की शुभता में कमी कर अशुभता को बढ़ाता है। तीसरा और अंतिम त्रिक भाव, द्वादश भाव है जिसे व्यय भाव भी कहा जाता है। द्वादश भाव से हानि, टैक्स, निद्रा, शैय्या भोग, कारागार, विदेश यात्रा और मोक्ष का विचार किया जाता है। इस भाव का स्वामी और इस भाव में स्थित ग्रह भी इस भाव के विषयों में अशुभता लाते हैं। इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता है। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके लग्न में षष्ठ भाव व नवम भाव के स्वामी गुरु हैं। षष्ठेश गुरु आपका मामा-मौसी से बैर करा सकता है। संतान सुख में कमी कर सकता है तथा संतान रोगों के प्रभाव में शीघ्र आ सकती हैं, बुद्धि और विवेक का समय पर उपयोग नहीं मिलता। इसके अतिरिक्त ऋण आदि विषयों में शत्रु बाधक हो सकते हैं।

सप्तम व अष्टम भाव के शनि की यह स्थिति जीवन साथी से प्राप्त होने वाले सुखों में कमी, सरकारी क्षेत्रों व आजीविका क्षेत्रों से अल्प लाभ, धन संचय कठिन, कुटुंबका न्यून सुख, विद्या बुद्धि से अल्प लाभ व संतान सुख में बाधक बनता है।

द्वादश व तृतीय भाव के स्वामी बुध हैं। बुध आपके लग्न के लिए अशुभ ग्रहों की श्रेणी में आते हैं। बुध की यह स्थिति आपको अधिक व्ययों से परेशान, पारिवारिक सुख में न्यूनता, धन संचय दुष्कर, शत्रु संघर्ष से हानि के योग बना सकता है।

आपकी कुंडली में शनि सौतेली माता से कष्ट, संपत्तिनाश, अल्पभाषी, एकांतप्रिय, शारीरिक कष्ट का कारक बन सकता है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 4, 5, 7 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

प्रथम चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	02/06/1995-10/08/1995 16/02/1996-17/04/1998	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	17/04/1998-07/06/2000	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	07/06/2000-23/07/2002 08/01/2003-07/04/2003	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/09/2004-13/01/2005 26/05/2005-01/11/2006 10/01/2007-16/07/2007	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-26/01/2017 21/06/2017-26/10/2017	-----

द्वितीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	29/03/2025-03/06/2027 03/06/2027-23/02/2028	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	03/06/2027-03/06/2027 23/02/2028-08/08/2029 05/10/2029-17/04/2030	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	08/08/2029-05/10/2029 17/04/2030-31/05/2032	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	13/07/2034-27/08/2036	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	11/12/2043-23/06/2044 30/08/2044-08/12/2046	-----

तृतीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	14/05/2054-02/09/2054 05/02/2055-07/04/2057	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	07/04/2057-27/05/2059	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	27/05/2059-11/07/2061 13/02/2062-07/03/2062	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/08/2063-06/02/2064 09/05/2064-13/10/2065 03/02/2066-03/07/2066	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/02/2073-31/03/2073 23/10/2073-16/01/2076 11/07/2076-11/10/2076	-----

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ	भाग्योदय
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	सम	व्यावसायिक परेशानी
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	शुभ	धनार्जन
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	अशुभ	बुरा स्वास्थ्य
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	सन्तति कष्ट



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः ।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

**ॐ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ।।**

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ॐ हों जूं सः ॐ भूर्भुव स्वः ॐ ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें। लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डेंट बनाकर धारण करें।

ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तृविनाशं च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

आपके जन्म समय में मंगल चन्द्रमा के साथ जन्म कुंडली में स्थित है। अतः आप चन्द्र कुण्डली से मांगलिक हैं। परन्तु मंगल का योग चन्द्रमा से होने पर आपका मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है। ऐसा मंगल आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्रदान करेगा। इसके शुभ प्रभाव से आप मानसिक तथा शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु स्वभाव में यदा कदा उग्रता का भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस मंगल के प्रभाव से आपके विवाह में थोड़ा विलम्ब होगा परन्तु विवाह अत्यन्त ही सुखद एवं शान्त वातावरण में सम्पन्न होगा। किसी भी प्रकार से अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा जिससे आप प्रसन्नता पूर्वक दाम्पत्य सुख का उपभोग कर सकेंगे।

चन्द्रमा के साथ मंगल की युति होने से आप एक स्वस्थ पुरुष होंगे तथा मानसिक रूप से भी कभी विचलित नहीं रहेंगे। चन्द्रमा से चतुर्थ भाव पर मंगल की दृष्टि होने से सुख संसाधनों से आप सर्वदा युक्त रहेंगे। जीवन में सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप चल या अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को भी प्राप्त कर सकेंगे। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि से आपकी पत्नी का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा वे स्वभाव से क्रोध के भाव को प्रदर्शित करेंगी। इससे दाम्पत्य जीवन पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। अष्टम भाव पर मंगल की दृष्टि से शारीरिक कुशलता बनी रहेगी तथा अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी यथा समय सिद्ध होते रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से शान्ति प्राप्त करेंगे। इस प्रकार आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं शान्ति से व्यतीत होगा।

अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखमय बनाने के लिए आपको किसी गैरमांगलिक या ऐसी कन्या से विवाह करना चाहिए जिसकी कुंडली में मांगलिक दोष उचित



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

नियमानुसार भंग हो रहा हो। यदि आप इस प्रकार से अपना दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करेंगे तो आप अत्यन्त ही भाग्यशाली पुरुष सिद्ध होंगे। आप भौतिक सुख संसाधनों से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक जीवन यापन करेंगे। साथ ही समाज में भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा तथा यश प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। आपकी पत्नी भी एक सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा आपके परस्पर संबंध भी हमेशा मधुर रहेंगे एवं अनावश्यक तनाव तथा कटुता से आप मुक्त ही रहेंगे।

इसके अतिरिक्त कुंडली मिलान के समय समान भाव में मंगल की यदि आवश्यक न हो तो उपेक्षा ही करें क्योंकि समान भावों में मंगल के रहने से दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक बाधाएं तथा समस्याएं उत्पन्न होती हैं जिससे यदा कदा आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होता है। अन्य भावों में स्थित मंगल शुभ रहेगा एवं दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः सोच समझ कर इस विषय में अन्तिम निर्णय लेना चाहिए।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कालसर्प योग

अग्ने राहुरघः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः ।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय ॥

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग ।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलाहर्ष नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलाहर्ष नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं। कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते हैं। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक बहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियाँ अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंड़े जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं -

ॐ देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च ।

नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः ॥

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृ का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- नवम् भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुण्डली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांड़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 13 है। एक एवं तीन का योग 4 होने से आपका मूलांक चार होता है। अंक एक का स्वामी सूर्य, तीन का स्वामी गुरु तथा मूलांक 4 का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल होता है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। सूर्य प्रभाव से आप अपने लक्ष्य को वेधने में सफल होंगे एवं जीवन में काफी ऊँचाईयाँ प्राप्त करेंगे। गुरु प्रभाववश आपके अन्दर बुद्धि चातुर्य अच्छा रहेगा। आप अपनी बुद्धि से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे तथा नाम भी प्राप्त करेंगे। हर्षल या राहु के प्रभाव द्वारा आपमें अच्छा साहस रहेगा, लेकिन जब कभी आप दुःसाहस करेंगे या दिखायेंगे तब आपको लाभ के साथ हानि की भी उपलब्धि होगी।

हर्षल ग्रह परिवर्तन का द्योतक है। अचानक सफलता, असफलता देता है। कभी-कभी यह ग्रह विस्फोटक स्थिति भी निर्मित करता है। अतः ऐसे कार्यों को जिनमें जोखिम या हानि की संभावना हो, उन्हें आपको सोच समझकर करना लाभप्रद रहेगा। वैसे सूर्य-गुरु के योग से साहस एवं धैर्य आपमें अच्छा रहेगा एवं जीवन में कई अवसरों पर आप अपने साहस एवं धैर्य का परिचय देंगे। आपकी शीघ्रातिशीघ्र कार्य संपादन करने की अभिलाषा रहेगी। कार्यों में रुकावट को आप बर्दास्त नहीं करेंगे और आपके सतत् प्रयत्न कार्य की सफलता में ही लगे रहेंगे।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

आपका मूलांक 4 है एवं भाग्यांक भी 4 है। मूलांक 4 एवं भाग्यांक 4 का स्वामी हर्षल ग्रह को माना गया है। मूलांक तथा भाग्यांक एक ही होने से आपके अंदर इनके प्रभाव द्विगुणित मात्रा में आएंगे। आपका व्यापार-रोजगार परिवर्तनशील रहेगा एवं अपनी मेहनत तथा संघर्ष के द्वारा आप अपना भाग्य बनाएंगे। जीवन में आपको अचानक सफलताएं प्राप्त होंगी। एकाध बार कटु असफलता का सामना भी करना पड़ेगा। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में परिवर्तन करते रहना आपकी नियति में शामिल रहेगा। आप रूढ़िवादिता से थोड़ा हट कर कार्य



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

करेंगे तथा ऐसे ही कार्यों को आप पसंद करेंगे जिसमें परिवर्तन आम बात हो। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आपकी यात्राएं निरंतर चलती रहेंगी, हालांकि यात्राओं से आपको धन की प्राप्ति होगी। एकाध यात्रा तो आपको अधिक मात्रा में धन-संपत्ति इत्यादि देगी तथा एकाध यात्राओं में दुर्घटना की संभावना भी रहेगी। अतः सोच-समझ कर कार्य करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। आपकी सामाजिक स्थिति मध्यम श्रेणी की रहेगी एवं समाज में आप थोड़ा बहुत लोकप्रिय भी रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में आपकी लोकप्रियता उच्च कोटि की रहेगी।

आपका भाग्योदय 22 वर्ष से प्रारंभ होगा। 31 वें वर्ष पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 40 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 4 की 1 एवं 8 से मित्रता है तथा भाग्यांक 4 की 1 एवं 8 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 4, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक-भाग्यांक एक ही होने से मूलांक-भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, अप्रैल, अगस्त माह विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे। आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 4 एवं भाग्यांक 4 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 4, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 4, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनशील रहेंगे। इन वर्षों में कुछ ऐसी घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदय काल, मकर नवमांश एवं मीन द्रेष्टकाण के उदय काल में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आपकी जो पहुँच है वह आपको जीवन में सफलता प्रदान करेगा। "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है" इस भावनाओं से युक्त होकर, अपने प्रस्तावित कार्य सम्पादन कला के अनुरूप निश्चय ही आप अपने उद्देश्य की सफलता तक पहुँच सकते हैं।

आप अत्यधिक स्वार्थी प्राणी है। आप दूसरों को प्रलोभन देकर, आप अपनी बांछित अभिलाषा एवं महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु अग्रसर होकर सब को पीछे छोड़ सकते हो। यदि आपको लाभ प्राप्त करना है तो मात्र आप अपने व्यवसाय अथवा व्यवसायिक संगठन का ही नहीं अपितु अपने पारिवारिक सदस्यों को भी हस्तान्तरित कर सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप सतर्कतापूर्वक अग्रसर हों तथा अविश्वसनीयता के कारण कलंकित न हो।

कर्क राशीय प्रभाव से आप निःसंदेह प्रतिभावान प्राणी हैं। आप तुच्छ से महानता की ओर अग्रसर होकर उत्तम एवं आरामदायक जीवन बिताएंगे।

आपमें आवश्यक हानि विद्यमान है तथा आपकी ऐसी क्षमता है कि आप अपने विचारों को अन्य व्यक्तियों को सूचित एवं सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। आप एक प्रतिउत्पन्नमति बुद्धि के विनोद प्रिय व्यक्ति हैं तथा अपमें मन भावन विलक्षणता हैं तथा आप संवादपटु अर्थात् सभी समाचारों से अवगत रहने वाले हैं। इस सम्पूर्णता युक्त गुणों के प्रभाव से आप उन्नति प्राप्ति हेतु सकारात्मक गुणों के व्यवहार से अपने जीवन में उच्चस्तरीय उन्नति प्राप्त करेंगे। समग्ररूप से संकल्पित होने की शक्ति आपके सर्वांग में निहित है तथा आप कठिन श्रम कर अपने स्पष्ट मार्ग पर चलते रहेंगे।

यदि आप अपनी कठोरतापूर्ण जिद्दीपन करना छोड़ दे तथा अति नमनशीलतापूर्ण मुद्रा ग्रहण करें तो आपके बहुत मित्र हो जाएंगे तथा आपके कार्यों को धीरे-धीरे प्रस्तावित करेंगे। आपको सर्वथा उत्तेजनात्मक पदार्थ मद्यपान का त्याग करना पड़ेगा। पश्चात् आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप धन सम्पत्ति प्राप्त कर विशेष तथा जीवन के 34 वें वर्ष से सुखद एवं प्रसन्नतम जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपको पारिवारिक एकता एवं प्रसन्नता हेतु आपने को नियंत्रित रखना जीवन का आवश्यक दायित्व है।

आपको श्रेष्ठतम एवं अनुकूल जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छी पत्नी एवं विवेकशील सन्तान ही शेष अपने जीवन को महानतम एवं विश्वसनीय प्रमाणित कर सकेगा। आप अपनी अति हठ धर्मिता जैसी प्रवृत्ति में बदलाव लाकर अपनी कमजोरी को त्याग कर उनके साथ स्वाभाविक संबंध कायम रख सकते हैं। आप निश्चयपूर्वक अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति को नियंत्रित करे तथा अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति का विस्तार करें। जो आपके शेष जीवन व्यतीत करने में सहायक सिद्ध होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परन्तु यह संभव है कि कुछ वर्षों के पश्चात् आप हिस्ट्रीया, पीलिया रोग एवं पेट संबंधी गड़बड़ी जैसे रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में थोड़ी भी उदासीनता नहीं चाहते हैं। इसीलिए भविष्य काल की आरोग्यता हेतु, आपको सतर्कता पूर्वक जीवन पथ पर चलना चाहिए।

आपकी मनोवृत्ति के अनुसार आपके लिए अनुकूल कार्य/व्यवसायों में ट्रेवल्स ऐजेंसी, भ्रमणशील निर्देशक (गाईड) विक्रय प्रतिनिधि तथा इस प्रकार के कार्यों से संबंधित रुचिकर व्यवसाय आदि उत्तम रहेगा।

आप में ऐसी गुणवत्ता विद्यमान है कि आप अपनी तेजस्विता के प्रभाव से जनसम्पर्क एवं बातचीत कर सिद्धहस्त हो सकते होंगे।

आपका भाग्यशाली रंग लाल, पीला, क्रीम रंग एवं सफेद रंग है। आपको नीला एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करनी चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 6 अंक है। अंक 3 एवं 5 अंक ये आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल

सूर्य

लग्न (प्रथम) में सूर्य हो तो जातक स्वाभिमानी, चंचल, कृशदेही, प्रवासी उन्नत नासिका, विशाल ललाटवाला, पित्त-वातरोगी, शूरवीर, अस्थिर सम्पत्तिवाला एवं अल्पकेशी होता है।

कर्कराशि में रवि हो तो जातक कीर्तिमान, लब्धप्रतिष्ठ, कार्यपरायण, चंचल, साम्यवादी, कफरोगी, इतिहासज्ञ एवं परोपकारी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य लग्न में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं किसी भी प्रकार से शारीरिक रुग्णता का अभाव रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ रहेगी। जीवन में वे आपको अपना आर्थिक तथा अन्य रूप से नित्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही पिता के द्वारा आपको ख्याति भी अर्जित होती रहेगी।

आपके मन में भी उनके प्रति हार्दिक श्रद्धा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे लेकिन इसका संबंधों पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण रूप से आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से कोई कष्ट भी नहीं होने देंगे।

चन्द्र

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल-दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

मेष राशि में चन्द्रमा हो तो जातक स्थिर सम्पत्तिवान्, शूर, दृढ़ शरीरवाला, बन्धुहीन, कामी, उतावला, जलभीरु, यात्रा करने का शौकीन, आत्माभिमानी एवं साहसी होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

मंगल

दसवें भाव में मंगल हो तो जातक कुलदीपक, स्वाभिमानी, सन्तति कष्टवाला, धनवान्, सुखी, उत्तम-वाहनों से सुखी एवं यशस्वी होता है।

मेष राशि में मंगल हो तो जातक सत्यवक्ता, तेजस्वी, शूरवीर, नेता, साहसी, धनवान्, लोकमान्य, दानी एवं राजमान्य होता है।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति दशम भाव में है अतः भाई बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता भी महसूस करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह विद्यमान रहेगा। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी उनसे वांछित सहयोग आपको प्राप्त होता रहेगा। तथा नौकरी या यपार संबंध कार्यों में भी वे आपको सहयोग प्रदान करगै।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी परन्तु कई बार मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह अल्प समय तक रहेगा। इसके साथ ही आप आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हें सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं सुख दुःख में भी एक दूसरे का सहायता करते रहेंगे।

बुध

द्वितीयभाव में बुध हो तो जातक सुखी, सुन्दर, वक्ता, साहसी, सत्कार्यकारक, संही, दलाल या वकील का पेशा करने वाला, मिष्टाभभोजी, गुणी एवं मितव्ययी होता है।

सिंह राशि में बुध हो तो जातक मिथ्याभाषी, कुकर्मि, ठग, कामुक, भ्रमणशील, अभिमानी, वक्ता, कम उम्र में विवाह, आवेशपूर्ण स्वभाव एवं सरकारी नौकर होता है।

गुरु

लग्न (प्रथम) में गुरु हो तो जातक विद्वान् दीर्घायु, ज्योतिषी कार्यपरायण, लोकसेवक, तेजस्वी, प्रतिष्ठित, स्पष्टवक्ता, स्वाभिमानी, सुन्दर, सुखी, विनीत, पुत्रवान् धनवान्, राज्यमान, सुन्दर एवं धर्मात्मा होता है।

कर्क राशि में गुरु हो तो जातक सदाचारी, विद्वान्, सत्यवक्ता महायशस्वी, साम्यवादी, सुधारक, योगी, लोकमान्य, सुखी, धनी, नेता, कुशाबुद्धि एवं वफादार होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शुक्र

लग्न (प्रथम) में शुक्र हो तो जातक सुन्दरदेही, दीर्घायु, राजप्रिय, कामी, उच्चसरकारी पद पर आसीन, विलासी, भोगी, विद्वान्, प्रवासी, मधुरभाषी, प्रसिद्ध सुखी एवं ऐश्वर्यवान् होता है।

कर्क राशि में शुक्र हो तो जातक धार्मिक, ज्ञाता, सुन्दर, सुख और धन का इच्छुक, नीतिज्ञ, आवेशपूर्ण, डरपोक, दुःखी एवं प्रचुर सन्तान होता है।

शनि

षष्ठभाव में शनि हो तो जातक बलवान्, आचारहीन, व्रणी, जातिविरोधी, श्वासरोगी, कण्ठरोगी, योगी, शत्रुहन्ता भोगी एवं कवि होता है।

धनु राशि में शनि हो तो जातक व्यवहारज्ञ, पुत्र की कीर्ति से प्रसिद्ध सदाचारी, वृद्धावस्था में सुखी, सक्रिय, चतुर शान्तिप्रिय, दुःखी विवाहित जीवन एवं धनी होता है।

राहु

सप्तम भाव में राहु हो तो चतुर, लोभी, दुराचारी, दुष्कर्मी वातरोगजनक, भ्रमणशील, व्यापार से हानिदायक एवं स्त्रीनाशक होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।

केतु

लग्न (प्रथम) में केतु हो तो जातक चंचल मूर्ख दुराचारी, भीरु तथा वृश्चिक राशि में हो तो सुखकारक, धनी एवं परिश्रमी होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। सामान्यतया कर्क लग्न में उत्पन्न जातक शान्त स्वभाव एवं दृढ़तापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करने वाले होते हैं। इनकी प्रवृत्ति भावुक होती है तथा प्रेम एवं स्नेह का निश्छल भाव विद्यमान रहता है। जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में ये समर्थ रहते हैं तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करते हैं। ये धार्मिक प्रवृत्ति के भी व्यक्ति होते हैं तथा समाज एवं देश सेवा के कार्य में तत्पर रहते हैं। अन्य जनों की मनोइच्छा को जानने में ये दक्ष होते हैं। साथ ही राजनीति या सरकारी क्षेत्रों में उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में इनको सफलता प्राप्त होती है जिससे समाज में ये प्रतिष्ठित तथा यशस्वी होते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वरूप सुदंर, दर्शनीय एवं आकर्षक होगा तथा सभी लोग आपसे प्रभावित तथा आकर्षित रहेंगे। आप एक विद्वान पुरुष होंगे तथा अपने विषय पर आपका आधिपत्य रहेगा। साथ ही बुद्धि भी तीक्ष्ण होगी तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को बुद्धिमतापूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा।

यद्यपि यदा कदा आपको जीवन में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा परन्तु अपने साहस पराक्रम एवं बुद्धि से आप इनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ होंगे। साथ ही स्वपरिश्रम से भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

लग्न में शुक्र की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आपके व्यक्तित्व से सभी लोग प्रभावित होंगे एवं यथोचित मात्रा में आपको मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपके सभी कार्य उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको अवसरानुकूल सफलता भी प्राप्त होगी। आप श्रेष्ठ कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगे तथा इन कार्यों से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

पिता के प्रति आपका आत्मिक लगाव रहेगा तथा उनकी सेवा करने में तत्पर होंगे। पिता के नाम से आपको प्रसिद्धि भी प्राप्त होगी। परिवार में आप श्रेष्ठ रहेंगे तथा परिवार का गौरव बढ़ाने में समर्थ होंगे। कर्तव्यपरायण का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा तथा ईमानदारी से अपने कार्यों को सम्पन्न करके समाज या कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त कृतज्ञता का भाव भी रहेगा एवं अन्य जनों के उपकार के लिए उनका अवश्य आभार प्रकट करेंगे।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल धार्मिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे। संगीत एवं कला के प्रति आपकी रुचि होगी तथा यत्नपूर्वक उनका ज्ञान अर्जित करके इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में सहयोग प्राप्त होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में सिंह राशि उदित हुई है तथा सूर्य इस राशि का स्वामी है। अतः इसके प्रभाव से आप अधिक बोलना पसन्द नहीं करेंगे तथा अधिकांश समय शान्त रहना ही आपको रुचिकर लगेगा तथा अवसरानुकूल ही वार्तालाप करना पसंद करेंगे। वैभवशाली वस्तुओं की प्राप्ति तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप सर्वदा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगे। आप कभी कभी शीघ्र ही क्रोधित भी होंगे लेकिन शीघ्र ही शांत भी हो जाएंगे। पारिवारिक शान्ति तथा खुशहाली के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक पारिवारिक जनों को पूर्ण सुविधाएं प्रदान करेंगे। पैतृक सम्पत्ति की आपको अवश्य प्राप्ति होगी। साथ ही बहुमूल्य वस्तुओं से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे।

जीवन में आपको जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा गृह एवं वाहन आदि के स्वामित्व को भी प्राप्त करेंगे। सामाजिक जनों को आकर्षित तथा प्रभावित करने के लिए आप मधुर वाणी का प्रयोग करेंगे। साथ ही आपके स्पष्ट तर्कों से सभी लोग आपसे सहमत रहेंगे। परिवार की सुख शान्ति पर आप प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा परिवार में धार्मिक कार्यक्रम या उत्सव समय समय पर होते रहेंगे। परिवार के अतिरिक्त अन्य जनों का पालन पोषण करने में भी आप समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप एक जागरूक, धार्मिक तथा परोपकारी प्रवृत्ति से युक्त होकर समाज में मान सम्मान अर्जित करके अपना समय व्यतीत करेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कन्याराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति तीव्र रहेगी। साथ ही आप एक बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा दार्शनिक या बौद्धिक कार्यों को करने में प्रवृत्त रहेंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूल जाने की सीमा तक क्षमा करने में समर्थ रहेंगे परन्तु आयु के साथ-साथ आपसी संबंधों में तनाव भी हो सकता है। आप अपने क्षेत्र में नेतृत्व प्राप्त करेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा यथायोग्य आदर प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आप एक अच्छे वक्ता होंगे तथा भाषा पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा।

संचार की सुख सुविधाओं यथा वाहन, दूरभाष तथा दूरदर्शन आदि उपकरणों से सम्पन्न रहेंगे। आप संगीत के प्रिय होंगे एवं कला के प्रति भी आपकी रुचिशीलता रहेगी। आपका कंठ मधुर रहेगा जिससे अन्य जनों को अपने गायन से आकर्षित कर सकते हैं लेकिन सर्वप्रथम आप अपने सांसारिक कार्यों को पूर्ण करेंगे उसके बाद ही संगीत आदि कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप समय समय पर यात्राएं करेंगे तथा इनसे आपको भविष्य में इच्छित लाभ होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। आपकी पड़ोसी देशों की यात्राएं भी हो सकती हैं। इसके साथ ही पड़ोसियों से भी आप अच्छे संबंध रखना पसन्द करेंगे। नीति के आप ज्ञाता होंगे अतः आम चुनाव लेख लिखने या पुस्तक आदि प्रकाशन से भी आप ख्याति तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप शस्त्र विद्या के ज्ञाता, अच्छे शील स्वभाव तथा मित्रों से युक्त, सामाजिक तथा धार्मिक वृत्ति के पुरुष होंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में तुलाराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में सर्व सुखों से आप युक्त होंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इसका उपभोग करेंगे। भौतिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप एक वैभवशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में अपना अनुकूल स्तर बनाएं रखेंगे।

आप एक सौभाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को प्राप्त करेंगे। आपको माता के द्वारा विशिष्ट सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा इससे आपके वैभव एवं ऐश्वर्य में वृद्धि होगी। विवाह के बाद पत्नी के सहयोग एवं प्रभाव से भी आप वांछित मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे।

आपको जीवन में उत्तम एवं विस्तृत क्षेत्र में स्थित गृह भी प्राप्ति होगी तथा सुख पूर्वक इसमें निवास करेंगे। आपका घर सर्व प्रकारेण आधुनिक एवं भौतिक उपकरणों से सुसज्जित होगा तथा इसकी सुन्दरता एवं आकर्षण बनाए रखने में व्यक्तिगत रूप से तत्पर होंगे तथा अन्य पारिवारिक जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे एवं आपके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त आपको उत्तमवाहन की भी प्राप्ति होगी जिसका आप आनंद पूर्वक उपभोग करने में समर्थ होंगे।

आपकी माता जी शिक्षित बुद्धिमान एवं तेजस्वी महिला होगी तथा पारिवारिक जनों पर उनका पूर्ण नियंत्रण होगा एवं सभी लोग उनके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट स्नेह का भाव रहेगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको वांछित नैतिक एवं आर्थिक सहयोग की प्राप्ति होगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा व सम्मान का भाव रखेंगे तथा उन्हें अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

विद्या अध्ययन के क्षेत्र में आप परिश्रमी होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं बुद्धिमता से अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। प्रारंभिक कक्षाओं से ही आप अच्छे अंक अर्जित करेंगे तथा स्नातक परीक्षा काफी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा भविष्य को उज्ज्वल बनाने में समर्थ होंगे। आप व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा में वांछित सफलता अर्जित करने में समर्थ हो सकते हैं क्योंकि आपमें परिश्रम तथा बुद्धिमता दोनों भाव विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त मित्र संबंधी एवं अन्य लोग भी आपकी सफलता से प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने सांसारिक महत्व के कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे परन्तु बुद्धि में तीक्ष्णता के भाव की न्यूनता होगी जिससे समस्याओं के समाधान में किंचित विलम्ब हो सकता है। अतः आपको सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए तथा शीघ्रता नहीं करनी चाहिए। नीचस्थ चन्द्र के प्रभाव से वैदिक एवं धर्मशास्त्रों में आपकी रुचि अल्प मात्रा में होगी परन्तु आधुनिक विज्ञान एवं भौतिक शास्त्र में आपकी पूर्ण रुचि होगी एवं इस क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम से वांछित ज्ञान अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप कोई शोध कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। इससे आपकी सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग एक विद्वान के रूप में आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे।

पंचमभाव में वृश्चिक राशि के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में आप की काफी रुचि होगी तथा मनोरंजन एवं दिल बहलाने का आप इसे साधन समझेंगे। इसमें मर्यादा एवं आदर्श की भावना भी कम ही होगी जिससे आपको समय समय पर अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उसके अतिरिक्त ही भावात्मक लगाव की अपेक्षा शारीरिक लगाव अधिक होगा। अतः ऐसी स्थितियों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

जीवन में आपको संतति प्राप्ति में आपको विलम्ब होगा तथा कन्या सन्तति अधिक होगी। आपकी सन्तति बुद्धिमान, योग्य एवं तेजस्वी प्रवृत्ति के होंगे तथा अपने इन गुणों से जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे लेकिन माता-पिता की आज्ञा का पालन वे अल्प मात्रा में ही करेंगे तथा अपनी मर्जी के कार्य ही अधिक करेंगे। वे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में माता-पिता की सलाह कम ही लेंगे आपकी सेवा में व्यावहारिक बुद्धि के होंगे अतः आपको उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देने चाहिए तथा उन पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे आपके सम्बन्धों में अनुकूलता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा वृद्धावस्था के लिए अपने लिए यथोचित मात्रा में धन संचित करके रखना चाहिए।

अध्ययन के क्षेत्र में आपकी सन्तति काफी परिश्रम एवं पराक्रम से ही सन्तोषजनक उन्नति करने में समर्थ होगी। यद्यपि आप उनकी शिक्षा का समुचित प्रबन्ध करेंगे लेकिन वे इसका पूर्ण लाभ उठाने में समर्थ होंगे परन्तु वे व्यावहारिक प्रवृत्ति के होंगे तथा अपनी चतुराई से आजीविका अर्जन में समर्थ रहेंगे तथा आनन्द पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त तेजस्वी प्रवृत्ति होने के कारण यदा-कदा अन्य सामाजिक जनों से उनका विवाद भी हो सकता है लेकिन सामान्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक विद्वान तथा बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा शत्रुता के भाव की हमेशा उपेक्षा करेंगे। यद्यपि आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं परन्तु आपके शत्रु इसमें बाधाएं उत्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वे आपके सम्मान को हानि तथा सामाजिक स्तर पर उपेक्षा करेंगे। इसे रोकने के लिए आप समयानुसार कोर्ट या मुकद्दमे आदि का सहारा ले सकते हैं। इस प्रकार आप दृढ़ता तथा बहादुरी से शत्रुपक्ष का सामना करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस कार्य में आपकी बुद्धिमता तथा आपके सद्मित्रों का मंडल भी आपको सहयोग प्रदान करेगा। यदा कदा पारिवारिक या बन्धुवर्ग से भी आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा परन्तु अन्ततोगत्वा इसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। आप उच्च नैतिकता का अनुपालन करेंगे अतः शत्रुपक्ष को पराजित करने के लिए नकारात्मक साधनों का कभी भी प्रयोग नहीं करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति बनाने के लिए आप हमेशा तत्पर रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में सक्रियता से कार्यरत होकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे।

आपका सेवक वर्ग भी आज्ञाकारी होगा तथा आपको पूर्ण सम्मान प्रदान करेगा। अपने सेवकों तथा सहायकों के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक तथा अपनत्व का रहेगा इससे आपकी महानता में वृद्धि होगी। जीवन में ऐसे अवसर बहुत कम आएंगे जब आपको ऋण की आवश्यकता पड़ेगी यदि आ भी गई तो आप ऋण से शीघ्र ही मुक्त हो जाएंगे। आपको अपने मामा मामियों से अच्छे संबंध रखने चाहिए क्योंकि इनसे जीवन में आपको पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा लेकिन मामियों के स्वभाव में भिन्नता के कारण यदा कदा इसमें न्यूनता रहेगी तथा वे आपको कम ही सहयोग प्रदान करेंगी।

यदा कदा आपको मुकद्दमे आदि का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु अन्त में इसमें विजय प्राप्त करेंगे। इस प्रकार आप समाज में एक माननीय पुरुष होंगे तथा अपने अच्छे संबंधों से आपको सभी लोगों से यथोचित सहयोग एवं सम्मान मिलता रहेगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा राहु भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है सामान्यतया सप्तम भाव में मकर राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी चंचल वात प्रकृति तथा धनवान होता है। राहु के प्रभाव से वह तेजस्वी पराक्रमी एवं साहसी भी होता है एवं आधुनिकता के प्रति भी उसके मन में आकर्षण रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी तेजस्वी स्वभाव की महिला होंगी तथा चंचलता के भाव का भी प्रदर्शन करेगी। सांसारिक कार्य कलापों को करने में वह चतुर होंगी तथा उनसे सभी लोग प्रभावित होंगे। आधुनिकता के प्रति भी उनका आकर्षण रहेगा एवं पाश्चत्य साहित्य एवं सस्कृति का अनुपालन करने के लिए प्रवृत्त होंगी। राहु के प्रभाव से कर्तव्य परायणता के भाव की उनमें न्यूनता रहेगी।

आपकी पत्नी किंचित श्याम वर्ण की आकर्षक महिला होंगी तथा उनका कद भी ऊंचा होगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर के अंग प्रत्यंग पुष्ट एवं सुडौल रहेंगे। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक रहेगा। सौन्दर्य की अभिवृद्धि के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का उपयोग करेंगी लेकिन शरीर में स्थूलता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त आधुनिक भौतिक उपकरणों के प्रति भी आकर्षण बना रहेगा।

सप्तम भाव में राहु के प्रभाव से आपका विवाह विलम्ब से होगा तथा विवाह पूर्व भी आपको किंचित परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आपका विवाह किसी वयोवृद्ध संबंधी के द्वारा सम्पन्न होगा या राहु के प्रभाव से आप प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह भी स्वेच्छा से कर सकते हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा एवं आपस में एक दूसरे प्रति प्रेम तथा आकर्षण होगा परन्तु यदा कदा उनकी तेजस्वी वृत्ति से आपकी परेशानी हो सकती है लेकिन बुद्धिमता से सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे।

आपका विवाह सामान्य परिवार में सम्पन्न होगा तथा आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति भी साधारण रहेगी। विवाह में ससुराल से आप को दहेज या वांछित धन सम्पत्ति की प्राप्ति नहीं होगी तथा बहुमूल्य उपहारों में भी न्यूनता रहेगी। सास ससुर से आपके संबंधों में विशेष अपनत्व नहीं रहेगा तथा यथोचित सम्मान की भी न्यूनता होगी। साथ ही वे भी आपको विशेष महत्व प्रदान नहीं करेंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा भाव नहीं होगा तथा सुख दुख में उनका कोई ध्यान नहीं रखेंगी जिससे सास ससुर उनसे अप्रसन्न रहेंगे। देवर एवं ननदों को भी वह अपने उग्रव्यवहार से असन्तुष्ट रखेंगी जिससे वे भी उनको यथोचित सम्मान एवं स्नेह प्रदान नहीं करेंगे इससे परिवार की शांति प्रभावित होगी।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा इससे लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी अतः साझेदारी के कार्यों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

चाहिए।

RATNA JYOTI



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। इसके प्रभाव से आप ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि पर विश्वास कम ही करेंगे क्योंकि आप एक व्यावहारिक पुरुष होंगे तथा अनावश्यक समय बर्बाद करना या स्वप्न देखना आपको अच्छा नहीं लगता। पैतृक सम्पत्ति आपको प्राप्त होगी लेकिन प्रचुर मात्रा में नहीं परन्तु इसका आप पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा क्योंकि स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आपके पास प्रचुर मात्रा में धन ऐश्वर्य होगा। साथ ही आवश्यक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे। आप का दहेज के लेन देन में कोई विश्वास नहीं रहेगा तथा न ही आप उसे स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आप इस सामाजिक बुराई के प्रति अन्य जनों को भी जागरूक करने के लिए तत्पर रहेंगे।

जीवन में यदा कदा आपके घर में कोई चोरी आदि की भी संभावना है लेकिन यह सामान्य होगी तथा कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा पुलिस या अन्य जनों की सहायता से आपका चोरी का समान वापस मिल जाएगा जिससे हानि नहीं होगी। बीमा आदि करने से आपको कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः आप इस पर अनावश्यक रकम या पूंजीनिवेश न करें। केवल चोरी के मामलों में प्रौढ़ावस्था में आपको बीमे का लाभ मिल सकता है।

शारीरिक सुरक्षा के प्रति आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए तथा अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहिए क्योंकि न्यूनाधिक रूप से आप दुर्घटना से कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सामान्यतया सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से धर्म के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित दौरान आपकी- मन में इसके लिए पूर्ण श्रद्धा तथा निष्ठा रहेगी। ध्यान या समाधि के प्रति भी आप रुचिशील रहेंगे। आपकी अर्न्तदृष्टि प्रबल रहेगी अतः ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही धर्माचार्य या कोई उपदेशक भी हो सकते हैं। आप नियमित रूप से भगवत पूजा करेंगे तथा वेद एवं आध्यात्मिक विषयों पर आपकी विद्वता रहेगी तथा इन विषयों पर आप धाराप्रवाह, लम्बे समय तक भाषण या उपदेश देने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आप किसी धार्मिक संस्था के संस्थापक संचालक या अध्यक्ष अथवा सक्रिय सदस्य भी हो सकते हैं।

अपने व्यवसाय में आप कुशल रहेंगे इससे समाज से ख्याति तथा मान सम्मान अर्जित करेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आप रुचिशील तथा प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही आध्यात्मिक तथा धार्मिक ग्रंथों का भी व्यक्तिगत रूप से अध्ययन करेंगे। दैनिक पूजन आदि करने से आपकी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति विकसित होगी फलतः आपके पूर्वाभास सत्य होंगे तथा अन्य जनों के प्रति सही भविष्यवाणियां भी करने में समर्थ रहेंगे।

लम्बी दूरी की यात्राओं से आपको प्रसिद्धि तथा धनऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। आप दूसरे शहर या देश में किसी धार्मिक संस्था की स्थापना भी कर सकते हैं। साथ ही परोपकार तथा सामाजिक जनों की भलाई के लिए कार्य करने में तत्पर रहेंगे अपने पौत्रों से आपको इच्छित सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी तथा पूर्वजन्म के पुण्यों से इस जीवन में आनन्द एवं ऐश्वर्य पूर्ण जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप धार्मिक साधुजनों के सेवक मंदिर तालाब आदि परोपकार के लिए बनाने वाले एवं आर्थिक रूप से सुसम्पन्न रहेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। साथ ही चन्द्रमा भी दशमभाव में ही स्थित है। मेष राशि अग्नितत्व एवं चन्द्रमा जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा श्रम की इसमें अल्पता होगी। साथ ही समयानुसार आप इसमें परिवर्तन भी करते रहेंगे जिससे आपको वांछित लाभ एवं उन्नति प्राप्त होगी।

व्यापारिक दृष्टि से आप जलोत्पन्न पदार्थों यदा मोती, शंख, प्रबल मछली आदि का व्यापार, मिट्टी के खिलौने, बालू, ईट आदि का कार्य, द्रव पदार्थ यथा दूध, दही, घी, सफेद एवं मूल्यवान वस्त्र तथा समुद्री आयात निर्यात से भी आप व्यापार द्वारा वांछित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। यदि आप व्यापार के इच्छुक हैं तो आपको उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार प्रारंभ करना चाहिए जिससे आपको अधिक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। साथ ही इस क्षेत्र में विशिष्ट उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे।

दशमभाव में मेषराशिस्थ चन्द्रमा के प्रभाव से जीवन में आपको वांछित मान सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्च पद एवं अधिकार को अर्जित करने में सफलता मिलेगी। साथ ही आप किसी सामाजिक धार्मिक या शैक्षणिक संस्था में कोई पदाधिकारी भी हो सकते हैं इस सबसे आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। फलतः लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त सौभाग्य से भी आप जीवन में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने में समर्थ होंगे।

आपके पिता विद्वान बुद्धिमान, एवं विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा उनके आकर्षक व्यक्तित्व से सभी लोग प्रभावित रहेंगे। साथ ही वे भी समाज के हित के कार्य कलापों में तत्पर होंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं अपनत्व का भाव होगा। एवं आपकी शिक्षा के प्रति वे पूर्ण सतर्क रहेंगे तथा उच्चस्तर पर इसका समुचित प्रबंध करेंगे। आपके कार्य क्षेत्र में पिता का सहयोग मुख्य होगा तथा उन्हीं के प्रभाव से आपको प्रसिद्धि तथा सफलता मिलेगी। आपका भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगे। साथ ही कोई भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उन्हीं की सलाह से सम्पन्न करेंगे इससे आपके परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक है। अतः इसके प्रभाव से आपके मन में विभिन्न सांसारिक इच्छाएं विद्यमान रहेंगी साथ ही महत्वाकांक्षा के भाव से भी युक्त रहेंगे तथा इन सबकी प्राप्ति जीवन में दृढ़ता एवं परिश्रम से करने में समर्थ रहेंगे। प्रचुर मात्रा में आय के साथ साथ आपकी बचत करने की प्रवृत्ति भी रहेगी अतः आर्थिक रूप से आपको कभी परेशानी नहीं होगी। बड़े भाई बहिनों से आपको विशिष्ट सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा साथ ही आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता विद्यमान रहेगी।

आप सक्रिय प्रवृत्ति के लोगों को मित्र बनाना पसन्द करेंगे तथा वे आपके लिए विश्वसनीय भी रहेंगे। मित्र मंडल में आपकी लोकप्रियता रहेगी तथा अपने कलात्मक तरीकों से आप मित्रों तथा अन्य जनों का मनोरंजन करने में तत्पर रहेंगे। आपका मित्रता का क्षेत्र कला संगीत या नाटक आदि के ज्ञान को रखने वाले व्यक्तियों से अधिक रहेगा। इस प्रकार सम्पूर्ण जीवन मित्रों के सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा समाज में एक आदरणीय तथा प्रतिष्ठित पुरुष समझे जाएंगे। साथ ही सामाजिक जनों की सेवा तथा सहयोग प्रदान करना अपना कर्तव्य समझेंगे। यदा कदा आप स्वयं अत्यंत ही एकाकीपन की अनुभूति भी करेंगे। जीवन में आपको सामाजिक सम्मान की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। साथ ही खेल आदि के क्षेत्र में भी आप दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन भौतिक सुख सुविधाओं से युक्त होकर व्यतीत होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है अतः इसके प्रभाव से आप सादा जीवन उच्च विचार के सिद्धांत को मानने वाले व्यक्ति होंगे तथा आजीवन इसका अनुपालन करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यंत ही सतर्कता का परिचय देंगे। आप एक ईमानदार व्यक्ति होंगे अतः बेईमानी को सहन करने में असमर्थ रहेंगे साथ ही धन को आप अपने परिश्रम एवं योग्यता से अर्जित करेंगे। इस प्रकार सामान्य रूप से आर्थिक क्षेत्र में आप भाग्यशाली रहेंगे।

जीवन में आपको आर्थिक समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। आपकी आवश्यकताएं अत्यंत ही सीधी सादी होंगी क्योंकि आप भौतिकता की ओर नहीं भागते तथा सामान्य रूप से ही आवश्यक वस्तुओं को घर में रखेंगे। आप शीघ्र लाभ की अपेक्षा दीर्घावधि लाभ के प्रति अधिक इच्छुक रहेंगे। प्रारंभ से ही धन संग्रह के प्रति आपकी रुचि रहेगी तथा धनार्जन के साथ साथ बचत भी करेंगे। अतः आपके समस्त पारिवारिक एवं सांसारिक व्यय आवश्यक रहेंगे जिससे आर्थिक स्थिति विशेष प्रभावित नहीं होगी। अपनी समृद्धि के द्वारा भविष्य में कल्याण संबंधी योजनाओं पर भी आपका व्यय होगा तथा अपने धन को बड़ी बड़ी योजनाओं या निवेशों में लगाएंगे जहां से आपको अधिक लाभ की प्राप्ति होगी।

परिवार की आप पूर्ण चिन्ता करेंगे तथा उनकी समृद्धि एवं खुशहाली के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही एक मित्र की तरह उनका पालन करेंगे। आपकी समय समय पर लम्बी दूरी की यात्राएं भी होंगी जिससे लाभ होगा। आपकी यात्राएं विभागीय या व्यापार संबंधी होंगी। साथ ही जीवन में आप विदेश यात्रा भी करेंगे। इस प्रकार सामान्य रूप से प्रसन्न रहेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

नक्षत्रफल

भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जन्म होने के कारण आपकी जन्म राशि मेष तथा राशि स्वामी मंगल होगा। नक्षत्रानुसार आपका मनुष्य गण, गज योनि, मध्य नाडी, क्षत्रिय वर्ण तथा मृग वर्ग होगा। भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न होने के कारण आपका जन्म नाम का प्रथम अक्षर "लू" से प्रारम्भ होगा।

भरणी नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप मनोरंजन के साधनों में गीत, संगीत, नृत्य या अन्य कलाएं तथा खेलकूद के प्रति विशेष आकर्षित रहेंगे तथा अपने समय का अधिकांश भाग इसी पर व्यतीत करेंगे। स्वभाव से ही पानी से आपको भय महसूस होगा। कभी कभी स्नानादि कर्म की भी आप इसी सन्दर्भ में उपेक्षा करेंगे। चंचलता का समावेश आपकी प्रवृत्ति में रहेगा। तथा अन्य लोगों से आपका अच्छा व्यवहार नहीं रहेगा।

सदापकीर्ति हिं महापवादैनाना विनोदैश्च विनीतकालः ।

जलातिभीरुश्चपलः खलश्च प्राणी प्रणीतोभरणीजातः ।।

जातकाभरणम्

अर्थात् भरणी में उत्पन्न जातक लोकोपवाद से अपयश पाने वाला, अपने समय को नाना प्रकार के खेल या विनोद द्वारा व्यतीत करता है। यह जल से भीरु, चंचल प्रवृत्ति तथा दुष्ट स्वभाव वाला होता है।

आप अपने संकल्प के पक्के होंगे। एक बार जिस संकल्प को ले लेंगे उसे जी जान से पूर्ण करेंगे। सत्य बोलना तथा सत्य का पालन करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे। आपके शरीर में स्वस्थता बनी रहेगी तथा रोग ग्रस्त कम ही रहेंगे। चतुराई का गुण आप में स्वाभाविक होगा जो भी कार्य करेंगे आपकी दक्षता की झलक उसमें स्पष्ट दिखाई देगी। अतः आपका जीवन सुखी रहेगा।

कृत निश्चयः सत्यारूढक्षः सुखितश्च भरणीषु ।

बृहज्जातकम्

अर्थात् भरणी नक्षत्र में जन्मा जातक सत्यवक्ता, बात का पक्का, रोगरहित और कार्यकलाप में चतुर होता है।

कभी कभी आप किसी विशेष बात की हठ करेंगे और उसे पूरा ही करके छोड़ेंगे चाहे अन्य लोगों को उस से कोई परेशानी ही क्यों न हो इससे अन्य लोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे। आपके पास सम्पत्ति पूर्ण रूप से रहेगी एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा, शरीर से भी आप स्वस्थ रहेंगे तथा मुखाकृति दर्शनीय रहेगी।

अरोगी सत्यवादी च सम्पद्युक्तो दृढव्रतः ।

भरण्यां जायते लोकः सुमुखश्च सुनिश्चितम् ।।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

जातक दीपिका

अर्थात् भरणी नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य रोग रहित, सत्यवादी, सम्पत्तिशाली और हठव्रती होता है। उसका मुख सुन्दर होता है। यह सुनिश्चयी होते हैं।

यदा कदा शारीरिक और मानसिक व्याकुलता से आप कष्ट का अनुभव करेंगे। जन सामान्य पर प्रभाव स्थापित करने के लिए कभी कभी आप कठोरता का भी प्रदर्शन करेंगे परन्तु धन से आप युक्त रहेंगे। तथा धनाभाव आजीवन नहीं रहेगा।

याम्यर्क्षे विकलोळन्यदारनिरतः कूरः कृतध्नो धनी।

जातकपरिजातः

अर्थात् भरणी नक्षत्र में उत्पन्न बालक शारीरिक तथा मानसिक रूप से व्याकुल, दूसरे की स्त्री में अनुरक्त, कूर तथा कृतधन एवं धनी होता है।

ताम्र पाद में उत्पन्न होने के कारण आप राज्य या सरकार से धन लाभ अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे तथा समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। आप सन्तोषी प्रवृत्ति के होंगे तथा अनावश्यक इच्छाओं को मन में उत्पन्न नहीं करेंगे। आप श्रेष्ठ आचरण से युक्त रहेंगे तथा सभी लोग आपका आदर सत्कार करेंगे। विविध प्रकार की धन सम्पतियों तथा सुखसंसाधनों से आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। माता पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनसे भी आप पूर्ण धन सम्पति को प्राप्त करेंगे। आप एक विद्वान पुरुष होंगे तथा ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रुचि रहेगी। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगे तथा नाना प्रकार के वाहन एवं भूमि से भी युक्त रहकर प्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव रहेगा। आप एक पराकामी पुरुष भी होंगे। आप में परोपकार की भावना भी रहेगी तथा सज्जन पुरुषों का आप नित्य आदर करेंगे। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

आपका जन्म मेष राशि में हुआ है। अतः आप अल्प भोजन करने वाले होंगे। साथ ही अन्य भाईयों में श्रेष्ठ होंगे। आप माता पिता के इकलौते पुत्र भी हो सकते हैं।

मेषस्थे यदि शीतगौ च लघुभुक् कामी महोत्थाग्रजो।।

जातकपरिजातः

आपके शरीर का वर्ण ताम्रवर्ण के समान गौरवर्ण का होगा तथा आर्खें लालीयुक्त गोल होंगी। आपके सिर पर ब्रण का निशान भी हो सकता है।

अल्प केशों से सिर सुशोभित होगा तथा कमल की कान्ति के समान आपके हाथ पैर होंगे। जल से भयभीत रहना आपकी स्वाभाविक प्रवृत्ति होगी। साहस तथा संघर्ष की शक्ति का आप में अभाव नहीं रहेगा तथा अपने साहस से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आपकी प्रकृति चंचल होगी तथा धन को मान सम्मान से भी अधिक महत्व प्रदान करेंगे जिससे कभी



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

कभी परेशानियां उत्पन्न होंगी। सहयोगी तथा मित्र बड़ी संख्या में आपके पास होंगे। पुत्र भी पुत्रियों की अपेक्षा अधिक होंगे। स्त्री जाति आपकी कमजोरी होगी तथा उनके आगे आप पराजित सा महसूस करेंगे। लेकिन जनसामान्य से आपका स्नेहयुक्त व्यवहार रहेगा। अपने सद्व्यवहार तथा विनयशीलता के कारण आप पूर्ण सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

**सौववर्णाङ्गः स्थिरस्वः सहजविरहितः साहसी मानभद्रः ।
कामार्तः क्षामजानुः कुनखतनुकचश्चत्रचलो मानवित्तः ॥
पद्माभैः पाणिपादैर्वितत सुतजनो वर्तुलाकारनेत्रः ।
सस्नेहतोयभीरु व्रणविकृतशिराः स्त्रीजितो मेष इन्दौ ॥
सारावली**

आप स्वभाव से ही शीघ्र क्रोध करने वाले तथा शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले होंगे। आपकी प्रवृत्ति सुदूर क्षेत्रों में भ्रमण करने की होगी। आपके हाथ की हथेली में शौर्य सूचक चिन्ह यथा पताका चक्र आदि हो सकते हैं। स्त्री वर्ग में आप काफी लोकप्रिय रहेंगे। लेकिन सबके साथ सहयोग करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा लोगों को अपनी परेशानी के समय भी सहायता प्रदान करेंगे।

**वृताताम्रदृग्गुष्णशाकलघुभुक् क्षिप्रप्रसादोदनः ।
कामी दुर्बलजानुरास्थिरधनः शूरोङ्गना बल्लभः ॥
कुनखी व्रणाङ्कितशिरा मानी सहोत्थाग्रजः ।
शक्त्यापणितलेडतोळति चपलस्तोये च भीरुः किये ॥
बृहज्जातकम्**

धन को आवश्यकता से अधिक महत्व प्रदान करने की प्रवृत्ति आपके बुजुर्गों तथा श्रेष्ठ संबंधियों की असन्तुष्टि का कारण बनेगा। जिससे वे आपसे अलग हो सकते हैं या आप भी उनसे अलग हो सकते हैं। साथ ही आपके अधिकांश घरेलू कार्य स्त्री की सलाह से ही सम्पन्न होंगे अतः तनाव तथा अलगाव का यह भी मुख्य कारण रहेगा। धन तथा पुत्र से आप आजीवन युक्त रहेंगे तथा सामाजिक कीर्ति भी प्राप्त करेंगे।

**स्थिरधनोः रहितः सुजनैर्नरः सुतयुतः प्रमदा विजितो भवेत् ।
अजगतो द्विजराज इतीरितं विभुतयाद्भुतया स्वसुकीर्तिभाक् ॥
जातकाभरणम्**

भ्रमण के लिए आप ऐसे स्थानों पर जाना पसन्द करेंगे जो अगम्य हो अर्थात् जहां का भ्रमण आसानी से न किया जा सके। आपके सामाजिक संबंध विस्तृत होंगे अतः अवसरानुकूल आप अभक्ष्य पदार्थों अर्थात् मांस, मदिरा इत्यादि का भी भक्षण या सेवन कर सकते हैं।

**मेषे त्वगम्यागमनप्रियश्च त्वभक्ष्यभक्षयोः ।
वृहत्पाराशर होराशास्त्र**



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपकी प्रकृति में कभी कभी उग्रता का प्रभाव भी परिलक्षित होगा। जब कभी आप अनावश्यक उग्रता दिखाएंगे समस्याएं उत्पन्न होगी। प्रवृत्ति भी आपकी प्रारम्भ से चंचल रहेगी तथा अवसर पड़ने पर आप मिथ्याभाषण भी करेंगे।

**वृतेक्षणो दुर्बलजानुरुग्रो भीरुर्जले स्याल्लघुभुक् सुकामी ।
संचारशीलश्चपलोडनृतोक्ति व्रणाङ्किताङ्गः कियभे प्रजातः ।।
फलदीपिका**

यौगिक क्रिया आपको रुचिकर लगेगी तथा सिर अल्प केशों से युक्त रहेगा। पित्त या गरमी प्रदान करने वाले पदार्थों का आप यथाशक्ति परहेज करें अन्यथा मस्तिष्क में विकार का योग बनता है। दुर्घटनाओं से बचें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी पूर्ण ध्यान रखें।

**भवति विकलकेशो योगकर्मानुशीलो ।
न भवति सुसमृद्धो नैव दारिद्र्य युक्तः ।।
व्रजति च सविकारं भूतियुक्तः प्रलापी ।
संभवति पुरुषोळ्यं मेष राशौ ।।**

जातक दीपिका

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं। अतः जन्म से ही आप धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे। देवताओं तथा ब्राह्मणों में आपकी असीम श्रद्धा होगी। आप धनवान होंगे परन्तु साथ ही अभिमान भी आपके अन्दर होगा। आप दयावान तथा बलवान होंगे तथा दीन दुःखियों की आप सच्चे मन से सेवा करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के कार्य तथा कलाओं के ज्ञाता होंगे। ज्ञान प्राप्त करने में आप की अभिरुचि रहेगी। आपका शरीर सुन्दर तथा कान्ति युक्त होगा। आप बहुत से लोगों को सुख प्रदान करेंगे तथा कई लोग आप पर आश्रित होंगे।

**लोलनेत्रः सदा रोगी, धर्मार्थकृत निश्चयः ।
पृथुजङ्घः कृतघ्नश्च निष्पापो राजपूजितः ।।
कामिनीहृदयानन्दो दाता भीतो जलादपि ।
चण्डकर्मा मृदुश्चान्ते मेषराशौ भवेन्नरः ।।
मानसागरी**

मान सम्मान से आप हमेशा परिपूर्ण रहेंगे तथा आजीवन विपुल धन के स्वामी रहेंगे। आपकी आखें बड़ी बड़ी होंगी तथा निशाने बाजी में आप अत्यन्त ही चतुर होंगे। आपके शरीर का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा नगरवासियों को आप वश में करने में सफल रहेंगे। आप किसी नगर के सम्मानित तथा आदरणीय व्यक्ति भी हो सकते हैं।

**देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः ।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः ।।
जातकाभरणम्**

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी,



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

आप गज योनि में पैदा हुए हैं। अतः आप राजा के द्वारा पूर्ण सम्मानीय होंगे तथा बड़े बड़े अधिकारियों तथा मंत्रियों से आपके घनिष्ठ संबंध होंगे। आप आत्मबल बुद्धिबल तथा बाहुबल से युक्त रहेंगे। समस्त सांसारिक तथा भौतिक सुखों का आप उपभोग करेंगे। आप किसी मंत्री या उच्चाधिकारी के सहयोगी या स्वयं भी उच्चाधिकारी हो सकते हैं। आप बाल्य काल से ही उत्साही रहेंगे तथा इसी उत्साही प्रवृत्ति से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।

**राजमान्यो बली भोगी भूपस्थान विभूषणः ।
आत्मोत्साही नरो जातः गजयोनौ न संशयः ।।
मानसागरी**

अर्थात् गजयोनि में उत्पन्न जातक राजमान्य, बली, भोगी, राज्यस्थान को सुशोभित करने वाला तथा उत्साही होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य लग्न में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं किसी भी प्रकार से शारीरिक रुग्णता का अभाव रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ रहेगी। जीवन में वे आपको अपना आर्थिक तथा अन्य रूप से नित्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही पिता के द्वारा आपको ख्याति भी अर्जित होती रहेगी।

आपके मन में भी उनके प्रति हार्दिक श्रद्धा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे लेकिन इसका संबंधों पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण रूप से आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से कोई कष्ट भी नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति दशम भाव में है अतः भाई बहिनों का



स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता भी महसूस करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह विद्यमान रहेगा। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी उनसे वांछित सहयोग आपको प्राप्त होता रहेगा। तथा नौकरी या यपार संबंध कार्यों में भी वे आपको सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी परन्तु कई बार मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह अल्प समय तक रहेगा। इसके साथ ही आप आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हें सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं सुख दुःख में भी एक दूसरे का सहायता करते रहेंगे।

आपके लिए कार्तिक मास, प्रतिपदा, षष्ठी, एकादशी शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष दोनों की तिथियां, मघा नक्षत्र, विष्कुम्भ योग, बवकरण, रविवार तथा प्रथम प्रहर एवं मेष राशि में स्थित चन्द्रमा आपके लिए हानिकारक है। अतः आप 15 अक्टूबर से 14 नवम्बर के मध्य 1,6,11 शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष की तिथियों में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, साझेदारी लेन देन आदि न करे। इससे आपको लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही मघा नक्षत्र, प्रथम प्रहर तथा मेष राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। उपरोक्त अशुभ समय में शरीर की भी पूर्ण सुरक्षा रखें।

यदि आपके लिए समय प्रतिकूल चल रहा हो मानसिक अशान्ति, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी, पदोन्नति प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट श्री हनुमान जी की उपासना करनी चाहिए। इसके साथ ही सोना, तांबा, गेहूं, घी, रक्त वस्त्र आदि पदार्थों का दान करना चाहिए इससे अशुभ फलों में कमी होगी तथा मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। साथ ही मंगल के कम से कम 7000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। मंगलवार के उपवास भी शुभकार्यों की वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होंगे।

ॐ क्रां क्रीं क्रो सः भौमाय नमः।

मंत्र- ॐ हूं शीं भौमाय नमः।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुंडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुंडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2019

इस वर्ष शनि धनु राशि में षष्ठम भाव में रहेंगे। 23 मार्च को राहु मिथुन राशि में द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। 29 मार्च को गुरु धनु राशि में षष्ठ भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 23 अप्रैल को वृश्चिक राशि में पंचम भाव में गोचर करेंगे और फिर मार्गशी होकर 05 नवम्बर को धनु राशि में षष्ठ भाव में आजाएंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः शुभ फलदायक रहेगा। यह वर्ष आपके व्यवसाय व नौकरी में परिवर्तन तथा उन्नति के योग लेकर आ रहा है। आप नये प्रयोग करने में अवश्य ही सफल होंगे। अपने कार्य व्यवसाय में उन्नति हेतु आप यात्राएं भी करेंगे।

व्यवसाय में विदेश से संबंधित कार्य योजनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। यदि आप किसी नये कार्य में निवेश करना चाहते हैं तो समय उपयुक्त है। छटे स्थान का शनि नौकरी करने वालों का अनुकूल स्थान पर स्थानांतरण करा सकते हैं।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य फलदायक रहेगा। धनागम में निरंतरता बनी रहेगी लेकिन परिवार में अधिक खर्च होने के कारण बचन नहीं कर पायेंगे। लग्न स्थान का राहु आपके स्वास्थ्य पर भी धन खर्च करा सकता है।

निवेश के मामलों में सफलता प्राप्ति होगी। आप यात्रा, संतान की उन्नति तथा घर में मांगलिक कार्यों पर धन का व्यय करेंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। संतान के साथ संबंधों में सुधार होगा तथा उनकी विशेष उन्नति भी होगी।

पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान सुख की प्राप्ति होगी। भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। छटे स्थान के शनि के प्रभाव से आपको मामा का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके शत्रु परास्त होंगे।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। यह समय गर्भाधान के लिए उपयुक्त है। आपके बच्चों का उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बने हैं। यदि आप का बच्चा



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विवाह के योग्य है तो उसका विवाह संस्कार हो सकता है। बच्चे का पूर्ण सहयोग आपको प्राप्त होगा। आपके बच्चे के प्रभाव से आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिहाज से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। 23 मार्च के बाद स्वास्थ्य और अधिक अनुकूल हो जाएगा। लग्न पर गुरु की दृष्टि होने से मन में अच्छे विचार आएंगे। प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपका खान-पान एवं दिनचर्या को सुनियोजित करें। वर्ष भर आपकी कार्य क्षमताएं विकसित होती रहेंगी। अप्रैल माह में स्वास्थ्य के मामले में हल्का फुल्का उतार चढ़ाव संभव है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष काफी अच्छा रहेगा। छठे स्थान में शनि के प्रभाव से आप प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। यदि आप विदेश जा कर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो उसके लिए समय बहुत अनुकूल है।

जो व्यक्ति परामर्श दाता या तकनीकी कार्य कर रहे हैं उनको अपने करियर में अच्छी सफलता मिलेगी। इस वर्ष आप अपने सभी शत्रुओं को परास्त करके सबसे आगे रहेंगे।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष श्रेष्ठतम रहेगा। इस वर्ष आपकी बहुत सी व निरंतर तथा हर प्रकार की यात्राएं होंगी। कुल मिलाकर यह वर्ष यात्राओं वाला व निवेश वाला वर्ष रहेगा तथा आप इन यात्राओं पर विशेष व्यय भी करेंगे।

नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से धार्मिक यात्रा के प्रबल योग बने हुए हैं विदेश जाकर उच्चशिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत समय उपयुक्त है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष बहुत अनुकूल रहेगा। धर्म स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपका मन धार्मिक कार्यों की ओर आकृष्ट होगा। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे। समय समय पर आप गरीबों की सहायता करेंगे तथा धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ आदि करेंगे।

- दुर्गा बीसा कवच अपने गले में धारण करें।
- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और उसके सामने प्रतिदिन घी का दीपक जलाएं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मासिक फलादेश

जनवरी 2019 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। संबंधियों एवं मित्रों से आपके संबंधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

फरवरी 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबन्ध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

मार्च 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। आपके सांसारिक कार्यों में कई प्रकार से विघ्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

अप्रैल 2019 के लिए फलादेश

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते हैं। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राह्मणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबन्धी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

मई 2019 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यों को करने में भी तत्पर रहेंगे। आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

जून 2019 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रुचि रहेगी। मित्रों तथा संबंधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

जुलाई 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राह्मणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबंधियों से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

अगस्त 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रुके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबंध रहेंगे एवं समस्त सांसारिक कार्यों को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबंधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

सितम्बर 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबंध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्टान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अक्टूबर 2019 के लिए फलादेश

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

नवम्बर 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबन्ध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबंधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिवर्तन भी कर सकते हैं। समाज में भी अधिकांश लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

दिसम्बर 2019 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2020

इस वर्ष शनि 24 जनवरी को मकर राशि में सप्तम भाव में प्रवेश रहेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में राहु मिथुन में द्वादश भाव में होंगे और 19 सितम्बर के बाद वृष राशि में एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। 30 मार्च को गुरु मकर राशि में सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे एवं वक्री होकर 30 जून को धनु राशि में षष्ठ भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 20 नवम्बर को मकर राशि में सप्तम भाव में आजाएंगे। 31 मई से 8 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। आप किसी नयी योजना की तलाश में होंगे और बहुत जल्दी ही अपनी गुप्त योग्यताओं के चलते किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलकर कार्य प्रारंभ करने में सफल हो सकेंगे।

30 मार्च से जून प्रयन्त सप्तम भाव पर गुरु एवं शनि की युति प्रभाव से व्यापार में उन्नति का प्रबल योग बन रहा है। इस समय कार्य व्यवसाय में आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा। यदि आप किसी के साथ मित्रता में व्यवसाय कर रहे हैं तो ईच्छित लाभ की प्राप्ति होगी और अपने साझेदार से आप संतुष्ट रहेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला जुला रहेगा। वर्षारम्भ में छठे स्थान का गुरु आर्थिक स्थिति में उतार चढ़ाव का योग बनाएं रखेंगे। अचानक खर्च से आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें।

आप किसी मांगलिक कार्य पर धन का व्यय करेंगे। 29 जून के बाद फिर से समय प्रतिकूल हो जाएगा। उस समय शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीकों पर अच्छी तरह सोच-विचार कर निर्णय लें यह समय जोखिम उठाने के लिए उपयुक्त नहीं है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि व राहु के दृष्टि प्रभाव से आपका पारिवारिक वातावरण बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

30 मार्च से जून पर्यन्त सप्तम भाव पर गुरु एवं शनि की युति प्रभाव से विवाह की सम्भावनाएं बनेंगी। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आपके मित्र भी आपसे संतुष्ट रहेंगे। 29 जून के बाद समय फिर से प्रभावित हो जाएगा। उस समय अपने परिवार पर ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहिए।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल नहीं है। छठे स्थान में गुरु ग्रह का गोचर संतान के लिए अच्छा नहीं होता। इस वर्ष आपको अपने संतान को लेकर चिन्ताएं बढ़ सकती हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

उसका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। साथ ही उसका पढ़ाई में भी मन नहीं लगेगा।

30 मार्च से जून पर्यन्त समय कुछ अनुकूल होगा। यदि आप का दूसरा बच्चा विवाह के योग्य है तो उसका विवाह संस्कार हो सकता है। जून के बाद फिर से समय प्रभावित हो सकता है।

स्वास्थ्य

गुरु के छठे स्थान में अग्नि तत्व राशि में होने के कारण पेट संबंधित या पित्त संबंधित परेशानी बनी रहेगी। 30 मार्च से जून पर्यन्त लग्न स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य जल्दी ही अच्छा हो जाएगा।

29 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर फिर छठे स्थान में होगा। उस समय आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा नहीं तो फिर से कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। अतः आप केवल अपने अध्ययन की ओर ही मन को लगायें। उच्च शिक्षा के अभिलाषी जातक अपनी रुचि अनुसार कार्य क्षेत्रों में सफलता अपेक्षाकृत कम ही प्राप्त कर पायेंगे।

30 मार्च से जून पर्यन्त व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रहेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष ठीक ठाक रहेगा। व्यापारिक व्यक्तियों को व्यवसाय से सम्बन्धित यात्राएं होंगी। यह यात्रा आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

द्वादशस्थ राहु पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विदेश यात्रा का प्रबल योग बन रहा है। मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण के योग बने हुये हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष सामान्य फल दायक रहेगा। नित्य पूजा पाठ करते रहेंगे। लेकिन नवम स्थान पर शनि की दृष्टि के कारण विशेष पूजा करने में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और नित्य उसका पूजन करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने गले में धारण करें, एवं राहु मन्त्र का पाठ करें।
- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रुषा करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2021

इस वर्ष शनि मकर राशि में सप्तम भाव में और राहु वृष राशि में एकादश भाव में रहेंगे। 6 अप्रैल को गुरु कुम्भ राशि में अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 सितम्बर को मकर राशि में सप्तम भाव में गोचर करेंगे और मार्गी होकर फिर से 20 नवम्बर को कुम्भ राशि में अष्टम भाव में आजाएंगे। मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 17 फरवरी से 19 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष विशेष शुभ होगा तथा आपको व्यवसाय में सफलता, उन्नति तथा नये व्यापार से लाभ उठाने के अवसर भी प्राप्त होंगे। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं तो आपको इच्छित लाभ प्राप्त होगा और आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे।

आमदनी के नये- नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। इस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे, तो उसमें सफलता मिलने की पूर्ण सम्भावना है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा व नौकरी करने वालों को अपने कार्यस्थल पर मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष बहुत शुभ रहेगा। एकादश स्थान स्थित राहु अचानक धन प्राप्ति के योग बना रहे हैं। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे और निष्ठा के साथ धनार्जन में लगे रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का पूर्ण प्रयास करेंगे।

आप परिवार में मांगलिक कार्यों में धन खर्च करेंगे। यदि कोई बड़ा निवेश करना चाहते हैं, तो उसके लिए भी समय अनुकूल है। आपके अपने ससुराल पक्ष से भी धन लाभ हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपके भाई-सफल व प्रसन्न रहेंगे। चतुर्थ एवं द्वितीय स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बन जाएगा। परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि का योग बन रहा है। इस वर्ष विवाह की कुछ सम्भावनाएं हैं जो विशेष प्रबल नहीं हैं।

सन्तान के लिए यह समय वर्षभर कुछ परेशानियों व उतार-चढ़ाव के संकेत लेकर आ रहा है। तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि के कारण समाजिक प्रतिष्ठा में बढोतरी होगी।

संतान

सन्तान के लिए यह समय वर्षभर कुछ परेशानियों व उतार-चढ़ाव के संकेत लेकर आ रहा है। संतान के स्वास्थ्य के मामले में यह वर्ष चिन्ताजनक है। पंचम स्थान पर केतुकी



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

स्थितिआपकी संतान को विपरीत परिस्थितियों में भी तेजस्वी बनाए रखेगी।

14 सितम्बर के बाद गुरु ग्रह का गोचर फिर से सप्तम स्थान में होगा। उसके बाद समय फिर से अनुकूल हो जाएगा।आपकीदूसरी सन्तान के लिए समय बहुत अच्छा रहेगा। उसका विवाह संस्कार होने की अल्प सम्भावनाएं हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि से मन में अच्छे विचार आएंगे। जिससे प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे। आप अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए सन्तुलित आहार की जानकारी एकत्र करने में रुचि लेंगे व ध्यान तथा योग क्रियाएं आदि किसी योग्य व्यक्ति के मार्गदर्शन में सीखेंगे।

यदि मौसम जनित कोई बीमारी होती भी है तो आप शीघ्र ही अच्छे हो जाएंगे। 6 अप्रैल से 14 सितम्बर तक समय थोड़ा प्रभावित हो सकता है। उसके बाद फिर से अनुकूल हो जाएगा। शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करें स्वास्थ्य में समस्याएं नहीं आएंगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको समय अधिक अनुकूल न होने के कारण कठिन परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

उच्च शिक्षा के अभिलाषी जातक अपनी रुचि अनुसार कार्य क्षेत्रों में सफलता अपेक्षाकृत कम ही प्राप्त कर पायेंगे। 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर अष्टम स्थान में होगा। अपने मन को एकाग्र कर अपने लक्ष्य पर केन्द्रित करें।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष आप अपने स्थान पर ही प्रसन्न व अपने कार्यों में संलग्न रहेंगे तथा यात्रा आदि में अधिक दिलचस्पी नहीं लेंगे। नौकरी करने वालों का अल्प समयान्तराल के लिए स्थानान्तरण होगा।

गुरु का अष्टम व सप्तम स्थान का गोचर अल्प समय के लिए किसी आवश्यक कार्य की वजह से ऐसी यात्रा करवा सकता है जिससे आप विशेष प्रसन्न नहीं होंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आप पंचमस्थ केतु के प्रभाव से मन्त्र जाप, ब्राह्मण कर्म, ज्योतिष कार्यों में रुचि, वेदान्त दर्शन का अध्ययन तथा गुप्त विद्याओं की साधना में तत्परता से जुटे रहेंगे तथा अपने ज्ञान व बौद्धिक क्षमता से लोगों को प्रभावित करने में सक्षम होंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

- सूर्योदय से पहले उठकर सूर्य नमस्कार करें वअर्घ्य प्रदान करें।
- अपने घर में श्रीयन्त्र की स्थापना करें और उसके सामने घी का दीपक जलाएं।
- वीरवार के दिन व्रत करें व पीली वस्तु का दान करें।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2022

इस वर्ष 13 अप्रैल को गुरु मीन राशि में नवम भाव में और 17 मार्च को राहु मेष राशि में दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अप्रैल को शनि कुम्भ राशि में अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 12 जुलाई को मकर राशि में सप्तम भाव में आजाएंगे। 30 सितम्बर से 21 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य शुभ फलदायक रहेगा। वर्षारंभ में कुछ कठिनाईयां रह सकती हैं इसके अतिरिक्त मई, जून व जुलाई के महीनों में भी कुछ समस्याएं अनायास ही उत्पन्न हो सकती हैं परंतु आप अपने परिश्रम व आत्मविश्वास तथा कार्यों में आप अपनी दक्षता के बल पर सफलता प्राप्त करेंगे। सप्तम स्थान में शनि ग्रह के प्रभाव से आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में सफल होंगे।

कार्य क्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावट डाली जा सकती है। इसलिए सावधानी से अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने कार्य स्थल पर मान सम्मान प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष का सामान्य रहेगा। एकादश स्थान का राहु आपको अचानक धन लाभ कराने का योग बना रहे हैं। जिससे पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपकी आर्थिक उन्नति के लिए अच्छा रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके धनागम में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित बचत कर सकते हैं। मांगलिक व सामाजिक कार्यों तथा बच्चों की शिक्षा पर आप धन का व्यय करेंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। माता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में संतान संबंधी चिंताएं समाप्त होंगी तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में बढोत्तरी होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे। आपके छोटे बाई बहनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। संतान के स्वास्थ्य, शिक्षा तथा रोजगार के क्षेत्रों में आनेवाली रुकवाटों के चलते आपकी चिंताएं बढेंगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके बच्चों के लिए बेहतर समय का आगमन होगा तथा संतान संबंधी चिंताएं पूर्णतया समाप्त होंगी व नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के क्षेत्र में भी सुधार होने लगेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मौसम जनित बीमारियों से थोड़ी परेशानी हो सकती है। अपने खान पान के साथ साथ आपनी दिनचर्या सुधारें व सुबह सुबह शुद्ध हवा में व्यायाम के साथ योगाभ्यास भी करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह के प्रभाव से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे। धार्मिक कृत्यों में अधिक रुचि बढ़ेगी जिससे आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष के प्रारम्भ में प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्य ही रहेगा। लगातार अथक परिश्रम की आवश्यकता है।

यदि आप उच्च शिक्षा हेतु उच्च संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में सफलता मिल जाएगी। जिन जातक की नौकरी अभी नहीं लगी है उन लोगों को कुछ समय के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष ठीक ठाक रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में सप्तम स्थान का शनि व्यापारिक व्यक्तियों को व्यवसाय से संबंधित यात्राएं करा सकते हैं।

द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप विदेश यात्रा कर सकते हैं। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप अपनी जन्मभूमि के साथ-साथ धार्मिक यात्राएं भी करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु धार्मिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं। मानसिक द्वन्दता के कारण पूजा पाठ में एकाग्रता नहीं रहेगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपका मन धार्मिक कार्यों में आकृष्ट होगा। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे और गरीबों की सहायता करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रूषा करें।
- केला या पीली वस्तु का दान करें। वीरवार का व्रत करें एवं बेसन के लड्डू दान करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

- प्रति दिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2023

इस वर्ष 22 अप्रैल को गुरु मेष राशि में दशम भाव में 17 जनवरी को शनि कुम्भ राशि में अष्टम भाव में और 22 नवम्बर को राहु मीन राशि में नवम भाव में प्रवेश करेंगे। वक्री मंगल 13 जनवरी को मार्गी हो जाएंगे और पूरे वर्ष सरल गति से गोचर करेंगे। 4 अगस्त से 18 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए आपको लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से कुछ प्रतिद्वन्दिओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं परन्तु सामान्य काम काज पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

22 अप्रैल के बाद वरिष्ठ लोगों या उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में पदोन्नति होगी। भूमि से सम्बन्धित कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। स्वतन्त्र व्यवसाय में अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य फलदायक रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु अधिक खर्च होने के कारण बचत नहीं कर पाएंगे। धन के अपव्यय से बचें।

22 अप्रैल के बाद द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ साथ रत्न आभूषण इत्यादि के क्रय की योजना बनेगी। परिवार में मांगलिक कार्यों पर धन का व्यय होगा। यदि कोई बड़ा निवेश करना चाहते हैं तो कुछ समय के लिए ऐसी योजनाओं को स्थगित रखें। यदि संपत्ति पर कोई बाद विवाद चल रहा हो तो फैसला आपके लिए अधिक अनुकूल प्रतीत नहीं होता।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में चतुर्थ स्थान पर राहु केतु के प्रभाव से परिवार में किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है परन्तु अपनी सूझ-बूझ व आत्मविश्वास से उसे भी आप अनुकूल बना लेंगे। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको समाजिक पद व प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

22 अप्रैल के बाद पारिवारिक रूप से समय अनुकूल होने लगेगा तथा बड़े सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी और परिवार के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके ससुराल पक्ष से मनमुटाव होने की सम्भावना है अतः सावधानी बरतें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर शनि एवं गुरु के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके बच्चे आगे बढ़ेंगे और हर अवसर का समुचित लाभ उठायेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे संस्थान में प्रवेश हो जाएगा।

आपके बच्चे नौकरी में उन्नति करेंगे। यदि आपकीसन्तान विवाह योग्य है तो विवाह निश्चित है। दूसरे बच्चे के लिए भी समय अनुकूल है।

स्वास्थ्य

अष्टम स्थान का शनि अचानक ही स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के प्रति ध्यान देना आवश्यक होगा। खाने-पीने की वस्तुओं में सावधानी बरतें। वर्ष के प्रारम्भ में नवमस्थ गुरु की पंचम दृष्टि लग्न पर होने से स्वास्थ्य में अधिक गिरावट नहीं आयेगी परन्तु छोटी-मोटी समस्याओं, चिन्ताओं व बेचैनी से कार्य क्षमता प्रभावित होगी।

कभी कभी स्वास्थ्य रहते हुए भी कमजारी जैसा अनुभव होता रहेगा। ऐसी स्थिति में शारीरिक दुर्बलता व मानसिक तनाव को कम करने के लिए योग व व्यायाम का सहारा लें। नित्य प्रति मन्त्र जाप करें, सूर्य को जल दें तथा प्रातःकालीन शुद्ध हवा में प्राणायाम करके मानसिक तनाव से मुक्ति पायें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अत्यधिक अनुकूल है। पंचम स्थान पर शनि एवं गुरु की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा योग बना रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए अच्छे संस्थान में प्रवेश मिल सकता है।

22 अप्रैल के बाद षष्ठ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले व्यक्तियों को सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष आपको रोजगार प्राप्ति के योग भी बने हुए हैं।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारंभ में तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपकी छोटीयात्राएं होती रहेंगी। नवमस्थ गुरु के प्रभाव से लम्बी यात्राओं का भी योग है। इन यात्राओं से भाग्योन्नति होगी। यात्रा के दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता होगी।

नौकरी मेंस्थानान्तरण होगा। यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। वाहन दुर्घटना या यात्रा के अंतराल आपका धन चोरी हो सकता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में नवमस्थ गुरु के कारण आप कोई विशेष पूजा-पाठ यज्ञ, अनुष्ठान संपन्न करेंगे। जिससे परमात्मा के प्रति आत्म समर्पण का भाव उत्पन्न होगा। 11 नवम्बर के बाद तन्त्र यन्त्र मन्त्र इत्यादि गुप्त विद्याओं के प्रति आपका मन आकर्षित होगा।

- प्रत्येक मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें एवं गरीबों को लोहे का तवा दान करें।
- अपने घर में लड्डु गोपाल की मूर्ति रखें एवं प्रतिदिन विष्णुसहस्रनाम का पाठ करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2024

इस वर्ष शनि कुम्भ राशि में अष्टम में और राहु मीन राशि में नवम भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में गुरु मेष राशि में दशम में रहेंगे और 1 मई को वृष राशि में एकादश भाव में गोचर करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 29 अप्रैल से 28 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में दशम भाव में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा लाभ प्राप्त करेंगे। अनुभवी साझेदार के मिलने से व्यवसाय को एक नया मोड़ मिलेगा और व्यापार में अधिक लाभ प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी।

अप्रैल के बाद एकादश स्थान के गुरु आपके व्यापार में आय की मात्रा और बढ़ा सकते हैं। बड़े लोगो व वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। अष्टम स्थान का शनि आपके कार्य व्यवसाय में अवरोध उत्पन्न करेंगे, परन्तु आप अपने विवेक से उसे भी अनुकूल बना लेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन व रत्नाभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम के साथ साथ भौतिक सुख सुबिधा पर खर्च भी होगा।

अप्रैल के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका रुका हुआ धन मिल सकता है साथ ही धनागम में भी वृद्धि होगी। निवेश से पूंजी में वृद्धि होगी। भाई-बहन या पुत्रादि के विवाह अवसर पर धन खर्च हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। बातचीत का ढंग व व्यवहार दोनों में बदलाव आएगा।

अप्रैल के बाद आपको प्रेम प्रसंग में भी सफलता प्राप्त होगी। आपके जीवनसाथी के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। अप्रैल के बाद पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होने के शुभ योग बने हुए हैं। यदि सन्तान विवाह योग्य है तो विवाह होने की सम्भावना है। दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। अष्टम स्थान का शनि कभी-कभी मौसम जनित बीमारियों से परेशान कर सकता है। आलस्य, मानसिक चिंता इत्यादि छोटी मोटी परेशानी बनी रहेगी।

अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में अनुकूलता प्रदान करेगा। स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शाकाहारी भोजन करें। शाकाहारी भोजन व संतुलित आहार के साथ-साथ नियमित व्यायाम भी करते रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के योग बने हुए हैं।

अप्रैल के बाद समय व्यवसायिक शिक्षा हेतु अनुकूल है। विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी। मन को एकाग्र कर लक्ष्य की प्राप्ति करें।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। नवम स्थान के राहु अचानक लम्बी यात्राएं कराते रहेंगे। वर्षारम्भ में अपने जन्मस्थल की यात्रा हो सकती है।

अप्रैल के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं भी होती रहेंगी। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से व्यापारिक व्यक्तियों की व्यावसाय संबंधित यात्राएं होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगे। अप्रैल के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ईश्वर के प्रति श्रद्धा-भक्ति बढ़ेगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

- काले कुत्ते को रोटी दें।
- प्रत्येक मंगलवार के दिन हनुमानजी को चोला चढ़ाएं एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि अष्टम भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु नवम भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि नवम भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरु एकादश भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि द्वादश भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी होकर 18 अक्टूबर को कर्क राशि लग्न स्थान में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि द्वादश भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। वर्ष के शुरुआत में सप्तम स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप व्यापार में उन्नति करेंगे। अनुभवी लोगों कह सलाह अवश्य लें। व्यापार में आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद आपके कार्यों में गुप्त शत्रु या बिरोधियों द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें अन्यथा परिणाम प्रतिकूल होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके भाईयों व पत्नी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद राहु एवं गुरुग्रह का गोचर एक साथ प्रतिकूल हो रहा है। इस समय के अंतराल में आपको कोई बड़ा निवेश न करें। यदि निवेश करना अत्यधिक जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों से परामर्श लेकर निवेश करें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। व्यवसायिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे परन्तु आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। तृतीय स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे। सामाजिक उन्नति के लिए आप कोई विशेष कार्य करेंगे।

मई के बाद गुरु एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आप का वैचारिक मतभेद हो सकता है। अतः सहन शक्ति को बढ़ाएं और अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार निर्णय लें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे अपने बौद्धिक बल से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उनकी शिक्षा में भी सुधार होगा। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

आपके दूसरे बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उसकी उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे। यदि विवाह योग्य है तो विवाह हो सकता है। मई के बाद समय प्रभावित हो रहा है, अतः उस समय उन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे। किसी प्रकार की कोई चिंता परेशानी न होने के कारण आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आप अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे।

मई के बाद आपका समय थोड़ा प्रतिकूल हो रहा है। उस समय छोटी-मोटी बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। द्वादशस्थ गुरुके पृथ्वी तत्व राशि में होने के कारण संक्रामक रोग या मौसम जनित बीमारियों से परेशानी उत्पन्न हो सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से अनुकूल रहेगी। पंचम स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए शुभ है। यदि उत्तम शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ शुभ है।

मई के बाद आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। बेरोजगार जातकों को मनोनुकूल रोजगार प्राप्त होगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। परन्तु मई के बाद द्वादश स्थान के गुरु विदेश यात्रा करा सकते हैं।

नवम स्थान के शनि आपको लम्बी यात्रा भी कराते रहेंगे। चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की उनकी जन्मभूमि की यात्रा होगी।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। एकादशस्थ गुरु ग्रह के प्रभाव से आपका मन पूजा-पाठ के प्रति ज्यादा आकर्षित रहेगा। परमात्मा की भक्ति एवं मन्त्र पाठ में ज्यादा रूचि लेंगे। मई के बाद गुरुग्रह का गोचर द्वादश स्थान में होगा। उस समय आप दान पुण्य, भण्डारा इत्यादि धार्मिक कार्य अधिक करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरुव मंदिर के पूजारी की सेवा, सुश्रूषा करें।
- पीली वस्तुएं जैसे दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत रखें।
- दुर्गा बीसा कवच अपने गले में धारण करें एवं राहु मन्त्र का पाठ करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशिमें सप्तम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु द्वादश भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें लग्न स्थान में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें द्वितीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

व्यापारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। आपको अपने व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ राहु के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। अतः इस समय के अन्तराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

02 जून के बाद समय अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से व्यापार में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आपको अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। लग्न स्थान का गुरु नयी विचारधारा नयी योजनाओं को जन्म देगा जिसका लाभ उठा कर आप अपने व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यरहेगा। द्वादश स्थान केगुरु धनागम में रूकावट उत्पन्न करेंगे। जिससे आर्थिक उन्नति में कमी हो सकती है। इस समय के अन्तराल में आपको निवेश या किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो वापसी की उम्मीद बहुत कम है, परन्तु आपको मातुल पक्ष से लाभ होगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपको रूका हुआधन वापस मिल सकता है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा या आर्थिक स्थिति को सुधारने में इनका पूर्ण सहयोग होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। आप अपनी भौतिक सुख सुबिधा पर भी पैसा खर्च करेंगे। 31 अक्टूबर के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

के दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपके परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण बना रहेगा। मातुल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत उत्तम रहेगा। अष्टम स्थान का राहु ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद करा सकता है।

02 जूनके बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरुके दृष्टि प्रभाव से आपकी पत्नी के साथ आपकेसम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

संतान

संतान कीदृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। द्वादशस्थगुरुपर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। आपके बच्चों का स्वास्थ्य व शिक्षा-दीक्षा प्रभावित हो सकती है। अतः उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

02 जून के बाद गुरु के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ेगी। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय बहुत अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य है। तो विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टिसे वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादश स्थान केगुरु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना सकते हैं। मधुमेह रोगियों को अधिक परहेज की आवश्यकता है। गुरु ग्रह के वायु तत्व राशि में होने के कारण संक्रमण, सांस व पेट संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

02 जून के बाद गुरु का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। आप मानसिक रूप से संतुष्ट एवं शारिरीक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि के कारण प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को मनोनुकूल सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को वर्षारम्भ में नौकरी मिल सकती है।

02 जून केबाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढ़ाई लिखाई में सब से आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यवसायिक शिक्षा के लिए समय काफी अनुकूल है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है। द्वादशस्थगुरु विदेश यात्रा के शुभ योग बना रहे हैं। इस समय के अंतराल में आपकी विदेश यात्रा होगी।

02 जून के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि लम्बी यात्रा के योग बना रही है। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ लम्बी यात्रा भी दर्शा रही है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा। द्वादशस्थगुरु एवं नवमस्थ शनि के प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। 02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर लग्न स्थान में होगा। उस समय नवम एवं पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। आपगुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे। मन्त्र जाप कर आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएंगे।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- बुधवार के दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाएं।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि नवम भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं नवम भाव में आजाएंगे। मकर राशि का राहु इस वर्ष सप्तम भाव में रहेगा। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे, और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत बढ़िया रहेगा। व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से नयी योजनाओं से लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं। आपका भाग्य भी आपके अनुकूल रहेगा। आप कम समय में उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शेयर बाजार से जुड़े व्यक्तियों को इच्छित लाभ होगा।

साझेदारी में काम करने वालों के लिए समय अच्छा नहीं है। 26 जून के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नती होने के प्रबल योग बन रहे हैं। वरिष्ठ लोगों या बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, आप मानसिक रूप से संतुष्ट हो कर प्रसन्नता पूर्वक अपना कार्य करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिल सकते हैं। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी पत्नी के स्वास्थ्य पर भी धन का व्यय हो सकता है।

26 नवम्बर के बाद सामाजिक कार्यों में व धार्मिक कार्यों में पैसा खर्च कर सकते हैं। भाइयों या ससुराल पक्ष से भी धन लाभ हो सकता है। अचानक धन लाभ होने के भी योग बन रहे हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

26 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की बढ़ेत्तरी हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत अच्छा रहेगा। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद आपके सामाजिक मान संमान में और बढ़ेत्तरी होगी।

संतान

संतान के लिये वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। भाग्य के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का उपयुक्त समय है। विवाह योग्य है तो विवाह हो जाएगा।

26 नवम्बर के बाद दूसरे बच्चे के लिए भी समय अच्छा नहीं रहेगा। उनको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। मन में अच्छे विचार आएं व आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे।

26 जून के बाद लग्न स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। मौसम जनित बीमारी या आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है परन्तु आप शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्यतः अनुकूल रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। 26 जून के प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। तकनीकी शिक्षा के लिए भी यह समय अच्छा है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्रा होगी। 03 जून के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं।

आप जलीय क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। 26 नवम्बर के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होंगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बढ़िया रहेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति रूचि बढ़ेगी जिससे आप पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान अधिक करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ईश्वर के प्रति आप का अटूट विश्वास रहेगा। दान पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगे। 26 जून के बाद मन्त्र सिद्धी व गुप्त विद्याओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसके सामने नित्य घी का दीपक जलाएं।
- अपने मन को केन्द्रित करने के लिए ध्यान करें एवं नित्य प्राणायाम करें।
- बुधवार या शनिवार के दिन राहु ग्रह का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वार्षिक फलादेश - 2028

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरु में मकर राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ में आप कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगे। नवम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका भाग्य साथ देगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। सप्तम स्थान के राहु अचानक आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं परन्तु आप उसे भी अपने बौद्धिक बल से अनुकूल बना लेंगे।

24 मई के बाद व्यवसाय में सफलता के अच्छे अवसर मिलेंगे। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो 24 जुलाई के बाद अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आमदनी के नये स्रोत मिलने कि उम्मीद है। अनुभवी व्यापारिक एवं वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से आप अपने व्यापार में और अधिक सुधार करेंगे। आपका मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। आप बचत करने में सफल रहेंगे। सप्तमस्थ राहु आपकी पत्नी के स्वास्थ्य पर भी व्यय करा सकते हैं।

फरवरी के बाद आपको रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में पिता का अहम सहयोग होगा। मातुल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा। मांगलिक कार्यों में भी पैसे खर्च हो सकते हैं।

घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ सामाजिक उन्नति के साथ होगा। तृतीयस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ-चढ कर भाग लेंगे। फरवरी के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

सप्तमस्थ राहु आपकी पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। आपके माता पिता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा। षष्ठस्थ राहु के कारण आपके मातुल पक्ष के लोगों के साथ संबंध मधुर होंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

संतान

संतान के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। गर्भाधान के लिए समय शुभ है।

आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अच्छा चल रहा है यदि बच्चा विवाह के योग्य है तो विवाह भी हो सकता है। इस समयान्तराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचानक आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही आपके लिए अच्छी नहीं होगी।

राहु ग्रह के गोचर के साथ आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। यदि पहले से किसी बीमारी से ग्रसित हैं तो उससे छुटकारा मिल सकता है। छठे स्थान के राहु रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए सामान्य रहेगा। आपको लगातार अथक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि शिक्षा की दृष्टि से उत्तम है।

24 मई के बाद षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को रोजगार मिल सकती है। व्यावसायिक व्यक्तियों को ब्राण्ड नेम मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष का प्रारम्भ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। गुरु ग्रह के प्रभाव से लम्बी यात्राएं व तीर्थ यात्राएं भी होंगी। 23 फरवरी के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होगी।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि, नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण करा सकती है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में गुरु ग्रह की दृष्टि नवम स्थान पर पड़ रही है, जिसके कारण आपका मन धार्मिक कार्यों में आकृष्ट होगा। आप गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे। समय समय पर गरीबों की सहायता भी करेंगे।

- मंगलवार के दिन हनुमानजी को लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में बांट दें।
- दुर्गाजी की उपासना करें या राहु मन्त्र का पाठ करें।
- गौ सेवा करें या गौशाला में चारा दान करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

दशा विश्लेषण

महादशा :- चन्द्र
(10/05/2010 - 10/05/2020)

चन्द्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 10/05/2010 को आरंभ और 10/05/2020 को समाप्त होगी।

चन्द्र दशम भाव में अवस्थित है। दशम भाव प्रतिष्ठा, सार्वजनिक सम्मान, शक्ति तथा इज्जत, सफलता तथा साख, आदर तथा ख्याति, उत्तरदायित्व, पदोन्नति, नियुक्ति, उच्च पद, शासन से सम्मान का प्रतिनिधित्व करता है। अतः दस वर्षों की यह अवधि आपके लिए शुभ होगी और आपको शांति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

आपको सुखमय तथा उत्तम जीवन की प्राप्ति होगी। इस अवधि में किसी बड़े रोग या चोट की संभावना नहीं है और आप बिना किसी बाधा के स्वस्थ जीवन का आनन्द लेंगे।

अर्थ और सम्पत्ति :

चन्द्र वाहन का प्रतिनिधित्व करता है। इस अवधि में आप अपनी सम्पत्तियों और आर्थिक स्थिति का विस्तार करने में सफल होंगे। आपकी चल-अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। आपके बैंक-बैलेंस में भी वृद्धि होगी और इस तरह आप समृद्धिशाली होंगे।

व्यवसाय :

चंद्र दशम अर्थात् अपने ही भाव में अवस्थित है और दशम भाव व्यवसाय और जीवन-वृत्ति का प्रतीक है। इसलिए आप अपने व्यवसाय में अत्यधिक सफलता प्राप्त करेंगे। आपको आदर तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। यदि आप सेवारत हैं तो जीवन में उन्नति के अनेक अवसर आपको मिलेंगे और आप प्रगति करेंगे। यदि व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपके मस्तिष्क में नये व्यवसायों के अनेक विचार उभरेंगे। व्यवसाय में आपकी साख तथा स्थिति में वृद्धि होगी। श्रेष्ठजन तथा सहकर्मी आपके विचारों की सराहना करेंगे और आप व्यवसाय में अगुआ होंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे। आप का पारिवारिक जीवन सुखमय होगा क्योंकि आपकी व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आपके जीवन साथी आप की व्यावसायिक वृत्ति में भी सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आप अध्यात्म की उच्च शिक्षा भी प्राप्त करेंगे। आप पुराणों और आध्यात्मिक ग्रन्थों का अध्ययन भी करेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

**अंतर्दशा :- चन्द्र - शुक्र
(10/03/2018 - 09/11/2019)**

चंद्र की महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपके लिए यह 10/05/2010 को प्रारंभ होकर 10/05/2020 को समाप्त होगी।

इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 1 वर्ष 8 मास रहेगी। आपके लिए यह 10/03/2018 को प्रारंभ होकर 09/11/2019 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्रिका के प्रथम भाव में स्थित है। प्रथम भाव शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रूपरेखा आदि का परिचायक है। लग्न में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के सप्तम भाव पर दृष्टि डाल रहा है। इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सक्रियता बढ़ेगी, जीवन हंसी-खुशी से गुजरेगा। अत्यधिक वासना और विवाहेतर संबंधों से बचें।

अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें।

1. चींटियों को शक्कर और आटा दें।
2. कन्याओं को खीर खिलाएं।
3. भोजन से पहली चपाती निकालकर गाय को दें।
4. लक्ष्मीजी की उपासना करें।

**अंतर्दशा :- चन्द्र - सूर्य
(09/11/2019 - 10/05/2020)**

चंद्रमा की महादशा की अवधि 10 वर्ष होगी। आपके लिए यह 10/05/2010 को प्रारंभ होगी और 10/05/2020 को समाप्त होगी।

इस महादशा में सूर्य की अंतर्दशा की अवधि 6 मास होगी जो आपके लिए 09/11/2019 से प्रारंभ होकर 10/05/2020 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मपत्रिका में सूर्य प्रथम भाव (लग्न) में स्थित है। प्रथम भाव शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य भाग्य, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रूपरेखा आदि का परिचायक है। सूर्य पिता का कारक है और आत्मा का प्रतिनिधि है। प्रथम भाव में स्थित होकर सूर्य जन्मपत्रिका के सप्तम भाव पर दृष्टिपात कर रहा है।

इस अवधि में आपका शरीर गर्म रह सकता है और स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है। खुशियां कम रहेंगी। आप सिद्धांतहीन, अमानवीय, और चरित्रहीन हो सकते हैं। परिवार में विच्छेद हो सकता है। आप महत्वाकांक्षी और सत्ताभक्त होंगे। आपका खुशमिजाज और आशावादी स्वभाव आपको लोकप्रिय बनाएगा, व्यक्तित्व चमकेगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए सूर्य के वैदिक मंत्र के 7000 जाप करें। प्रत्येक दिन प्रातःकाल के समय सूर्य को अर्घ अर्पित करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

**महादशा :- मंगल
(10/05/2020 - 11/05/2027)**

मंगल की महादशा 10/05/2020 को आरम्भ होगी और 7 वर्ष की होकर 11/05/2027 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल सप्तम भाव में अपनी ही राशि में स्थित है और आपकी कुण्डली में अति शक्तिशाली रुचक योग की रचना कर रहा है। मंगल की दृष्टि चतुर्थ, पंचम और प्रथम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 10 वर्ष की चन्द्रदशा चल रही थी। चन्द्र के लग्न का स्वामी होने के कारण आपको सम्पत्ति, आरम्भ, सुख और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हुई होगी। इस दशा के दौरान आपको यश, ख्याति, उच्च सम्मान की प्राप्ति तथा व्यवसाय में प्रगति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। आपमें स्फूर्ति और पहलशक्ति होगी और आप पूरी दशा के दौरान सक्रिय रहेंगे। आप प्रतिस्पर्धी तथा स्वतंत्र होंगे और आप में रोगों से लड़ने की क्षमता होगी। मौसम में परिवर्तन के कारण आपको तापसंबंधी बीमारी, फोड़ा या संक्रामक बीमारी हो सकती है। आपकी कुछ छोटी मोटी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उन्हें छोड़कर आमतौर से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

आपको सहे तथा निवेश से लाभ होगा। आपकी खुद की कमायी सम्पत्ति होगी। आपको जमीन-जायदाद तथा माता से लाभ होगा। इस अवधि में आपकी प्रतिष्ठा, शक्ति और अधिकार में उन्नति तथा व्यवसाय में प्रगति होगी। आपको सफलता, ख्याति तथा सम्मान मिलेगा। जीविका के लिए सैन्य सेवा, इन्जीनियरिंग, सर्जरी, दवा के क्षेत्र, लोहा-इस्पात से संबद्ध व्यवसाय या पुलिस क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। आप योजना तथा प्रशासन से सम्बद्ध कार्य में अच्छा करेंगे। आप सामुद्रिक पदार्थों तथा कुटीर उद्योग अपना सकते हैं। आप एक सफल सर्जन या देतचिकित्सक हो सकते हैं या आपकी एक सफल तकनी की अथवा कृषि वृत्ति हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता मिलेगी और आय में वृद्धि तथा उच्चाधिकारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा।

व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी, कर्मचारियों की आय में वृद्धि, लाभ की प्राप्ति तथा पद में उन्नति होगी। व्यवसाय में प्रगति और उन्नति के लिये यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शुक्र की अन्तर दशा में आपको वाहन का सुख मिलेगा। आप अपने वाहन को बदल कर नया ले सकते हैं। बुध की अन्तर दशा के दौरान आपकी यात्रा होगी। जमीन-जायदाद के मामलों के लिये यह दशा उत्तम है। आपको जमीन जायदाद तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। जमीन-जायदाद के सारे मामले आपके लिये लाभदायक होंगे।

शिक्षा :



इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप परीक्षा में सफल होंगे और किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। तकनीकी विषय आपके लिए शुभ होंगे। आप विज्ञान, गणित, इन्जीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि पसन्द करेंगे। आप उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं और उसमें बहुत अच्छा करेंगे। इस दशा के दौरान आप व्यवसायिक प्रशिक्षण ग्रहण कर सकते हैं। आपकी नेतृत्व तथा संगठन क्षमता सामने आएगी।

परिवार :

परिवार में आप के सम्बन्ध मधुर रहेंगे। आपको आपके बच्चे से सुख मिलेगा। आपके जीवन साथी के साथ आपका सम्बन्ध सुन्दर रहेगा। आपके जीवन साथी की जीवन वृत्ति सक्रिय होगी, आय में वृद्धि और लाभ की प्राप्ति होगी। अपने परिवार की शान्ति के लिए व्यवहार कुशलता तथा शान्ति से कार्य लेना होगा। आपकी माता को कुछ स्वस्थ संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उन्हें लाभ का अवसर मिलेगा। आपके पिता को लाभ, समृद्धि तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके छोटे भाई-बहनों के कार्य में परिवर्तन, अचानक धन तथा उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होगी। बड़ों का व्यय, यात्रा तथा परिवर्तन होगा। आपके मित्रों तथा परिचितों की संख्या विशाल होगी। आपको ख्याति मिलेगी और आप अपनी नेतृत्व व संगठन की क्षमता के कारण जाने जाएंगे।

अन्तर्दशा :

मंगल की मुख्य दशा में मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपके व्यवसाय में प्राप्ति होगी और आपको यश, ख्याति, प्रतिष्ठा और बच्चों से सुख मिलेगा। राहु की अन्तर्दशा कुछ समस्याएं खड़ी कर सकती है। गुरु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपको सम्पत्ति, जमीन-जायदाद तथा पिता से लाभ की प्राप्ति होगी। शनि की अन्तर्दशा के फलस्वरूप कुछ परिवर्तन, स्वास्थ्य-समस्या और साझेदारी में लाभ मिलेगा। इसके बाद बुध की अन्तर्दशा के कारण आपकी यात्रा और व्यय होगा जबकि केतु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप कुछ मानसिक तनाव होगा। शुक्र की अन्तर्दशा के कारण सुख, परिवार का आनन्द और लाभ मिलेगा। सूर्य की अन्तर्दशा आपको आराम और धन का लाभ दिलायेगी जबकि चन्द्र यश, ख्याति, सफलता तथा सुख देगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

**अंतर्दशा :- मंगल - मंगल
(10/05/2020 - 06/10/2020)**

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई है। इस महादशा के अंतर्गत प्रथम अंतर्दशा मंगल की होगी जिसकी अवधि 4 मास 27 दिन है। आपके लिए यह 10/05/2020 को प्रारंभ होकर 06/10/2020 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल वीरता, साहस, अचल संपत्ति और भाइयों का कारक है।

इस अवधि में आप परिश्रम और योग्यता के बल पर खूब धन कमाएंगे। जिन कामों में ऊर्जा और दक्षता की जरूरत हो, वहां आप कामयाब होंगे। अचल संपत्ति में निवेश करेंगे या वर्तमान मकान आदि की मरम्मत करवाएंगे। परिवार में शांति बनाये रखने के लिए प्रयास करने होंगे।

आप उत्साही और ऊर्जावान होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पहले किये गये निवेश से लाभ हो सकता है। जल्दबाजी में फैसले न करें। संतान के स्वास्थ्य का अधिक ध्यान रखना पड़ सकता है।

आपके जीवनसाथी भी खूब ऊर्जावान होंगे। आपके पिता को धनलाभ, घरेलू सुख का योग है। माता को साझेदारी से लाभ हो सकता है, उनकी यात्राएं हो सकती हैं। भाई-बहनों के जीवन में कुछ परिवर्तन आ सकता है, अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। खर्च बढ़ेंगे।

आपकी संतान परीक्षा में सफल होगी; उनकी तकनीकी और विस्तृत कार्यों में रुचि होगी। अगर वे सेवारत हैं तो विरोधियों पर विजयी होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो समृद्ध बनेंगे; प्रोन्नति या वांछित स्थान पर तबादला हो सकता है। व्यापारियों और तकनीकी विशेषज्ञों को सफलता मिलेगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा; मामूली तकलीफ हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए हनुमानजी की आराधना करें।

**अंतर्दशा :- मंगल - राहु
(06/10/2020 - 24/10/2021)**

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में दूसरी अंतर्दशा राहु की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 18 दिन होगी। आपके लिए यह 06/10/2020 को प्रारंभ होकर 24/10/2021 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु भौतिक लाभ, परिवर्तन और लंबी यात्राओं का कारक है।

इस अवधि में आपके विदेशियों से व्यापारिक संबंध बन सकते हैं। शत्रुओं पर विजय होगी। विपरीत लिंग के लोगों से लाभ हो सकता है। जनसंपर्क बढ़ेगा। विवाह हो सकता है। विवाह से धनलाभ होगा। जीवन में खूब तरक्की होगी। आप साहसी और तीव्रता से निर्णय लेने वाले होंगे। सम्मान और उच्चपद का संकेत है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपके जीवनसाथी भाग्यशाली रहेंगे। आपके पिता धनार्जन करेंगे। माता अचल संपत्ति प्राप्त करेंगी; उनके धन में वृद्धि होगी। आपके भाई-बहन निवेश और सट्टेबाजी से लाभ कमा सकते हैं।

आपकी संतान को परिश्रम करना होगा। उन्हें कार्यों में सफलता मिलेगी। अगर से कार्यरत हैं तो खूब धन कमाएंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो आय में वृद्धि होगी। परामर्शदाता तरक्की करेंगे। व्यापारी धनी बनेंगे और अनुबंधों पर हस्ताक्षर करेंगे।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए राहु मंत्र का जाप करें।

ॐ रां राहवे नमः

**अंतर्दशा :- मंगल - गुरु
(24/10/2021 - 30/09/2022)**

आपकी मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में तीसरी अंतर्दशा बृहस्पति की होगी जिसकी अवधि 11 मास 6 दिन रहेगी। आपके लिए यह 24/10/2021 को प्रारंभ होकर 30/09/2022 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बृहस्पति विवेक, संतान और आध्यात्मिकता का कारक है।

इस अवधि में आपको सब सुख उपलब्ध रहेंगे। उच्चपद पर आसीन हो सकते हैं। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। शत्रुओं पर विजय होगी। कार्यक्षेत्र में अचानक सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। संतान का जन्म संभव है। विवाह हो सकता है। चुनाव में या कार्यों में सफलता मिल सकती है। मुकदमे में विजय होगी। घरेलू सुख रहेगा। लंबी यात्रा या तीर्थयात्रा संभव है। नये अवसर उपलब्ध होंगे।

आपके जीवनसाथी को उच्चपद और धन का लाभ हो सकता है। पिता को सट्टेबाजी से लाभ संभव है। माता को सब सुविधाएं उपलब्ध होंगी, तीर्थयात्रा करेंगी। आपके भाई-बहन धन कमाएंगे; कार्यक्षेत्र में सफल रहेंगे; उनकी आकांक्षाएं पूर्ण होंगी।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी, ज्ञानार्जन करेंगे। अगर वे सेवारत हैं तो समृद्ध बनेंगे, लंबी यात्राएं होंगी, प्रसिद्ध होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो अचानक लाभ और सकारात्मक परिवर्तन का योग है। परामर्शदाता अचल संपत्ति क्रय करेंगे; धनी बनेंगे। व्यापारियों के लाभ में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य और कार्यक्षमता उत्तम होंगे। शुभत्व में वृद्धि के लिए पीले अनाज, स्वर्ण और हल्दी का दान करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अंतर्दशा :- मंगल - शनि
(30/09/2022 - 09/11/2023)

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को आरंभ हुई थी। इस महादशा में चौथी अंतर्दशा शनि की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 1 मास 9 दिन रहेगी। आपके लिए यह 30/09/2022 को प्रारंभ होकर 09/11/2023 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि आयु, सेवा और पश्चिम दिशा का कारक है।

इस अवधि में आप शत्रुओं और स्पर्धियों पर विजय प्राप्त करेंगे। जिम्मेदारियों को धैर्य और कार्यकुशलता से निभाएंगे। सफलता अधिकारियों से संघर्ष के उपरांत मिलेगी। खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्रा हो सकती है। समाजसेवा और दान आदि में रुचि रहेगी। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्साह बना रहेगा। अध्ययन और परिश्रम के लिए समय उत्तम है।

आपके जीवनसाथी के खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके पिता के सम्मान में वृद्धि होगी। माता को रिश्तेदारों से सुख-सुविधाएं प्राप्त होंगी, लघु यात्राएं होंगी। भाई-बहनों को जायदाद की खरीद-फ़रोख्त से लाभ होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी, धनी बनेंगे, परिवर्तन हो सकते हैं, अचानक अप्रत्याशित घटना घट सकती है।

आपकी संतान धनी बनेगी, परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे सेवारत हैं तो आय में वृद्धि होगी।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यक्षेत्र में सुदृढ़ता आएगी। उच्चाधिकारी प्रशंसा करेंगे। परामर्शदाता धनी बनेंगे। व्यापारी कोई नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शरीर में छोटी-मोटी बीमारियों से प्रतिरोध की शक्ति रहेगी। अरिष्ट से बचाव के लिए शिवजी की आराधना भैरवजी के रूप में करें।

अंतर्दशा :- मंगल - बुध
(09/11/2023 - 05/11/2024)

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई थी। इसमें पांचवी अंतर्दशा बुध की है जिसकी अवधि 11 मास 27 दिन है। आपके लिए यह 09/11/2023 को प्रारंभ होकर 05/11/2024 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बुध वाणी, शिक्षा और सम्मान का कारक है।

इस अवधि में आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्र आपकी मदद करेंगे। परिवार में सुख रहेगा। मामापक्ष के लोग धनी बनेंगे। व्यापारिक, प्रशासनिक और संगठनात्मक कार्यों से लाभ होगा। सब सुख-सुविधाएं, उत्तम भोजन और वस्त्र उपलब्ध होंगे। संचार माध्यम से लाभ हो सकता है। उच्च पद मिल सकता है; कार्यों में सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे; अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

आपके जीवनसाथी को उच्चपद प्राप्त होगा। आपके पिता स्पर्धियों पर विजयी होंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

माता को विभिन्न माध्यमों से धन प्राप्त होगा। भाई-बहनों को सफलता में बाधाएं आ सकती हैं मगर स्पर्धियों पर विजयी रहेंगे। उनके बहुत से मित्र होंगे; अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी संतान विज्ञान, वाक्विद्या और व्यापार में प्रवीण होगी। परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे सेवारत हैं तो कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो उच्चाधिकारियों से लाभ होगा। परामर्शदाताओं को निवेश से लाभ होगा, जबकि व्यापारियों के कार्य में कुछ परिवर्तन हो सकता है।

**अंतर्दशा :- मंगल - केतु
(05/11/2024 - 04/04/2025)**

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में छठी अंतर्दशा केतु की है जिसकी अवधि 4 मास 27 दिन रहेगी। आपके लिए यह 05/11/2024 को प्रारंभ होकर 04/04/2025 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी केतु नाना और मोक्ष का कारक है।

इस अवधि में आप उच्चपद प्राप्त कर सकते हैं। मानसिक शांति, प्रसिद्धि और धनलाभ का योग है। अध्यात्म में रुचि हो सकती है। घरेलू सुख मिलेगा, संतान से खुशी मिलेगी। आप स्वभाव से मददगार हैं। किसी फैसले को करने से पहले गहन विश्लेषण करते हैं। आप साहस का परिचय देंगे। लाभकारी यात्राएं हो सकती हैं। व्यापार में लाभ होगा।

आपके जीवनसाथी को कार्यों में सफलता मिलेगी। आपकी माता की तीर्थयात्रा हो सकती है; उन्हें कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके भाई-बहनों के सम्मान में वृद्धि होगी। उन्हें सफलता और समृद्धि मिलेगी, बाधाओं को पार करेंगे।

आपकी संतान के पिता के साथ मधुर संबंध रहेंगे। अगर वे सेवारत हैं तो यात्रा हो सकती है; भाग्यशाली रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकते हैं; अप्रत्याशित धन मिल सकता है। परामर्शदाता स्पर्धियों पर विजयी होंगे; सुख-सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। व्यापारी धन कमाएंगे।

उदर रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए शनिवार और मंगलवार को उपवास करें।

**अंतर्दशा :- मंगल - शुक्र
(04/04/2025 - 04/06/2026)**

आपके लिए मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अन्तर्दशा शुक्र की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 2 मास होगी। आपके लिए यह 04/04/2025 को प्रारंभ होकर 04/06/2026 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शुक्र सौंदर्य, कला और नफासत का कारक है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

इस अवधि में आपका जीवन सुविधाओं से युक्त होगा। उत्तम वस्त्र, इत्र और विलास के साधन उपलब्ध रहेंगे। कला में प्रवीण होंगे। आपको पैसे का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। विवाहित जीवन सुखी होगा। अगर अविवाहित हैं तो विवाह हो सकता है। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। व्यापार में लाभ होगा। घरेलू जीवन सुखी रहेगा, संतान से सुखी मिलेगी।

आपके जीवनसाथी का पारिवारिक जीवन सुखी होगा। आपके पिता उच्चपद और सम्मान पाएंगे। माता को मानसिक शांति और आराम का संकेत है। भाई-बहनों को धन का लाभ होगा, छोटी यात्राएं हो सकती हैं, बहुत से मित्र बनेंगे।

आपकी संतान परीक्षा में सफलता प्राप्त करेगी। अगर वे सेवारत हैं तो विज्ञापन क्षेत्र में सफल होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो अप्रत्याशित परिवर्तन हो सकते हैं, धनागम होगा। व्यापारियों के लाभ में वृद्धि होगी। परामर्शदाताओं का प्रभाव बढ़ेगा, धन में वृद्धि होगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र गायत्री मंत्र का जाप करें।

अंतर्दशा :- मंगल - सूर्य (04/06/2026 - 10/10/2026)

आपकी मंगल की महादशा 10/05/2020 को प्रारंभ हो रही है। मंगल महादशा के अंतर्गत सूर्य की अंतर्दशा की अवधि 4 मास 6 दिन है। आपके लिए सूर्य की अंतर्दशा 04/06/2026 को प्रारंभ होकर 10/10/2026 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी सूर्य आत्मा, स्वास्थ्य और ऊर्जा का कारक है।

इस अवधि में आपको सफलता और उन्नति मिलेगी। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। स्वास्थ्य और कार्यक्षमता उत्तम रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। स्पर्धा में आप विजयी रहेंगे। धन का संचय होगा। कभी-कभी आप क्रोधी या निरंकुश हो सकते हैं। इस पर नियंत्रण आवश्यक है। विवाह संभव है।

आपके जीवनसाथी को व्यापार में लाभ, प्रोन्नति, उच्चाधिकारियों से सहयोग की संभावना है। माता को कार्यों में सफलता, प्रसिद्धि, प्रोन्नति, धनलाभ प्राप्त होंगे। छोटे भाई-बहन सफलता और धन प्राप्त करेंगे, विशिष्ट व्यक्तियों से मित्रता होगी। आपकी संतान को शिक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो सौभाग्यशाली रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं को सफलता प्राप्त होगी। व्यापारियों को धनलाभ होगा।

आपको मामूली पित्त संबंधी शिकायत हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए गेहूं, गुड़, और घी का दान करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

महादशा :- राहु
(11/05/2027 - 10/05/2045)

राहु की महादशा 11/05/2027 को आरम्भ और 10/05/2045 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु सप्तम भाव में स्थित है। राहु की दृष्टि लग्न पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको सम्पत्ति तथा वाहन की प्राप्ति, साझेदारों से लाभ और स्वास्थ्य संबंधी मामूली समस्या हुई होगी। राहु की इस दशा में आपको यात्रा तथा वाणिज्य-व्यवसाय में लाभ तथा विदेश में सफलता मिलेगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपको पित्तरोग, उदररोग, ज्वर, सरदर्द, फोड़ा-फुन्सी, व्रण (फोड़ा), अल्सर आदि रोग हो सकते हैं। सन्तुलित भोजन तथा अन्य उपायों से इनमें से बहुतों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त सुदृढ़ होगी। आपको वाणिज्य-व्यापार, यात्रा तथा विदेश से लाभ होगा। किसी भी अनुबंध या समझौते के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए। आपको सट्टे तथा निवेश में पर्याप्त लाभ होगा। जीविका तथा व्यवसाय के लिए दवा, कम्प्यूटर, रसायन,



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

वैमानिकी, उड्डयन तथा मशीन से संबंधित क्षेत्रों का चयन कर सकते हैं। दवा, एण्टीबायोटिक, यंत्र-उपकरण, मंशीनरी आदि का व्यापार-लाभदायक हो सकता है। सेवारत लोगों को पर्याप्त लाभ मिलेगा और पदोन्नति तथा स्थानान्तरण होगा। आपको अपने सहायकों व सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों की जीवन-चर्या में प्रगति होगी, विदेशी स्रोतों से लाभ, यश और ख्याति की प्राप्ति तथा व्यापार में विस्तार होगा। जीवन चर्या में प्रगति के लिए यह दशा अत्यन्त सुन्दर है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शनि की अन्तर्दशा के दौरान आपको जीवन का सारा सुख प्राप्त होगा। आपको जमीन जायदाद से लाभ तथा स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। इस दशा के दौरान आपको भू-सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान आपकी छोटी यात्रा और बुध की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपको कठिन परिश्रम करना होगा। आप प्रेरित और दृढ़निश्चय होंगे और बड़ी संख्या में शिक्षा से अलग गतिविधियों में भाग लेंगे। दवा, कम्प्यूटर-विज्ञान, गणित, विज्ञान, इन्जीनियरिंग आदि विषयों में आपकी रुचि होगी। आप में नेतृत्व-गुण विद्यमान हैं जो इस दशा के दौरान सामने आएंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपके बच्चों की छोटी यात्रा, उत्तम स्वास्थ्य और जीवन-चर्या में उन्नति होगी। आपके जीवन साथी को सम्पत्ति, कुछ मामूली सवास्थ्य-समस्या और वाणिज्य-व्यापार में सफलता मिलेगी। आपकी माता की अचल सम्पत्ति का संग्रह और सुख की प्राप्ति होगी। जबकि पिता को समृद्धि, सम्पत्ति तथा अर्थ प्राप्ति के अनेक अवसर मिलेंगे। आपके छोटे भाई-बहनों को सट्टे में लाभ, आय में अचानक वृद्धि और शिक्षा में समस्या होगी जबकि बड़े भाई-बहनों को ख्याति, यश, पद और आराम मिलेगा।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा, जीवनचर्या में उन्नति और विवाह होगा। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान यात्रा, मामूली स्वास्थ्य समस्या और विरोधियों पर विजय मिलेगी। शनि की अन्तर्दशा में उत्तम शिक्षा, बच्चों से सुख, सफलता, यश और ख्याति मिलेगी। बुध की अन्तर्दशा के दौरान खुशहाली, लम्बी यात्रा और पिता से लाभ मिलेगा। केतु कुछ समस्या उत्पन्न करेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में चौतरफा समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति तथा सफलता मिलेगी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा में हर प्रकार का लाभ मिलेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान प्रगति और जीवन में सफलता मिलेगी जबकि मंगल की अन्तर्दशा में यात्रा, व्यवसाय में प्रगति और व्यापार में लाभ होगा।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

**अंतर्दशा :- राहु - राहु
(11/05/2027 - 21/01/2030)**

राहु महादशा की अवधि 18 वर्ष होती है। आपके लिए यह 11/05/2027 को प्रारंभ होकर 10/05/2045 को समाप्त होगी। इस महादशा में राहु अंतर्दशा की अवधि 2 वर्ष 8 मास 12 दिन होगी जो आपके लिए 11/05/2027 को प्रारंभ होकर 21/01/2030 को समाप्त होगी।

राहु आपकी जन्मपत्री में सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव लौकिक संबंध जीवनसाथी, व्यापार में साझेदार, मुकदमे, विदेश में प्रभाव और जीवन में खतरों का परिचायक है। राहु छायाग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती। स्थिति के अनुसार यह शुभ या अशुभ हो सकता है। सप्तम भाव में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के लग्न पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी रुचि ऐशो-आराम और अय्याशी में हो सकती है। निम्न कोटि के या विदेश के विपरीत लिंग के व्यक्तियों से संबंध हो सकते हैं। विवाहित जीवन में तनाव हो सकता है।

अरिष्ट से बचाव के लिए 7 रत्ती का गोमेद चांदी की अंगूठी में अपने इष्टदेव की उपासना के बाद बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में गंगाजल और कच्चे दूध से धोकर धारण करें।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रुचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते हैं।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापकम के अनुसार हैं। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम



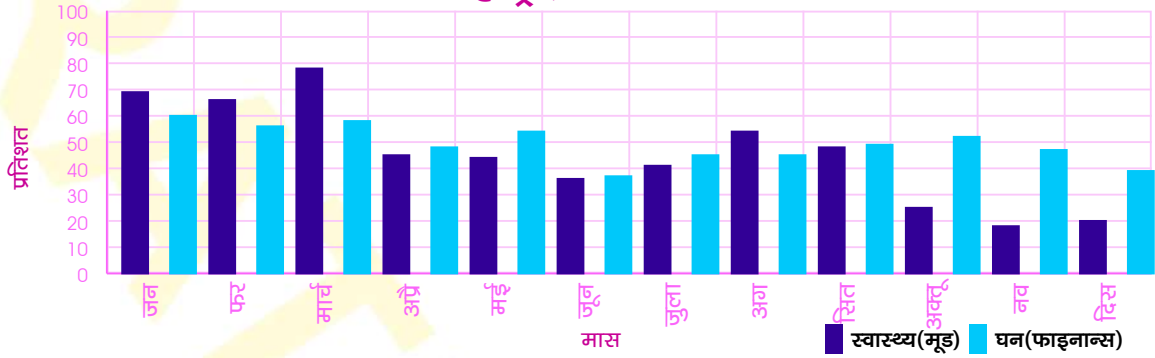
RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

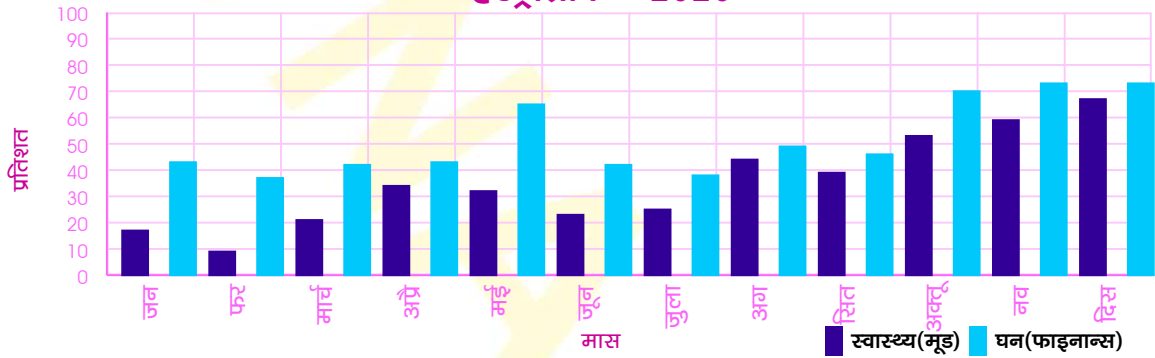
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

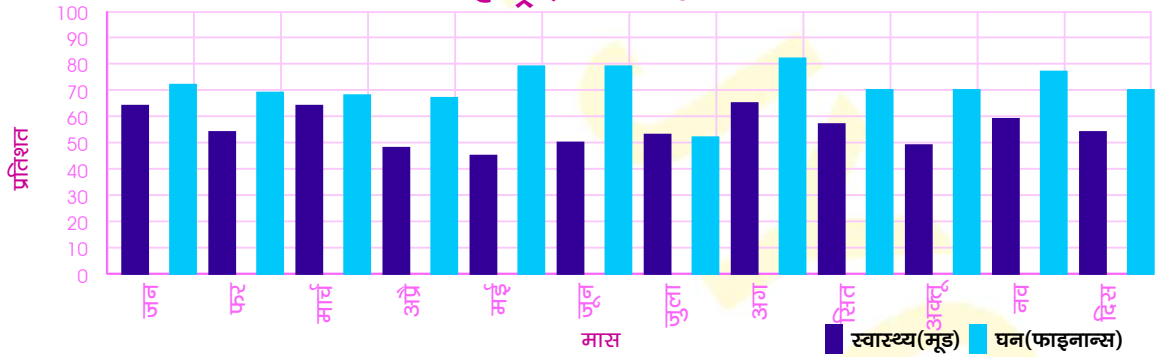
एस्ट्रोग्राफ - 2019



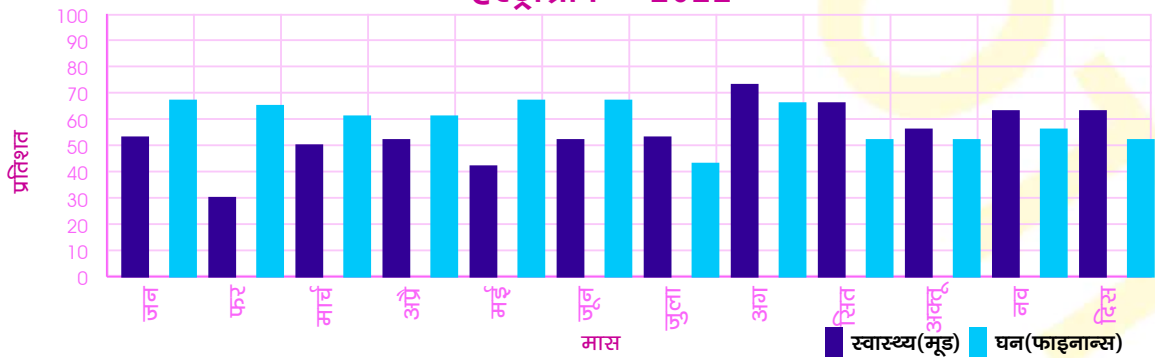
एस्ट्रोग्राफ - 2020



एस्ट्रोग्राफ - 2021



एस्ट्रोग्राफ - 2022



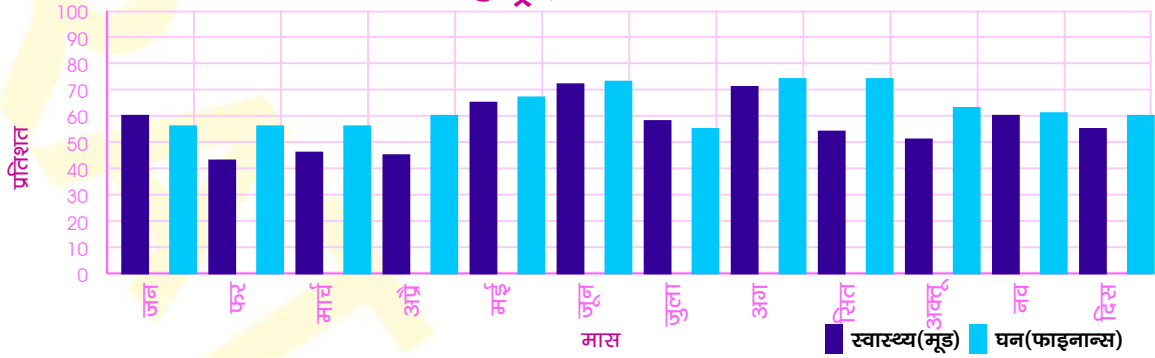
RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

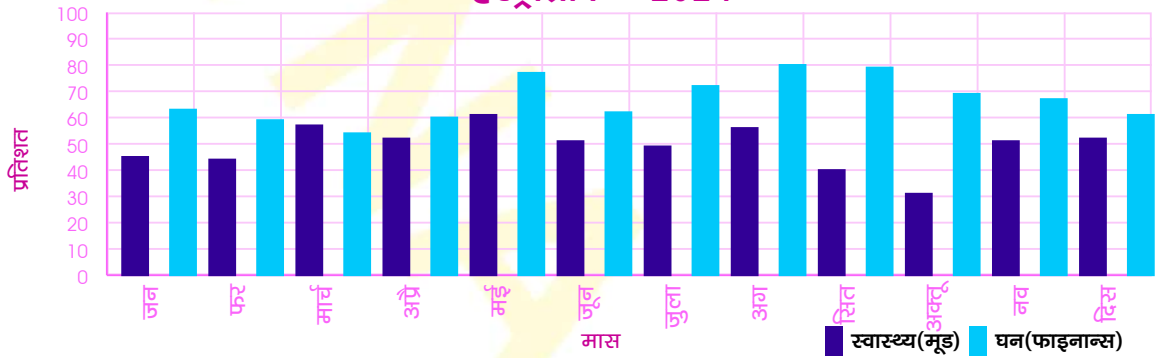
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

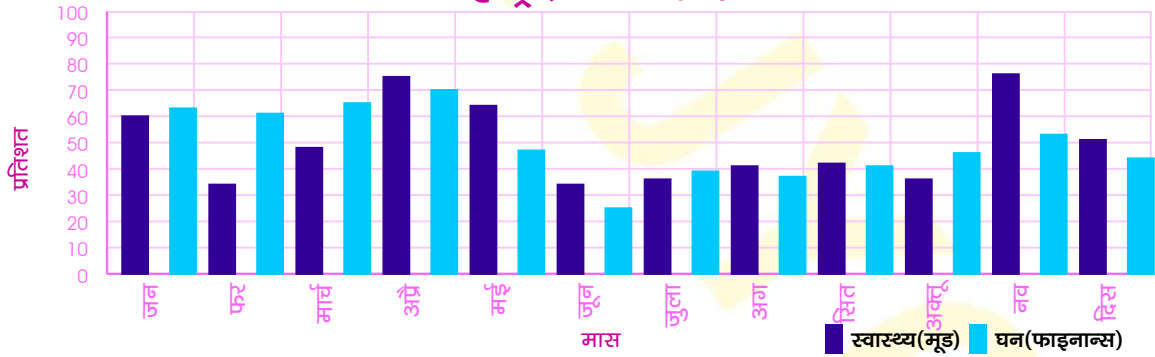
एस्ट्रोग्राफ - 2023



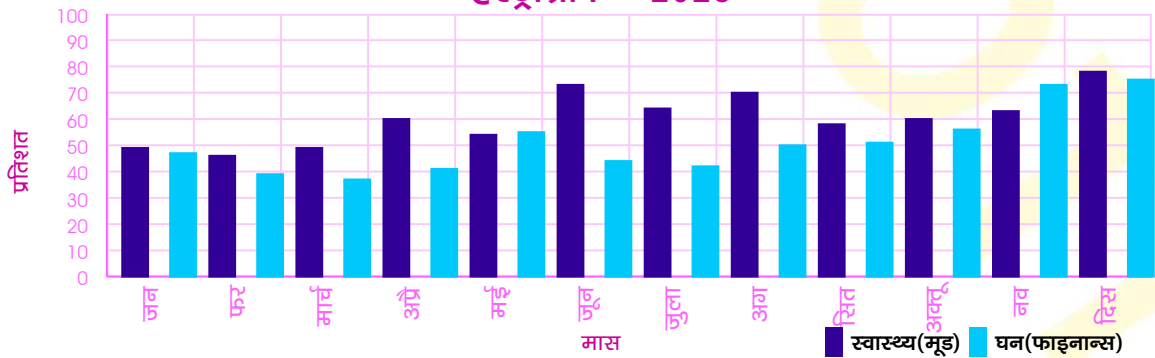
एस्ट्रोग्राफ - 2024



एस्ट्रोग्राफ - 2025



एस्ट्रोग्राफ - 2026



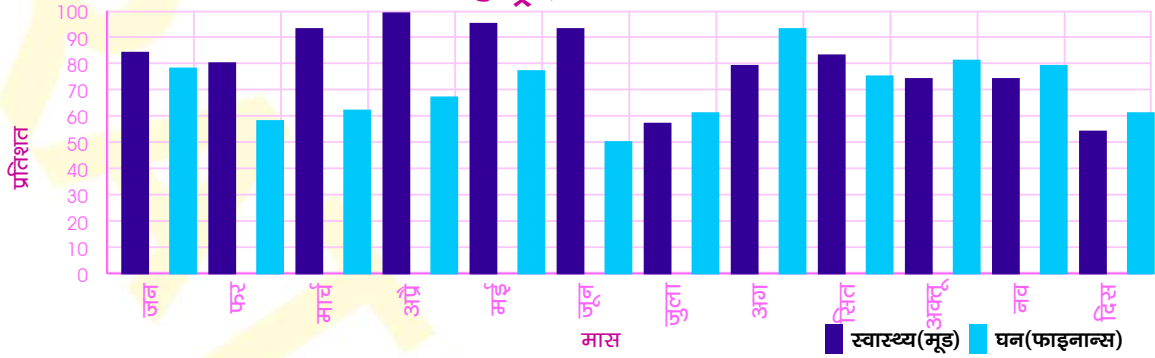
RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

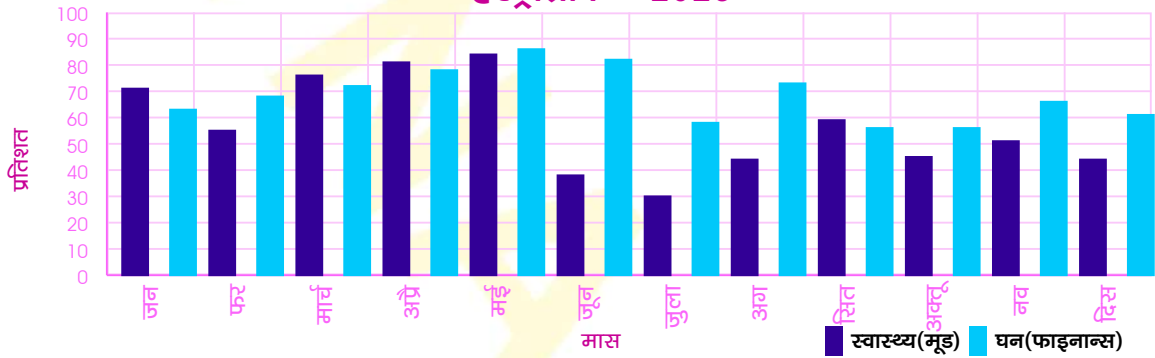
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

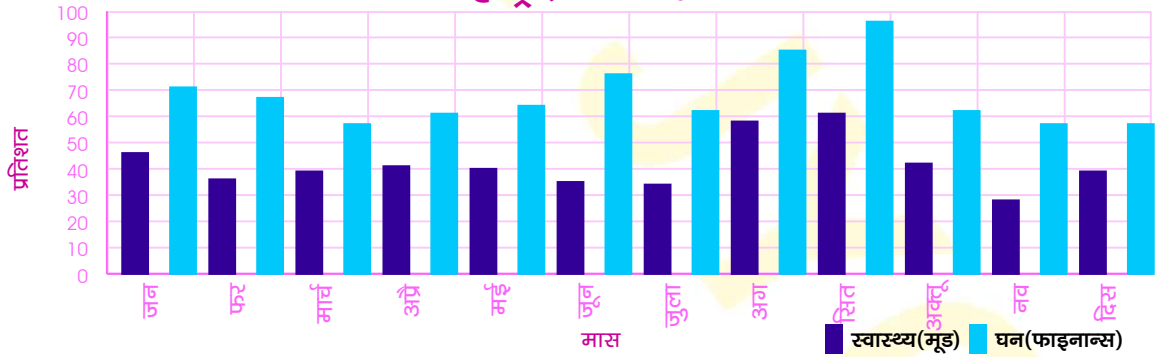
एस्ट्रोग्राफ - 2027



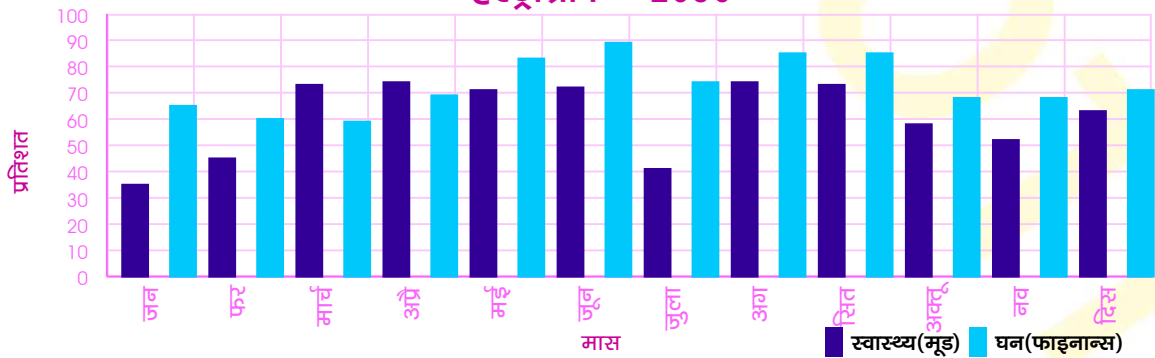
एस्ट्रोग्राफ - 2028



एस्ट्रोग्राफ - 2029



एस्ट्रोग्राफ - 2030



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

योग

रुचक योग

स्वगेहतुङ्गाश्रयकेन्द्रसंस्थैरुच्चोपगैर्वाचनसूनुमुख्यैः ।
क्रमेण योगा रुचकाख्यभद्रहंसाख्यमालव्यशशाभिधानाः ॥
दीर्घाः स्वच्छकान्तिर्बहुरुधिरवलः साहसप्राप्तसिद्धि-
श्चारुभ्रूनीलकेशः समकरचरणो मन्त्रविच्चारुकीर्तिः ।
रक्तःश्यामोऽतिशूरो रिपुबलमथनः कम्बुकण्ठो महौजाः ।
क्रूरो भक्तो नराणां द्विजगुरुविनतः क्षामजानूरुजङ्घः ॥
खट्वाङ्गपाशवृषकार्मुकचक्रवाणा-
विज्ञाङ्कहस्तचरणः सरलाङ्गुलिः स्यात् ।
मन्त्राभिचारकुशलस्तुलयेत्सहस्रं
मध्यं च तस्य गदितं मुखदैर्ध्यतुल्यम् ॥
सह्यस्य विन्ध्यस्य तथोज्जयिन्याः प्रभुः शरत्सप्ततिरायुरस्य ।
शास्त्राग्निचिह्नोरुचकाभिधाने देवालयान्ते निधनं प्रयाति ॥
॥ मानसागरी ॥ अ.4/श्लोक 2, 3-5 ॥

यदि जन्मपत्रिका में स्वराशि अथवा उच्चहोकर मंगल केन्द्र में हो तो रुचक नामक योग बनता है ।

इस योग वाला जातक दीर्घायु होता है । वह सुन्दर कान्ति, शक्तिशाली, साहसी, यश प्राप्त करने वाला, महावीर, मन्त्रवेत्ता, शत्रुओं को भय दिखाने वाला, क्रूरप्रकृति वाला, गुरु वर्गों के समक्ष विनम्र, हाथ पैरों में खट्वाङ्ग (शिव अस्त्र विशेष), पाश, वृष, धनुष, चक्र, वीणा, विद्या आदि रेखा होती है, ये चिह्न भाग्यशाली मनुष्यों के द्योतक हैं । अच्छी सम्मति देने वाला, युद्धादि अथवा मारणादि प्रयोगों में कुशल होता है । शस्त्राग्नि चिह्न से युक्त जातक देवस्थान के समीप मृत्यु प्राप्त करने वाला होता है ।

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में रुचक नामक महापुरुष योग पूर्ण रूप से घटित हो रहा है । यह योग अत्यंत ही उत्तम माना जाता है । फलस्वरूप आप एक प्रभावशाली, पराक्रमी, विख्यात एवं धनेश्वर्य से युक्त होंगे, तथा पराक्रम से उच्चराज योग की प्राप्ति करेंगे । आप सेना, इन्जीनियरिंग, मेडिकल, होटल एवं भवन निर्माण सम्बंधी क्षेत्र में उच्चस्तर प्राप्त कर सकते हैं ।

हंस योग

स्वगेहतुङ्गाश्रयकेन्द्रसंस्थैरुच्चोपगैर्वाचनसूनुमुख्यैः ।
क्रमेण योगा रुचकाख्यभद्रहंसाख्यमालव्यशशाभिधानाः ॥
रक्तास्योन्नतनासिकासुचरणो हंसप्रसन्नेन्द्रियो
गौरः पीनकपालरक्तकरजो हंसस्वनः श्लैष्मिकः ।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शङ्खाब्जाङ्कुशमत्स्यदामयुगकैः खट्वाङ्गमालाघटै-
 श्चंचत्पादकरस्थलो मधुनिभे नेत्रे सुवृत्तं शिरः ॥
 जलाशयप्रीतिरतीव कामी न याति तृप्तिं वानितासुनूनम् ।
 ओच्चः रसाष्टाङ्गुलसम्मितं तत्तनोस्तथायुरिहास्ति षष्टिः ॥
 वाह्लीकदेशादरशूरसेनगन्धर्वगङ्गायमुनान्तरालान् ।
 भुक्त्वा वनान्ते निधनं प्रयाति हंसोऽयमुक्तो मुनिभिः प्रमाणैः ।

॥ मानसागरी ॥ अ. 4/श्लोक 2, 9 1-3 ॥

यदि जन्मपत्रिका में स्वराशि अथवा उच्चहोकर गुरु केन्द्र में हो तो हंसयोग बनता है ।

इस योग वाला जातक ऊंची नासिका (नाक), सुन्दरचरण (पाँव), हंससदृश प्रसन्न इन्द्रिय वाला (जिसकी अङ्ग प्रत्यङ्ग हंस की तरह सुन्दर हों), गौरवर्ण, मधुरवाणी वाला, कफ प्रकृतिवाला, मछली, कमल, अङ्कुश, शङ्ख, दाम, खट्वाङ्ग, माला, जुआ, घड़ा इन चिह्नों से सुशोभित हाथ पाँव वाला, मधु के समान नेत्रवाला और सुन्दर गोलाकार शिर वाला होता है । जलाशय में स्नेह रखने वाला, अत्यन्त कामी, स्त्रियों से तृप्ति न पाने वाला, 86 अङ्गुल ऊँचा शरीर वाला तथा 60 वर्ष तक जीने वाला होता है । वाह्लीक सुरसेन, गन्धर्वादिदेशों में तथा गङ्गा यमुना के मध्य देशों में भोग करके वन में मृत्यु प्राप्त करता है ।

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूप से घटित हो रहा है । फलस्वरूप- आप उच्चकोटि के विद्वान, राजनेता, मंत्री, शैक्षणिक क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, धार्मिक संस्था के अध्यक्ष, ज्योतिष के विद्वान या ज्योतिष विषय से सम्बंध रखने वाला, आध्यात्मिक गुरु, प्रवक्ता, संस्था के संस्थापक, शेयरब्रोकर, राजदूत, वित्तीय संस्था के स्वामी तथा विविध-क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त करेंगे ।

सेवा की दृष्टि से आप शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्य, धर्मगुरु, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, प्रशासनिक सेवा आइ. ए. एस. में विशेष ख्याति एवं सफलता प्राप्त करने में अग्रणी होंगे । आप राज्य में मंत्री, कूटनीतिज्ञ, उच्च शास्त्रकार, तथा विधिविशेषज्ञ के रूप में विश्वविख्यात होंगे ।

व्यवसाय के दृष्टिकोण आप शैक्षणिक संस्था संचालक, कम्पनी स्वामी, पीले रंग की वस्तुएं, धातुओं के उच्च व्यवसायी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट कन्सलटेंसी, वित्तीय संस्था के माध्यम से धन के लेन-देन से बहुत लाभ अर्जित करके धनी, ऐश्वर्यशाली, सम्मानित व्यक्ति के रूप में अपना जीवन व्यतीत करेंगे ।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम् ।

समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ॥

॥ सारावली ॥ अ. 35 /श्लोक 64 ॥

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : केतु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठत हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश-विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज-सुख प्राप्त करेंगे।

अमलयोग

चन्द्राव्योम्न्यमलाहवयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।

क्षमेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।

॥ फलदीपिका ॥ अ. 6/श्लोक 19-20 ॥

यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

सरल योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमान्द्रावैः सरलयोगः।

दीर्घायुष्मान् दृढमतिरभयः श्रीमान्विद्यासुतधनसहितः।

सिद्धारम्भो जितरिपुरमलो विख्याताख्यः प्रभवति सरले॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 6/श्लोक 57, 65 ॥

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश या अष्टम भाव अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो और अष्टम भाव का स्वामी 6ठे, 8वें, 12वें भाव में स्थित हों तो सरलयोग बनता है। अष्टमस्थ पाप ग्रह (शनि के अतिरिक्त) अच्छा फल नहीं देगा।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु, दृढ़ निश्चयी, निडर, धनवान, विद्या, पुत्र से युत अपने उद्योग में सफलता प्राप्त करने वाला, शत्रुजीत एवं प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे।

पर्वत योग

लग्नाधिप्राप्तभूपतिस्थितराशिनाथः

स्वोच्चस्वभेषु यदि कोणचतुष्टयस्थः।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

योग: स पर्वताख्यः ।

स्थिरार्थसौख्यः स्थिरकार्यकर्ता क्षितीश्वरः पर्वतयोगजातः ॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 6/श्लोक 35, 36 ॥

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश जिस राशि में है, उस राशि का स्वामी अपनी उच्च राशि या स्वराशि में स्थित होकर केंद्र या त्रिकोण में स्थित हो तो पर्वत योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका सुख और धन दोनों स्थिर रहेगा। आप स्थिर कर्म करेंगे। मकान बनवाना, बाग लगाना, कल-कारखाने की स्थापना आदि आपके स्थिर कार्य होंगी,

छत्रयोग

भावैः सौम्युतेक्षितैस्तदधिपैः सुस्थानगैर्भास्वरैः

स्वोच्चस्वर्क्षगतैर्विलग्नभवनाद्योगाः क्रमाद्द्वादश ।

सुसंसारसौभाग्यसन्तानलक्ष्मी

निवासो यशस्वी सुभाषी मनीषी ।

अमात्यो महीशस्य पूज्यो धनाढ्यः

स्फुरतीक्षणबुद्धिर्भवेच्छत्रयोगे ॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 4/श्लोक 44, 49 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव में शुभग्रह हों या शुभ ग्रह से पंचम भाव निरीक्षित हो तथा पंचमेश अस्त न हो और वह स्वराशि या उच्चराशि में स्थित होकर उत्तम स्थान में बैठा हो तो छत्रयोग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु, मंगल

योग की संभावना : 96 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सौभाग्यशाली, पुत्रवान, धनवान, यशस्वी, बुद्धिमान, प्रखर वक्ता, तेज बुद्धिवाले और राजसुख से युक्त राजा के मंत्री होंगे। आप राजसरकार से सम्मानित होंगे। आपको पंचम भाव से संबन्धित सभी सुख प्राप्त होंगे।

ख्याति योग

भावैः सौम्युतेक्षितैस्तदधिपैः सुस्थानगैर्भास्वरैः

स्वोच्चस्वर्क्षगतैर्विलग्नभवनाद्योगाः क्रमाद्द्वादश ।

सत्क्रियां सकललोकसम्मतामाचरन्नवति सज्जनान्नुपः ।

पुत्रमित्रधनदारभाग्यवान् ख्यातिजो भवति लोकविश्रुतः ॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 6/ श्लोक 44, 54 ॥



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

यदि जन्मपत्रिका में दशम भाव में शुभ ग्रह बैठे हों और कर्म भाव को शुभ ग्रह दे खते हो तथा दशम का स्वामी अस्तङ्गत न हो एवं स्वराशि या उच्च राशि में स्थित होकर उत्तम स्थान में बैठा हो तो ख्याति योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र, बुध, मंगल

योग की संभावना : 96 में 1

आपकी कुण्डली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप श्रेष्ठ कार्य करेंगे एवं प्रशंसित होंगे, राजा होकर अपनी प्रजा की रक्षा करेंगे और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। आप स्त्री, पुत्र, मित्र एवं धन का सुख प्राप्त करेंगे और बहुत ही भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

महादान योग

दानाधिपेन संदृष्टे लग्ने तन्नायकेपि वा ।
तस्मिन्केन्द्रत्रिकोणस्थे महादानकरो भवेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.7/भाव-9/श्लोक-4

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश पर या लग्न पर नवमेश की दृष्टि हो वह नवमेश भी केन्द्र या त्रिकोण में हो तो जातक महादानी होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु, चंद्र

योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप हाथी-घोड़ा दान, तुलादान तथा महादान करेंगे। आप महादानी होंगे।

अचल लक्ष्मी योग

चन्द्रेण मङ्गलो युक्तो जन्मकाले यदा भवेत् ।
तस्य जातस्य गेहं तु लक्ष्मीर्नैव विमुञ्चति ॥

॥ मानसागरी ॥ अ. 4/श्लोक 8 ॥

यदि जन्मकुण्डली में मंगल के साथ चंद्रमा चाहे जिस भाव में हो जातक के पास सदैव लक्ष्मी निवास करती है।

योग कारक ग्रह : चंद्र, मंगल

योग की संभावना : 144 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके पास सदैव धन रहेगा। आपके घर में स्थिर लक्ष्मी निवास करेगी।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

सात्त्विक बुद्धि योग

शौर्याधिपे सौम्यान्विते सात्त्विकबुद्धियुक्तः ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-40

यदि जन्मकुंडली में तृतीयेश बुध से युक्त हो तो जातक सात्त्विक बुद्धि का होता है ।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सात्त्विक बुद्धि के प्राणी होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

निष्कपट योग

लग्ने गुरौ दानवपूजितेन युक्ते यदा तस्य विशुद्धचित्तम् ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-146 ॥

यदि जन्मपत्रिका के लग्न में बृहस्पति शुक्र से युक्त हो तो जातक निष्कपट होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र

योग की संभावना : 144 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप निष्कपट प्राणी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पुत्रनाश योग

पापमध्ये तु यद्भावे तदीशेऽपि तथा स्थिते ।

कारके पापसंयुक्ते पुत्रनाशं वदेत्तदा ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ. 5/श्लो.-14 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव या पंचमेश पाप ग्रहों के बीच हो, तथा संतान कारक ग्रह भी पाप युक्त हो तो पुत्रनाश योग बनता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,केतु,मंगल,गुरु

योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको संतान सुख में बाधा हो ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

बुद्धिस्थानाधिपस्यांशराशीशे शुभवीक्षिते ।

वैशेषिकांशके वापि तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ. 5/श्लो.-35 ॥



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश जिसके नवांशक में हो वह शुभ ग्रह से दृष्ट अथवा वैशेषिकांश में हो तो तीव्र बुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,मंगल

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीव्र बुद्धि के होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

कारकस्थितराश्यंशनाथे केन्द्रत्रिकोणगे ।

बुद्धीश्वरेण संदृष्टे तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ. 5/श्लो.-36 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव कारक ग्रह जिसकी राशि अंशक में हो वह केंद्र या त्रिकोण में पंचमेश से दृष्ट हो तो तीव्रबुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,सूर्य

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीक्ष्ण बुद्धि वाले होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

बहुपुत्र योग

पुत्रस्थानपतौ तु वा नवमपे पुंवर्गे पुरुषग्रहेक्षितयुते जातस्तु पुत्राधिकः ।

॥ जातकपारिजात ॥ अ. 13/श्लो.-9 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश अथवा नवमेश पुरुष ग्रह के वर्ग में हो तथा पुरुष ग्रह से दृष्टिगत या युत हो तो बहुपुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अनेक पुत्रों का सुख प्राप्त हागा। ऐसा प्रतीत होता है।

एकपुत्र योग

पुत्रेशांशपतिः स्वभांशकगतो यद्येकपुत्रं वदेत् ।

॥ जातकपारिजात ॥ अ. 13/श्लो.-11 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम स्थान का स्वामी जिस नवांश में हो, उस नवांश का स्वामी निज नवांश में हो तो एक पुत्र योग बनता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको मात्र एक पुत्र का सुख प्राप्त हो ऐसा प्रतीत होता है।

गुल्म रोग योग

तथाभूते शनौ गुल्मरोगो वात्र विशेषतः।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि अ.-5/श्लो.-35 ॥

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठस्थान में शनि षष्ठेश पाप युक्त या पाप दृष्ट हो तो जातक को विशेषकर गुल्म रोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि,गुरु,सूर्य,मंगल,राहु,के

योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको गुल्मरोग (त्वचा रोग) होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

शिर मुख या गुल्म रोग योग

बलहीनेऽरिनाथे वा लग्नस्थे वा धरासुते।

मूर्धार्तिमुखरोगो वा गुल्मविद्रधिभागभवेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि-अ.-5/श्लो.-42 ॥

यदि जन्मकुंडली में षष्ठेश निर्बल हो या लग्नस्थ हो अथवा लग्न में मंगल हो तो शिर में पीड़ा या मुखरोग अथवा गुल्मरोग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शिर रोग, मुखरोग या गुल्म रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

वात (वायु) रोग योग

षष्ठाष्टमे मन्दे वातामयम्।

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-11 ॥

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठ या अष्टम भाव में शनि स्थित हो तो वात रोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप वात रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः

सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23 ॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-14 ॥

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु,केतु,सूर्य

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्यायोग

कलत्रेशे बहुगुणे तुङ्गवक्रादिहेतुभिः ।

बहुभार्यं नरं विद्यादुदयर्क्षगतेऽपि वा ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-15 ॥

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश उच्च वक्र आदि बहुत गुणों से युक्त हो अथवा लग्नस्थ हो तो मनुष्य बहुत स्त्रियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके अधिक जीवनसाथी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

द्विविवाह योग

कारके पापसंयुक्ते नीचराश्यंशकेऽपि वा ।
पापग्रहेण संदृष्टे विवाहद्वयमादिशेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-19 ॥

यदि जन्मकुण्डली में सप्तमभाव कारक ग्रह पाप युक्त हो अथवा नीचराशि नीचांशक में पाप ग्रह से दृष्ट हो तो द्विविवाह योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,सूर्य,मंगल,राहु,केतु

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दो जीवन साथी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

अतिकामी योग

पापव्योमचरान्वितौ तनुरिपुस्थानाधिपौ कामुकः ।

॥ जातकपारिजात ॥ अ.-14/श्लो.-3 ॥

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठेश पाप ग्रह से युक्त हो तथा लग्नेश भी पापग्रह से युक्त हो तो अति कामी योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,चंद्र,शनि

योग की संभावना : 16 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप अतिकामी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

पापाः सप्तमे द्विभार्याः ।

॥ बृहद्योग रत्नाकर ॥ पृ. 303 ॥

यदि जन्मपत्रिका में सप्तम भाव में पाप ग्रह हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : राहु

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके जीवन में दो जीवनसाथी आएंगे, अर्थात आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

दीर्घायु योग

यदि होरागतः शुक्रः केन्द्रेष्वन्यतमे गुरुः ।

नैधने न च पापाः स्युः सर्विशं जीवते शतम् ॥

॥ सारावली ॥ अ.10/श्लो.-95 ॥



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

यदि जन्मपत्रिका में लग्न में शुक्र हो और किसी भी केंद्र स्थान में गुरु हो तथा अष्टम भाव में पापग्रह न हों तो 120 वर्ष जातक जीता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र

योग की संभावना : 108 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु होकर 120 वर्ष तक जीवित रहेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

दीर्घायु योग

राशौ कर्कटहोरायां गुरुशुक्रौ समन्वितौ।

गुरुश्चन्द्रयुतो वाऽपि निधने न च कश्चन ॥

॥ सारावली ॥ अ.10/श्लो.-96 ॥

यदि जन्मपत्रिका में कर्क लग्न में गुरु शुक्र हों या गुरु चन्द्रमा से युक्त कर्क लग्न में हो तथा अष्टम में पापग्रह न हों तो 120 वर्ष तक जातक जीता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु

योग की संभावना : 864 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु होकर 120 वर्षों तक इस संसार का सुखभोग प्राप्त करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विकलांग शरीर योग

केन्द्रगौ पुष्पवन्तौ विकलाङ्गः।

॥ बृहद्योगरत्नाकर पृ. -5. ॥

यदि जन्मकुंडली में केंद्र (1-4-7-10) में सूर्य और चंद्रमा दोनों ग्रह स्थित हो तो जातक विकलांग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,शुक्र

योग की संभावना : 9 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप अंग से हीन होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पाप कर्त्तरी योग

”पापयोगोद्भवः कामी पापकर्मपरार्थयुक् ॥

व्ययस्वगैः पापैर्विलगनात्पापाख्यः।”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 5 ॥

यदि लग्न से द्वादश एवं द्वितीय भाव में पापग्रह हों तो पापकर्त्तरी योग होता है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु,चंद्र

योग की संभावना : 6 में 1

पारिजात योग

”सपारिजातद्युचरः सुखानि ।”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ॥

जिसकी पत्रिका के “पारिजात” भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : मंगल

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह “पारिजात” वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

”नीरोगतामुत्तमवर्गयातः ।”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ॥

जिस जातक की पत्रिका के “उत्तमवर्ग” भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शनि

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह “उत्तमवर्ग” में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

केमद्रुम योग

”चेत्त्वित्तव्ययगाः भवन्ति न खगाः केमद्रुमः स्यात्तदा ।

प्राचीनैर्मुनिभिः स्मृताः श्रुतिमिताः योगाः शशाङ्कोद्भवाः ॥”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 43 ॥

यदि जन्मपत्रिका में चन्द्र से द्वितीय अथवा द्वादश भाव में कोई भी ग्रह न हों तो “केमद्रुम” योग का सृजन होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र

योग की संभावना : 32 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण “केमद्रुम” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धन(अर्थ), पुत्र, पत्नी, भाई से हीन, नौकरी पेशा वाले (दास) एवं परदेश में निवास करेंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

वेशि योग

”धनखेटैर्वेशी दिनेशात्”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ॥

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : बुध,सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण “वेशि” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुखक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>